नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, रविवार 2 नवम्बर 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 165 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम स्थित काशीबुग्गा वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में भगदड़ के बाद जगह-जगह बिखरा पूजा का सामान

राजभवन में अलग-अलग राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्थापना दिवस पर समारोह आयोजित

विविधता में एकता का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करता है भारत : संतोष गंगवार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजभवन में शनिवार को जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, पंजाब, तमिलनाडु, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, चंडीगढ़, दिल्ली, लक्षद्वीप और पुडुचेरी राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों का स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने संबंधित राज्य और केंद्र शासित प्रदेश को लोगों से मुलाकात कर हार्दिक शुभकामनाएं दी। राज्यपाल ने विभिन्न राज्यों की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि आंध्र प्रदेश दक्षिण भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। छत्तीसगढ़ अपनी प्राकृतिक सुंदरता और प्रचुर संसाधनों के लिए प्रसिद्ध है। हरियाणा ने कृषि और खेलों में देश का गौरव बढ़ाया है। कर्नाटक नवाचार और तकनीकी प्रगति का केंद्र बनकर उभरा है। केरल, जिसे 'भगवान का अपना देश' कहा जाता है, अपनी उच्च साक्षरता और प्रगतिशील समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। मध्य प्रदेश अपनी प्राचीन सभ्यता और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है। पंजाब साहस, वीरता और कृषि समृद्धि की भूमि है जबकि तमिलनाडु शास्त्रीय कला, साहित्य और द्रविड़ संस्कृति की धरोहर है। राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा कि भारत विविधता में एकता का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करता है। हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपनी विशिष्ट पहचान, गौरवशाली परंपरा और सांस्कृतिक योगदान से राष्ट्र को सशक्त और समृद्ध बनाते हैं। उन्होंने कहा कि 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणादायी पहल है, जो राज्यों के बीच आपसी समझ, सम्मान और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को सुदृढ़ करने का माध्यम है। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि 31 अक्टूबर को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की स्थापना हुई थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा अनुच्छेद 370 को हटाने का ऐतिहासिक निर्णय इन दोनों केंद्र शासित प्रदेशों के नागरिकों को समान अधिकार और अवसर सुनिश्चित कराने की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध हुआ है। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अभियान ने भारत को वैश्विक स्तर पर मानवीय संवेदनाओं और त्वरित कार्रवाई में अग्रणी राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है।

बंद घर से चार जिंदा बम बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। पुलिस ने एक घर में छापेमारी कर चार बम बरामद किये हैं। इस सिलसिले में एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। पुलिस को सूचना मिली थी कि भौंरा ओपी अंतर्गत भौंरा सात नंबर उर्दू स्कूल के बगल में स्थित एक बंद पड़े मकान में बम रखे हुए हैं। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और चार जिंदा बम बरामद किए। पुलिस बरामद सभी बमों को निष्क्रिय कर जांच में जुट गई है। पुलिस शक के आधार पर भौरा सात नंबर के रहने वाले मोइनुद्दीन नामक युवक को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ कर रही है। फिलहाल पुलिस ने बरामद बम को पानी में डालकर निष्क्रिय कर दिया है। इधर घटना की सूचना पाकर जोड़ापोखर सर्किल इंस्पेक्टर आशुतोष कुमार व भौंरा ओपी प्रभारी सौरभ सुमन मौके पर पहुंचे और हिरासत में लिए गए युवक से पूछताछ की। पुलिस मामले की गंभीरता से छानबीन कर रही है। युवक बम से किस तरह की घटना को अंजाम देने की फिराक में था, ऐसे कई बिंदुओं पर पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है। सिंदरी एसडीपीओ आशुतोष कुमार सत्यम ने बताया कि एक घर से बम बरामद हुआ है। इस मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। प्रथम दृष्टया बम कहीं से खरीदकर लाने की बात सामने आ रही है। बम कहां से खरीदकर लाया गया था, पुलिस उससे यह राज उगलवाने में लगी है।

संक्षिप्त समाचार

दिनदहाड़े युवक को गोली मारी

मेदिनीनगर (नबिटा ब्यूरो)। पलामू जिले के हैदरनगर थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब दो बाइक सवार अपराधियों ने एक युवक को गोली मार दी। घटना सुबह करीब नौ बजे हैदरनगर हाई स्कूल के मैदान में हुई। अपराधियों ने नीरज चंद्रवंशी को निशाना बनाकर गोली चलाई जिससे वह घायल हो गया।

बंद घर से लाखों के गहने की चोरी

बोकारो(नबिटा ब्यूरो)। सिटी थाना क्षेत्र स्थित सेक्टर 3 ई में एक बंद घर से लाखों रुपये के गहने और कीमती सामान चोरी हो गए। यह घटना बीती रात अनिल सिंह के क्वार्टर संख्या 381 में हुई, जब वे अपने परिवार के साथ कानपुर गए हुए थे। अनिल सिंह ने घर की चाबी अपने पड़ोसी के पास रखी थी। शुक्रवार देर रात अज्ञात चोरों ने घर पर लगा ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया। चोरों ने अलमारी में रखे गहने और अन्य कीमती सामान चुरा लिए।

युवक की गोली लगने से मौत

गिरिडीह (नबिटा ब्यूरो)। सऊदी अरब के जेद्दा शहर में हुई फायरिंग में गिरिडीह के एक युवक की मौत हो गई। जेद्दा में पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ चल रही थी। उसी दौरान विजय अनजाने में गोलीबारी की चपेट में आ गया। इलाज के क्रम में उसने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान डुमरी प्रखंड निवासी 26 वर्षीय प्रवासी श्रमिक विजय कुमार महतो के रूप में की गई है। विजय जेद्दा में एक निजी कंपनी के ट्रांसमिशन लाइन प्रोजेक्ट में कार्यरत था।

पत्थर व्यवसायी को मारी गोली, मौत

पाकुड़ (नबिटा ब्यूरो)। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लखनपुर गांव में शुक्रवार देर रात पत्थर व्यवसायी मगबूल शेख उर्फ शेखू (45 वर्ष) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जानकारी के अनुसार रात में वे अपने घर के पास स्थित चाय दुकान पर चाय पीने गए थे। उस दौरान बारिश शुरू हो जाने से वे वहीं रुक गए। देर रात जब बारिश थमी और वे घर लौटने लगे तभी रास्ते में पहले से घात लगाए छह लोगों ने उन पर हमला कर दिया।

टैंकर दुर्घटनाग्रस्त चालक की मौत

मेदिनीनगर(नबिटा ब्यूरो)। मेदिनीनगर-रांची मुख्य मार्ग पर हुए एक सड़क हादसे में केमिकल टैंकर के चालक की मौत हो गई। यह घटना शनिवार सुबह सतबरवा थाना क्षेत्र के दुबियाखाड़ में नेशनल हाईवे 39 पर हुई। सुबह करीब साढ़े चार बजे एक केमिकल लदा टैंकर अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे पलट गया। मृतक चालक की पहचान बिहार के मुजफ्फरपुर निवासी रमेश कुमार मेहता (45) के रूप में हुई है।

शौचालय निर्माण योजना में गड़बड़ी का मामला उजागर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गढ़वा। जिले में पेयजल स्वच्छता विभाग के तहत शौचालय निर्माण योजना में बड़े पैमाने पर घोटाला हुआ है। विभाग की जांच में यह बात सामने आई है कि एक करोड़ 65 लाख रुपये लेने के बावजूद अब तक 1380 शौचालय धरातल पर पता ही नहीं है। पेयजल स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता की जांच रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। विभाग की ओर से मामले में कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जांच के बाद विभाग द्वारा 60 ग्राम जल स्वच्छता समिति एवं स्वयं सहायता समूह के खिलाफ नीलाम पत्र वाद दायर किया गया है। इसमें इन समितियों के अध्यक्ष तत्कालीन मुखिया, कोषाध्यक्ष जल सहिया सहित अन्य को आरोपी बनाते हुए विभाग 12 प्रतिशत की चक्रवृद्धि ब्याज के साथ राशि रिकवरी की योजना बना रहा है। वहीं मामला उजागर होने के बाद गांव के लोगों में हड़कंप मच गया है। आपको बता दें कि कई लाभुकों ने शौचालय के नाम पर राशि तो ले ली लेकिन शौचालय का निर्माण नहीं कराया है। वहीं इस मामले को लेकर कार्यपालक अभियंता अजय कुमार सिंह ने कहा कि मामला सामने आने के बाद हमने कार्रवाई का निर्देश दिया है। या तो शौचालय धरातल पर दिखे नहीं तो राशि की रिकवरी अवश्य की जाएगी। उन्होंने कहा कि लाभुकों को उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा करने का भी निर्देश दिया जाएगा।

धनबाद में निकाय चुनाव की तैयारी शुरू

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। जिला प्रशासन ने नगर निकाय चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी है। चुनाव की घोषणा से पहले ही मतदान प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए प्रशासनिक स्तर पर कार्य तेज कर दिया गया है। इसी क्रम में शनिवार को उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी आदित्य रंजन ने पॉलिटेक्निक कॉलेज और बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय (बीबीएमकेयू) परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ एसएसपी प्रभात कुमार और कई प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने बताया कि सरकार द्वारा निकाय चुनाव की तैयारियों को लेकर लगातार दिशा-निर्देश जारी किए जा रहे हैं। इसी के तहत धनबाद में भी मतदान कर्मियों को बेहतर सुविधा देने और सुरक्षित स्ट्रॉन्ग रूम तैयार करने के लिए संभावित स्थलों का चयन किया जा रहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि चुनाव के दौरान सुविधा और सुरक्षा के अनुसार इन परिसरों का उपयोग किया जाएगा। संबंधित अधिकारियों को आवश्यकतानुसार साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि चुनाव की घोषणा होते ही सभी तैयारियां पूरी हों और किसी तरह की बाधा न आए।

जंगली हाथी ने यात्री बस पर जमाया कब्जा

लातेहार(नबिटा ब्यूरो)। झुंड से भटका जंगली हाथी लातेहार के भीड़ भाड़ वाले इलाके में पहुंच जा रहा है। शनिवार को जंगली हाथी जिले के बारेसांड थाना मुख्यालय पहुंच गया। इस दौरान जंगली हाथी ने लातेहार से महुआडांड़ की ओर जा रही यात्री बस पर कब्जा जमा लिया। हाथी ने बस में रखा खाने के सामान को चट कर गया। हालांकि लगभग तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद हाथी को जंगल की ओर भगाने में वन विभाग की टीम सफल हुई। दरअसल एक जंगली हाथी अपने झुंड से भटक गया है। वह पिछले कई दिनों से लगातार लातेहार के भीड़ भाड़ वाले इलाके में पहुंच जा रहा है। दो दिनों पूर्व ही जंगली हाथी महुआडांड़ अनुमंडल मुख्यालय में पहुंच गया था जिसके बाद लगभग 5 घंटे तक हड़कंप मचा रहा।

केबल चोरी मामले में छह आरोपित गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रामगढ़। रामगढ़ गोला पुलिस ने केबल चोरी के मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस संबंध में एसपी अजय कुमार ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि गोला थाना क्षेत्र के ग्राम सुतरी में कुछ लोग बिजली के खंभों से केबल के तार काटकर इकट्ठा कर रहे हैं। इन तारों को मारुति ओमनी वाहन में लोड कर रामगढ़ की ओर बेचने की योजना बनाई जा रही थी। इस सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) परमेश्वर प्रसाद के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अलग-अलग मार्गों पर छापेमारी की। इसी क्रम में गोला थाना क्षेत्र के ग्राम मुरपा, झरियागढ़ा पुल के पास एक सिल्वर रंग की मारुति ओमनी को रोका गया, जिस पर 'स्कूल वैन' लिखा हुआ था। वाहन में बैठे चार व्यक्तियों की पहचान कौलेश्वर यादव, नितेश कुमार महतो, अबुध महतो उर्फ छोटू और तसौवर अंसारी के रूप में हुई। वाहन की तलाशी लेने पर पिछली सीट से काले रंग के मेन लाइन केबल तार के चार बंडल बरामद हुए, जिनका कुल वजन लगभग 120 किलोग्राम था। इसी दौरान मारुति ओमनी वाहन के पीछे आ रहे मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्तियों को भी रोका गया। ओमनी में बैठे आरोपियों ने बताया कि बाइक सवार सुरेंद्र चौधरी ही चोरी के केबल तार की खरीद-बिक्री करता है। बाइक सवार अन्य व्यक्ति की पहचान अमर कुमार दांगी के रूप में हुई। सभी छह आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

रेलवे ट्रैक पर मिला सीसीएल कर्मी का शव

बोकारो(नबिटा ब्यूरो)। बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र के बोकारो थर्मल-जारंगडीह रेल मार्ग पर बरवाबेड़ा के पोल संख्या 39/32 के समीप रेलवे लाइन पर स्वांग गोविंदपुर फ़ेज दो खुली खदान परियोजना कार्यालय में कार्यरत 32 वर्षीय सीसीएल कर्मी राकेश कुमार चौहान का शव पड़ा मिला। मृतक सीसीएल कर्मी का सिर और हाथ कटा हुआ है। घटना शनिवार सुबह की है। रेलवे ट्रैक पर शव देखकर लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुटी है। शनिवार की सुबह आवाजाही करने वाले लोगों ने इसकी सूचना बोकारो थर्मल थाना सहित गोमिया आरपीएफ को दी। सूचना पर बोकारो थर्मल थाना के दारोगा कृष्णा उरांव, सहायक अवर निरीक्षक बैजून मरांडी और आरपीएफ गोमिया के सहायक अवर निरीक्षक विकास कुमार सिंह सदलबल घटना स्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया तथा कागजी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए तेनुघाट भेज दिया।

पांच जेल अधीक्षकों का स्थानांतरण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड सरकार ने जेल प्रशासन में महत्वपूर्ण प्रशासनिक बदलाव किए हैं। गृह, कारा और आपदा प्रबंधन विभाग ने नई अधिसूचना जारी करते हुए पांच जेल अधीक्षकों का स्थानांतरण कर दिया है। आदेश के मुताबिक, कौशिक कुमार को अब गोड्डा मंडल कारा का प्रभारी बनाया गया है। वहीं गोपाल चंद्र महतो को गुमला मंडल कारा की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। नील प्रवीण कुल्लू की नियुक्ति रामगढ़ उपकारा में की गयी है। इसके अलावा, परमेश्वर भगत को साहेबगंज मंडल कारा का नेतृत्व करने का आदेश मिला है, साथ ही उन्हें पाकुड़ मंडल कारा का अतिरिक्त कार्यभार भी दिया गया है। अब तक साहेबगंज केंद्रीय जेल और पाकुड़ कारा का कार्यभार संभाल रहे चंद्रशेखर प्रसाद सुमन को स्थानांतरित कर हजारीबाग स्थित लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारा का अधीक्षक नियुक्त किया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिन अधिकारियों का स्थानांतरण किया गया है, लेकिन नई पोस्टिंग निर्धारित नहीं हुई है, उन्हें तत्काल रांची स्थित गृह विभाग में योगदान देना होगा।

फरवरी के पहले सप्ताह में मैट्रिक-इंटर की परीक्षा शुरू करने की तैयारी में जुटा जैक

रांची(नबिटा ब्यूरो)। सीबीएसई द्वारा अगले साल यानी 2026 की मैट्रिक-इंटर परीक्षा की डेट घोषित होने के बाद झारखंड बोर्ड के विद्यार्थियों के मन में यह उत्सुकता है कि आखिर जैक द्वारा कब परीक्षा ली जायेगी? इस संबंध में जो जानकारी मिल रही है उसके तहत जैक बोर्ड सीबीएसई से पहले यानी फरवरी के पहले सप्ताह से ही मैट्रिक और इंटर की परीक्षा लेने की तैयारी कर रहा है। जैक अध्यक्ष डॉक्टर नटवा हांसदा की मानें तो इसे लेकर जो प्रारंभिक तैयारियां की जाती हैं वो शुरू कर दी गई हैं। फरवरी के पहले सप्ताह में परीक्षा शुरू होने की संभावना है।

देवोत्थान एकादशी पर बाबा बैद्यनाथ धाम में उमड़ा सैलाब

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। देवोत्थान एकादशी के अवसर पर मंगलवार को बाबा बैद्यनाथ धाम में श्रद्धालुओं का भारी सैलाब उमड़ पड़ा। देर रात से ही भक्तों का आगमन शुरू हो गया था जिससे सुबह तक तीर्थनगरी भक्तिमय हो गई। बाबा मंदिर प्रांगण, शिवगंगा, मानसरोवर पथ, जलसार रोड और मंदिर मोड़ क्षेत्र श्रद्धालुओं से खचाखच भर गए। भक्त शिवगंगा में स्नान कर मानसरोवर स्थित फुटओवर ब्रिज से कतारबद्ध होकर संस्कार भवन मार्ग से बाबा मंदिर में प्रवेश कर रहे थे। गर्भगृह में स्पर्श दर्शन और पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालु मंदिर परिसर में कीर्तन, भजन और अन्य धार्मिक अनुष्ठान करते देखे गए। भीड़ को नियंत्रित करने में प्रशासन नाकाम दिखाई दिया जिससे श्रद्धालुओं को काफी परेशानी हुई। माना जा रहा है कि विधानसभा चुनाव ड्यूटी के कारण पुलिस बल की कमी इसका मुख्य कारण है। जानकारी के अनुसार मंदिर में केवल दो अधिकारी और आठ सिपाहियों के भरोसे भीड़ को नियंत्रित करने का प्रयास किया जा रहा था। इस अपर्याप्त व्यवस्था के कारण मंदिर परिसर में पैर रखने तक की जगह नहीं बची थी। इधर बाबा बैद्यनाथ मंदिर के पुरोहित झलक महाराज ने बताया कि इस दिन पूजा, उपवास और दान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। पुरोहित महाराज के अनुसार आषाढ़ शुक्ल एकादशी को भगवान विष्णु योगनिद्रा में जाते हैं और चार महीने बाद कार्तिक शुक्ल एकादशी को जागते हैं। इसी दिन से विवाह सहित सभी शुभ एवं मांगलिक कार्यों की शुरुआत होती है। शहर के कई मंदिरों और ठाकुरबाड़ियों में देर रात शालिग्राम-तुलसी विवाह, जागरण और भजन-कीर्तन का भी आयोजन किया गया।

बिहार-झारखण्ड का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

आवश्यकता

1. बोकारो जिला मुख्यालय के अलावा प्रत्येक प्रखंड के लिए संवाददाता चाहिए।
2. नवबिहार टाइम्स के बोकारो कार्यालय के लिए उप सम्पादक/कार्यालय संवाददाता की आवश्यकता है। हिन्दी में समाचार लिखने और समाचार की समझ रखने वाले अनुभवी संवाददाता ही सम्पर्क करें। मानदेय-योग्यतानुसार।
3. बोकारो कार्यालय के लिए एक चतुर्थवर्गीय कर्मचारी की आवश्यकता है। बोकारो, चास या आस-पास का ही निवासी होना अनिवार्य है

सम्पर्क करें:-

7295863300/8210783623

'नवबिहार टाइम्स' कार्यालय, 31 कॉपरेटीव कॉलोनी बोकारो (झारखण्ड) मो0- 7004247547/6206165107

E-mai : nbtimesbihar@gmail.com

केरेडारी में 1.5 करोड़ के सोना चोरी कांड का खुलासा

सात अपराधी गिरफ्तार, चोरी का माल बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। हजारीबाग जिले के केरेडारी थाना क्षेत्र में हुई करीब 1.5 करोड़ रुपये के सोने-चांदी के आभूषण की चोरी का पुलिस ने सफल उद्भेदन कर लिया है। इस कांड में शामिल कुल सात अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है और चोरी किए गए गहनों सहित सात मोबाइल और एक मोटरसाइकिल को बरामद किया गया है।

घटना 2 अक्टूबर 2025 की है, जब केरेडारी बाजार टॉड निवासी कुलदीप सोनी के घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने कीमती सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए थे। इस संबंध में पीड़ित द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी पर केरेडारी थाना कांड संख्या 160/25, धारा-305/331(3) बीएमएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। कांड की गंभीरता को देखते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर) अमित आनंद के नेतृत्व में एक एसआईटी टीम गठित की गई, जिसने तकनीकी साक्ष्य और गुप्त सूचना के आधार

पर त्वरित छापेमारी अभियान चलाया। दिनांक 1 नवम्बर 2025 की रात करीब 2 बजे पुलिस को सूचना मिली कि कोदये क्षेत्र में कुछ संदिग्ध व्यक्ति चोरी के माल के साथ मौजूद हैं। मौके पर पहुंची एसआईटी टीम ने कार्रवाई करते हुए रोहन कुमार, अंकित कुमार, सुमित गुप्ता उर्फ पितु और सन्दु कुमार को गिरफ्तार किया। उनकी निशानदेही पर मुकेश कुमार, राजेश सोनी और राहुल कुमार को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इनके पास से कुल 45 ग्राम सोना, 444 ग्राम चांदी के आभूषण, सात मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल (JH02AV-6061) बरामद की।

मुख्य आरोपियों का आपराधिक इतिहास

मुकेश कुमार पहले भी लातेहार जिले में मोटरसाइकिल चोरी के मामले में जेल जा चुका है। सुमित गुप्ता के खिलाफ बड़कागांव, कटकमदाग और सदर थाना में चोरी व गृहभेदन के कई मामले दर्ज हैं। राजेश सोनी पर गलत सोना देकर बैंक से ठगी करने का मामला दर्ज है।

छापेमारी दल

इस सफल अभियान में डीएसपी अमित आनंद, डीएसपी पवन कुमार, थाना प्रभारी विवेक कुमार, निरीक्षक ललित कुमार, पंकज कुमार, टिक कुमार सिंह और केरेडारी थाना सशस्त्र बल की टीम शामिल थी। पुलिस अधीक्षक हजारीबाग ने इस सफलता पर टीम की सराहना करते हुए कहा कि 'यह कार्रवाई अपराधियों के खिलाफ कड़ी चेतावनी है, भविष्य में किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।'

एससी-एसटी टोला में रहने वाले मतदाताओं को मतदान प्रक्रिया की दी गई जानकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही/कटिहार। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के मद्देनजर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी मनेश कुमार मीणा के निदेर्शानुसार जिले में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति परिवारों के मतदाताओं के बीच मतदान जागरूकता बढ़ाने हेतु विशेष स्वीप अभियान शुरू किया गया हैं। इस विशेष अभियान के तहत प्रखंड कल्याण पदाधिकारी सुशील कुमार ने अपने अधीनस्थ कर्मियों के द्वारा मनसाही प्रखंड में अनुसूचित जाति एवं जनजाति बहुल टोलों में रहने वाले मतदाताओं के घर जा लोगों को मतदान प्रक्रिया की जानकारी उन्हें लोकतंत्र के महापर्व में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करने को ले प्रत्येक मतदाता तक जागरूकता का संदेश पहुंचाने का कार्य किया। मतदाताओं को मतदान केंद्र बूथ की जानकारी,वैध मतदाता पहचान पत्र से जुड़ी आवश्यक जानकारी दी गई तथा यह सुनिश्चित किया गया कि मतदान पर्ची मतदाता के घर तक पहुँचे। बताते चलें कि इस पहल का लक्ष्य हैं कि आगामी 11 नवंबर 2025 को होने वाले मतदान दिवस पर जिले के सभी पात्र मतदाता अपने बूथ पर पहुँचकर 100 प्रतिशत मतदान में भाग लें व कोई भी मतदाता छूटे नहीं। लोकतंत्र के इस पर्व को जन-जन का उत्सव बनाया जाएगा।

चौपारण में टेंपो की टक्कर से युवक की दर्दनाक मौत

छठ प्रसाद लेकर जा रहा था बहन के घर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। शनिवार को चौपारण थाना क्षेत्र के चैथी मोड़ के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में 22 वर्षीय युवक पंकज राणा की मौत हो गई। युवक महुआटांड़ (गिद्धौर, चतरा) का रहने वाला था और वह छठ पूजा का प्रसाद लेकर पांडेयबारा स्थित अपनी बहन के घर जा रहा था।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चैथी मोड़ के पास एक तेज रफ्तार अज्ञात टेंपो ने उसकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से पंकज सड़क पर गिर पड़ा और टेंपो उसके ऊपर से गुजरते हुए फरार हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से गंभीर रूप से घायल युवक को चौपारण सीएचसी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉ. पंकज कुमार ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे हजारीबाग मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। लेकिन हजारीबाग ले जाने के क्रम में ही रास्ते में युवक ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग भेजा गया है, जिसके बाद उसे पैतृक गांव महुआटांड़ लाया जाएगा। घायल को अस्पताल पहुंचाने में आपदा मित्र एंबुलेंस चालक शक्ति कुमार चंद्रवंशी की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस ने फरार टेंपो चालक की तलाश शुरू कर दी है और मामले की जांच जारी है।

पलामू में जानलेवा हमले के चार आरोपितों को 10-10 वर्ष की हुई सजा

लगाया गया 15-15 हजार रुपए का जुर्माना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू जिला व्यवहार न्यायालय के द्वितीय अपर जिला व सत्र न्यायाधीश प्रतीक चतुर्वेदी की अलदालत ने जानलेवा हमला के चार आरोपियों को 10 -10 वर्ष सश्रम कारावास की सजा व 15-15 हजार रुपये जुमार्ना लगाया है। जुमार्ना की राशि नहीं देने पर एक वर्ष अतिरिक्त साधारण कारावास की सजा भुगतनी होगी। मुदालहुम पर आरोप था कि सभी एक राय होकर नाजायज मजमा बनाकर अपने ही गांव के धनु महतो पर जान मारने की नियत से मारपीट कर जख्मी कर दिए थे।

सजा पाने वालों में रविंद्र महतो, विकेश महतो, करम सिंह चेरो व गुपु महतो शामिल हैं। मामले में चैनपुर थाना के चांदो टोला कोरियाडीह निवासी सीता देवी के फर्द बयान के आधार पर वादिनी के ही गांव के सात लोगों के विरुद्ध चैनपुर थाना में चैनपुर थाना कांड संख्या

22/2014 दिनांक 7 फरवरी 2014 को भारतीय दंड विधान की धारा 147, 148, 323, 324 व 325 के तहत नामजद प्राथमिकी दर्ज किया गया था। पुलिस ने अनुसंधान के क्रम में भादवि की धारा 149 व 307 में भी आरोप पत्र समर्पित किया था। मुदालहुम पर आरोप था कि दिनांक 29 जनवरी 2014 को 2 बजे दिन में एक साथ मिलकर दुबाढ़ोडा के पास नाजायज मजमा बनाकर घटनास्थल पर आए व सूचक सीता देवी के पति धनु मतों को माथा पर लाठी व टांगी से मारा। उनके हाइड्रोसील में भी टांगी से मारा गया। इसके चलते धनु महतो को माथा, जबरा व हाइड्रोसील में चोट लगी। अभियुक्तों के साथ धनु महतो का जमीन विवाद चल रहा था इसको लेकर धनु महतो के साथ मारपीट किया व उनके दांत भी तोड़ दिए थे। अदालत ने साक्ष्य के आधार पर दोषी पाते हुए रविंद्र महतो, विकेश महतो, करम सिंह चेरो व गुपु महतो को 10 -10 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। वहीं 15- 15 हजार रुपये अर्थदंड लगाया है।

चक्रवात मोंथा से बरकट्ठा के किसान तबाह, फसल बीमा भुगतान की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरकट्ठा। चक्रवात मोंथा के कारण हुई लगातार वर्षा से बरकट्ठा प्रखंड के किसान बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। खेतों में पककर तैयार धान की फसल पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है, वहीं रबी फसल की बुआई पर भी संकट गहराने लगा है। किसानों की इस गंभीर स्थिति को देखते हुए उपप्रमुख सुरजी देवी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने अंचल अधिकारी (सीओ) से मुलाकात कर फसल बीमा की राशि शीघ्र भुगतान करने की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने इस अवसर पर बरकट्ठा के नवपदस्थापित सीओ का स्वागत भी किया तथा क्षेत्र में भूमि से

जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल में उपप्रमुख प्रतिनिधि उतिम महतो, पंसस प्रतिनिधि छोटेलाल मेहता, दिनेश प्रसाद, पंसस यूसुफ अंसारी, संतोष शर्मा, मुखिया शंकर रविदास, नारायण प्रसाद और महावीर यादव शामिल थे। किसान मित्र संघ एवं कृषि सलाहकार समिति के अध्यक्ष उतिम महतो ने कहा कि चक्रवात से हुई भारी वर्षा के कारण किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया है। अधिकांश खेतों में धान की फसल सड़ गई है, जिससे किसानों के सामने आर्थिक संकट गहरा गया है। उन्होंने सरकार से तत्काल सर्वे कराकर क्षतिपूर्ति राशि देने की मांग की।

बरही से 32 श्रद्धालु मक्का-मदीना उमरा जियारत के लिए हुए रवाना, जामा मस्जिद में की गई दुआएं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही। बरही से शुक्रवार की रात करीब 9 बजे 32 श्रद्धालुओं का एक दल मक्का-मदीना उमरा जियारत के लिए रवाना हुआ। यात्रा से पूर्व सभी श्रद्धालु जामा मस्जिद बरही पहुंचे, जहां दुआ की महफि ल का आयोजन किया गया।

दुआएं इमाम जामा मस्जिद मौलाना मोशर्रफुल कादरी, इमाम मदीना मस्जिद मौलाना महमूद, इमाम मक्का मस्जिद कारी दाउद, इमाम अक्सा मस्जिद मौलाना रिजवान कादरी और कारी अब्दुल कयूम बरही की अगुवाई में की गईं। इस दौरान मुल्क व मिल्लत, बरही और हजारीबाग क्षेत्र में अमन-सुकून की दुआ मांगी गई।

दुआ कार्यक्रम के बाद सभी श्रद्धालु कोडरमा स्टेशन के लिए रवाना हुए, जहां से वे मक्का-मदीना के लिए प्रस्थान किए। उमरा यात्रा में शामिल प्रमुख लोगों में मौलाना मोशर्रफुल कादरी एवं उनकी पत्नी, हाजी मोहम्मद कलीम उद्दीन कादरी एवं उनकी पत्नी, मोहम्मद फिरोज सिद्दीकी, मोहम्मद मुराद सिद्दीकी एवं उनकी पत्नी, मोहम्मद महबूब एवं उनकी वालिदा, मौलाना रिजवान की वालिदा नुरैशा खातून, मोहम्मद रहमत एवं उनकी पत्नी, पप्पू सिद्दीकी सहित कुल 32 श्रद्धालु शामिल हैं।

इस अवसर पर बरही जामा मस्जिद कमेटी के सदर मोहम्मद कलीम, सेक्रेटरी मोहम्मद कयूम, तथा कोनरा पंचायत समिति प्रतिनिधि मोहम्मद सगीर भी उपस्थित रहे और सभी यात्रियों को उमरा यात्रा की शुभकामनाओं के साथ रवाना किया।

मतदान को लेकर माइक्रो ऑब्जर्वरों को दिया गया प्रशिक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। बिहार विधान सभा चुनाव को लेकर होने वाले मतदान को सुचारु एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से विभिन्न सदर अनुमंडल क्षेत्र के सभी विधानसभाओं के लिए प्रतिनियुक्त मतदान माइक्रो आब्जर्वरों का विशेष प्रशिक्षण पालीटेक्निक कालेज में आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण में जिला शिक्षा पदाधिकारी राहुलचंद्र चौधरी एवं कार्यक्रम पदाधिकारी सर्व शिक्षा अभियान पंकज कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित प्रशिक्षण में क्षेत्र में मतदान प्रक्रिया पर निगरानी रखने, निर्वाचन संबंधी नियमों का पालन सुनिश्चित करने तथा अनियमितता की स्थिति में त्वरित रिपोर्टिंग के संबंध में विशेष जानकारी दी गई।वहीं मतदान केंद्रों की तैयारी,मतदाता सूची,ईवीएम के उपयोग और सुरक्षा व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी चर्चा की गई। निर्वाचन प्रक्रिया स्वतंत्र,निष्पक्ष और निर्धारित मानकों के अनुरूप संपन्न कराये जाने के उद्देश्य प्रशिक्षण काफी महत्वपूर्ण माना जाता है।सभी प्रतिभागियों

ने अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं कुशलता से करने का विश्वास दिलाया। प्रशिक्षण के दौरान अपर समाहर्ता डा.बिनोद कुमार सहित कटिहार,मनिहारी, बरारी,कोढ़ा एवं बलरामपुर विधानसभा क्षेत्रों के लिए प्रतिनियुक्त प्रेक्षक उपस्थित रहे।

आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन में नगर निगम के आधा दर्जन कर्मी बर्खास्त

■ स्पैरो के प्रबंधक सहित एक अन्य जन्म मृत्यु प्रमाणपत्र विभाग में कार्यरत कर्मी हुए मुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की आदर्श आचार संहिता लागू होने के बीच, राजनीतिक गतिविधियों में शामिल पाए गए आधा दर्जन आउटसोर्सिंग कर्मियों पर नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई की है। इन सभी कर्मियों की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी गई हैं।

ये कर्मी एफएफ इन्फो डॉट कॉम एजेंसी के माध्यम से नगर निगम में कार्यरत थे।नगर आयुक्त ने एजेंसी के प्रोप्राइटर को भेजे पत्र में स्पष्ट किया है कि एजेंसी द्वारा उपलब्ध कराए गए कुछ कर्मी बिहार विधानसभा क्षेत्र संख्या 63 में एक राजनीतिक दल के उम्मीदवार के पक्ष में प्रचार-प्रसार करते पाए गये। उनके प्रचार का वीडियो सोशल मीडिया पर भी साझा किया गया। जो आदर्श

आचार संहिता का स्पष्ट उल्लंघन है। नगर आयुक्त ने इस मामले को बेहद गंभीरता से लिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकारी सेवा से जुड़े किसी भी व्यक्ति या संस्था के कर्मी का किसी राजनीतिक दल के काम में शामिल होना नियम विरुद्ध है। ऐसे कर्मियों की संलिप्तता से नगर निगम के दैनिक कार्यों पर भी नकारात्मक असर पड़ रहा था। नगर आयुक्त ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि चुनाव अवधि में किसी भी तरह की राजनीतिक संलिप्तता या पक्षपातपूर्ण गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में यदि कोई अन्य कर्मी इस तरह का आचरण करता पाया गया तो संबंधित एजेंसी का अनुबंध भी निरस्त कर दिया जाएगा।सेवा से मुक्त किए गए कर्मियों में बाह्य सेवा सहायक के तौर पर कार्यरत अनुराग शर्मा, रजत सावर्ण, राजीव साह, अभिषेक और तबरेज आलम शामिल हैं। इनके अलावा, जमादार प्रेम प्रकाश चौधरी को भी उनके सभी दायित्वों से मुक्त कर दिया गया है। साथ ही स्पैरो की ओर से कार्यरत प्रतिनिधि अमित मिश्रा एवं जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र विभाग में कार्यरत प्रभा शंकर को जांच में गड़बड़ी के आरोप में हटाया गया है। अभी आधा दर्जन से अधिक कर्मी के गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

203 कोबरा वाहिनी ने मनाया राष्ट्रीय एकता दिवस, 'रन फॉर यूनिटी' आयोजित कर दिलाई एकता की शपथ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर 203 कोबरा वाहिनी द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर वाहिनी परिसर में ह्यरन फॉर यूनिटीह्ल का आयोजन किया गया, जिसका नेतृत्व द्वितीय कमान अधिकारी गौरव कुमार ने किया। इस कार्यक्रम में सैकड़ों अधिकारी एवं जवानों ने जोश और देशभक्ति के साथ भाग लिया।

दौड़ की शुरूआत राष्ट्रीय एकता और अखंडता की भावना को समर्पित थी, जिसका उद्देश्य देश की एकता, सुरक्षा और समर्पण की भावना को मजबूत करना था। दौड़ के पश्चात सभी अधिकारियों और

जवानों ने राष्ट्रीय एकता की शपथ ली और देश की एकता एवं अखंडता को बनाए रखने का संकल्प दोहराया।

कार्यक्रम में द्वितीय कमान अधिकारी गौरव कुमार, उप कमांडेंट प्रवीन कुमार, एच. बी. मोनो अनल, डॉ. उपासना सिंह (वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी), गौरव शर्मा (सहायक कमांडेंट) सहित बड़ी संख्या में अधीनस्थ अधिकारी और जवान शामिल रहे।

अपने संबोधन में द्वितीय कमान अधिकारी गौरव कुमार ने कहा कि ह्वराष्ट्रीय एकता दिवस केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि यह हमें देश की एकता और संप्रभुता की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने की प्रेरणा देता है। सरदार पटेल के विचार आज भी हमें एक मजबूत, संगठित और अनुशासित भारत के निर्माण का संदेश देते हैं।ह्व

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर 203 कोबरा वाहिनी के जवानों ने यह संदेश दिया कि वे सदैव देश की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा के प्रति समर्पित रहेंगे।

प्रमुख ने किया रानी किसान सेवा केन्द्र का उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के महाबर बाबा मोड़ के समीप रानी किसान सेवा केन्द्र का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख रेणु देवी ने नारियल फोड़कर और फीता काटकर किया। उद्घाटन के मौके पर प्रमुख रेणु देवी ने कहा कि बरकट्ठा प्रखंड कृषि बहुल क्षेत्र है। और किसान सेवा केन्द्र खुलने से किसानों को उचित दामों पर यहां मिनी ट्रैक्टर उपलब्ध कराया गया है।

किसानों को दूर जाने की आवश्यकता नहीं होगी। वहीं संचालक कमल किशोर ने कहा कि इस केंद्र से किसानों को उचित दामों पर मिनी ट्रैक्टर के अलावा उनके पार्ट्स पूर्जे भी उपलब्ध है। साथ ही फाइनेंस की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। मौके पर प्रखंड प्रमुख रेणु देवी, मुखिया सुमन कुमार, अब्बास अंसारी, मुखिया प्रतिनिधी बिरेंद्र शर्मा, उप मुखिया आसमा खातून, मुंशी पासवान, छोटेलाल प्रसाद, लालमोहन प्रसाद, मुन्नी लाल प्रसाद, थानू प्रसाद, राम-लखन पंडित, दुर्गा सिंह, अर्जुन दास, डिलु साव, राजू साव, महावीर यादव, काशीम मियां समेत आदि लोग उपस्थित थे।

सतर्कता जागरुकता सप्ताह पर पीवीयूएनएल, पतरातू में नुक्कड़ नाटक का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पतरातू (रामगढ़)। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर पीवीयूएनएल, पतरातू द्वारा एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, पतरातू के विद्यार्थियों ने अपनी सशक्त प्रस्तुति से उपस्थित जनसमूह को भ्रष्टाचार-मुक्त भारत के संदेश से प्रेरित किया। यह आयोजन स्पर्श ई-वॉइस के सहयोग से किया गया, जिसके अंतर्गत छात्रों ने प्रोजेक्ट ऑफिस परिसर एवं कटिया बाजार क्षेत्र में नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में लगभग 120 से अधिक लोगों की उपस्थिति रही, जिन्होंने विद्यार्थियों के अभिनय और जागरूकता संदेश की सराहना की। नाटक के माध्यम से छात्रों ने ईमानदारी, पारदर्शिता और जिम्मेदार नागरिकता के महत्व को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। पीवीयूएनएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ए. के. सेहगल ने विद्यार्थियों के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में नैतिकता और जागरूकता के प्रसार में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी को अपने-अपने कार्यक्षेत्र में ईमानदारी और निष्ठा बनाए रखने का संदेश दिया। यह आयोजन पीवीयूएनएल की 'सतर्क भारत, समृद्ध भारत' की भावना को सशक्त रूप से प्रदर्शित करता है।

'आधार' होगा पूरी तरह साइबर फ्रॉड-प्रूफः यूआइडीआइ ने पेश किया 'विजन 2032'

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हैदराबाद। देश की डिजिटल पहचान प्रणाली को नई तकनीकों और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार करने के लिए भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआइडीआइ) ने शनिवार को 'आधार विज़न 2032' की शुरुआत की। सरकार का मानना है कि आधार अब सिर्फ पहचान का दस्तावेज नहीं, बल्कि नागरिकों की रोज़मर्रा की डिजिटल ज़िंदगी का मुख्य आधार बन चुका है—बैंकिंग हो, सब्सिडी, मोबाइल कनेक्शन या सरकारी सेवाओं तक पहुंच—हर जगह इसकी भूमिका निर्णायक है। इसी महत्व को देखते हुए यूआइडीआइ अब आधार को और अधिक सुरक्षित, आधुनिक और साइबर हमलों से पूरी तरह संरक्षित बनाना चाहता है। यूआइडीआइ के नए विज़न प्लान में तकनीकी ढांचे को अपग्रेड करने, पहचान प्रणाली को भविष्य-सिद्ध बनाने और डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन कानून के अनुरूप सुरक्षा मानकों को और मज़बूत करने पर जोर दिया गया है। आधुनिकतम साइबर थ्रेट मॉडल, डेटा प्रोटेक्शन प्रोटोकॉल और वैश्विक स्तर के सुरक्षा मानकों को आधार की नई संरचना में शामिल किया जाएगा।

इस महत्वाकांक्षी योजना की रूपरेखा तैयार करने के लिए यूआइडीआइ के चेयरमैन नीलकंठ मिश्रा की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति गठित की गई है। समिति में यूआइडीआइ के सीइओ भुवनेश कुमार, सर्वम एआई के सह-संस्थापक विवेक राघवन, नूतनिक्स के संस्थापक धीरज पांडे, MOSIP के इंजीनियरिंग प्रमुख शशिकुमार गणेशन, ट्राइलीगल के राहुल मत्थान, वियानाई सिस्टम्स के नवीन बुद्धिराजा सहित देश-विदेश की प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर और यूआइडीआइ के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।

'विजन 2032' के तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ब्लॉकचेन, क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी उभरती तकनीकों का सुरक्षित और प्रभावशाली उपयोग करने, डेटा गोपनीयता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने और साइबर धोखाधड़ी से बचाव के लिए एक मजबूत सुरक्षा ढांचा तैयार करने की दिशा में काम किया जाएगा। लक्ष्य है—आधार को एक ऐसा विश्वसनीय, समावेशी और नागरिक-केंद्रित डिजिटल पहचान प्लेटफॉर्म बनाना, जो आने वाले दशक की तकनीकी चुनौतियों को सहजता से संभाल सके।

सीओ प्रेमिका संग रंगेहाथ पकड़े गये, पत्नी ने घर में किया कैद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। मझिआंव अंचल के सर्किल अधिकारी प्रमोद कुमार शनिवार तड़के उस समय बड़े विवाद में फँस गए, जब उनकी पत्नी डॉ. श्यामा रानी ने उन्हें सरकारी आवास में कथित प्रेमिका के साथ रंगेहाथ पकड़ लिया। सुबह करीब चार बजे पत्नी दीवार फाँदकर अंदर पहुँचीं और कमरे का दरवाज़ा बाहर से बंद कर दिया। परिसर में कुछ देर तक हालात बेहद तनावपूर्ण रहे और पूरा प्रशासनिक कैंपस जैसे सांस रोककर खड़ा हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस व वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुँचे, मगर गुस्से से भरी पत्नी के सामने किसी की एक न चली। इसी बीच सीओ प्रमोद कुमार छत से कूदने का नाटक कर हंगामा करते रहे। पुलिस ने आखिरकार सीओ की प्रेमिका को कमरे से बाहर निकालकर हिरासत में लिया और महिला थाना को सौंप दिया। डॉ. श्यामा रानी ने बताया कि उन्हें लंबे समय से शक था, लेकिन शनिवार को सच सामने आ गया। उन्होंने कहा कि अब वे कानूनी कार्रवाई करेंगी। वहीं, सीओ के ससुर व पूर्व सांसद ने भी न्याय की मांग की और कहा कि इस तरह की हरकत प्रशासनिक गरिमा के खिलाफ है। डॉ. श्यामा रानी के भाई रोशन कुमार ने कहा कि पहले वे इसे पति-पत्नी का सामान्य विवाद समझते थे, पर अब मामला साफ हो चुका है। उधर, गढ़वा एसडीपीओ नीरज कुमार ने कहा कि यह पारिवारिक मामला है और अब तक किसी भी पक्ष से आवेदन नहीं मिला है। आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लातेहार में जंगली हाथी का उत्पातः यात्री बस पर जमाया कब्ज़ा, सवारियां जान बचाकर भागी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लातेहार। जिले में बीते कुछ दिनों से भटके जंगली हाथियों की मौजूदगी लोगों के लिए दहशत का कारण बनी हुई है। शनिवार को हालात तब और भयावह हो गए, जब झुंड से भटका एक हाथी सीधे बारेसांड थाना मुख्यालय पहुंच गया और सड़क पर खड़ी एक यात्री बस पर कब्ज़ा जमा लिया। बस लातेहार से महुआडांड़ की ओर जा रही थी। हाथी ने खिड़की और गेट तोड़ते हुए बस में रखा यात्रियों का भोजन खा लिया। अचानक हुए इस घटनाक्रम से यात्री घबराकर बस से कूदकर भाग गए और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मिली जानकारी के अनुसार यह जंगली हाथी कई दिनों से आबादी वाले इलाकों में घूम रहा है। दो दिन पहले

ही यह महुआडांड़ अनुमंडल मुख्यालय तक पहुंच गया था, जहां पांच घंटे तक हड़कंप मचा रहा। शनिवार सुबह एक बार फिर हाथी आबादी क्षेत्र की ओर बढ़ा और बारेसांड थाना इलाके में कुछ ग्रामीणों के घरों को नुकसान पहुंचाया। इसके बाद वह मुख्य सड़क पर आ गया, जहां सामने से बस आती देख चालक ने गाड़ी रोक दी और सभी यात्रियों को तुरंत बाहर निकलने की सलाह दी। हाथी कुछ ही क्षणों में बस तक पहुंच गया और अंदर घुसकर खाने-पीने का सामान चट कर गया। बताया जा रहा है कि यात्रियों द्वारा बस में रखा गया छठ का प्रसाद भी हाथी ने खा लिया। वन विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत और पटाखे जलाकर करीब तीन घंटे बाद हाथी को जंगल की ओर खदेड़ा। रेंजर नंदकुमार महतो ने बताया कि हाथी की गतिविधियों की सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट जाती है, जिससे राहत कार्य में बाधा आती है और हाथी भी उत्तेजित हो जाता है। भीड़ हटाने के लिए कई बार पुलिस की मदद लेनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि वन विभाग की टीम लगातार प्रयास कर रही है कि हाथी बिना नुकसान पहुंचाए सुरक्षित जंगल की ओर लौट सके।

बदरपुर गांव जाने वाली 12 किमी सड़क जर्जर

जर्जर सड़क से ग्रामीणों की बढ़ी परेशानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। रफीगंज प्रखंड के सिमला मोड़ से बदरपुर गांव जाने वाली करीब 12 किमी की सड़क इन दिनों काफी जर्जर हो गई है। बता दें कि सड़क का निर्माण करीब नौ वर्ष पहले मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना के तहत कराई गई थी। वर्षों से सड़क जर्जर अवस्था में है। इससे जहां आवागमन के दौरान लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा परेशानी गांव स्थित विद्यालय में शिक्षा को ले आने जाने वाले छात्रों को झेलनी पड़ रही है। इतना ही नहीं सड़क जर्जर सड़क से स्कूली बच्चे जर्जर सड़क का शिकार होकर चोटिल हो रहे है परंतु लोगों की समस्या जस की तस है। इससे ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है। सड़क जर्जर होने से ग्रामीण ही नहीं गांव में आने जाने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यही नहीं अब तो ग्रामीणों के रिश्तेदारों ने गांव भी आना छोड़ दिया है। वह कहते है कि ऐसी जर्जर सड़क से इंसान के साथ वाहन की हालत तक खराब हो जाती है। जब गांव की सड़क सही हो जाएगी उसके बाद ही वह उनके यहां आएंगे। जर्जर सड़क से होकर कियाखांप, मेघुआ, साहो कर्मा, कुम्हैनी, सिमला सहित दर्जनों गांवों के ग्रामीणों का प्रतिदिन आवागमन होता है। दोपहिया व साइकिल सवार को सड़क से होकर आवागमन करने में काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। वर्षा के दिनों में अधिक परेशानी होती है। ग्रामीण प्रतिदिन सड़क पर उभरे गड्ढों में गिरकर घायल होते रहते हैं। कुम्हैनी गांव के निरंजन सिह, इंद्रदेव दास, भीम यादव, युगेश्वर यादव, मंगेर यादव, धनंजय दांगी, मिंकु सिंह, सुदर्शन सिंह ने बताया कि जर्जर सड़क से होकर छात्र प्रतिदिन विद्यालय कासमा पढ़ने जाते हैं लेकिन सड़क की हालत के कारण हम लोगों को चोटिल होकर शारीरिक नुकसान के साथ शिक्षा का नुकसान भी झेलना पड़ रहा है। इतना होने के बावजूद भी अधिकारी सड़क निर्माण नहीं करा रहे हैं।

ओवरलोड टेंपो के परिचालन से लोग गंवा रहे जान

जीटी रोड से लेकर ग्रामीण सड़कों पर बगैर लाइसेंस के चलाते हैं टेंपो चालक

परिवहन विभाग के अधिकारी नहीं करते कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। जीटी रोड से लेकर ग्रामीण सड़कों पर तेजी के साथ दौड़ रहे ओवरलोड टेंपो से इन दिनों काफी हादसा हो रहा है। टेंपो चालकों के द्वारा किए जा रहे लापरवाही के कारण लगातार दुर्घटना घट रही है। बता दें कि पिछलो एक माह में टेंपो की टक्कर और अन्य सड़क दुर्घटनाओं में छह लोगों ने अपनी जान गंवा दी है। जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना का कारण टेंपो चालकों की लापरवाही और यातायात नियमों का पालन नहीं करना ही है। यहां तक की कई टेंपो चालक बिना ड्राइविग लाइसेंस के वाहन चला रहे हैं। इसके अलावा टेंपो चालक क्षमता से अधिक यात्रियों को ठुंसकर टेंपो को जीटी रोड से लेकर ग्रामीण सड़कों पर दौड़ाते हैं। यहां तक की कई बार चालक अपनी सीट पर दोनों और यात्रियों को बैठा लेते हैं और खुद तिरछा होकर वाहन चलाते हैं जिससे वाहन का संतुलन बिगड़ने पर दुर्घटना हो जाती है। मदनपुर के थाना मोड़ निवासी पवन सिंह, अमित कुमार ने बताया कि अधिकांश टेंपो चालक तेज गति से चलते हैं और यातायात नियमों का पालन नहीं करते हैं। टेंपो चालकों की नियमित जांच, सड़क पर सख्त निगरानी और बिना परमिट या बिना लाइसेंस वाले वाहनों पर कड़ी कार्रवाई ही इन दुर्घटनाओं पर अंकुश लगा सकती है। बता दें कि जल्द ही ओबरा थाना क्षेत्र के सदीपुर डिहरी गांव के समीप औरंगाबाद-पटना मुख्य पथ पर टेंपो के दुर्घटना में दो यात्रियों ने अपनी जान गंवा दी थी। जबकि छह लोग घायल हो गए थे। बीते 22 अगस्त को मदनपुर थाना क्षेत्र के वार गांव के समीप टेंपो के धक्के से बुजुर्ग महिला की मौत हो गई थी। वहीं बीते 26 अगस्त को जम्होर थाना क्षेत्र के औरंगाबाद-पटना मुख्य पथ के देवकली मंदिर के समीप भी एक युवक की मौत हो गई थी। इतना होने के बावजूद भी परिवहन विभाग के अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं।

सदर अस्पताल में बायोप्सी जांच की सुविधा, ओरल, ब्रेस्ट एवं सर्विक्स कैंसर की हो रही जांच

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। सदर अस्पताल को अब मॉडल अस्पताल का दर्जा प्राप्त' हो गया है। सदर अस्पताल में कैंसर जांच के बाद अब यहां बायोप्सी जांच की भी सुविधा उपलब्ध हो गई है। इसके पहले लोगों को बायोप्सी जांच के लिए पटना या अन्य दूसरे महानगर में जाने की जरूरत पड़ती थी। जांच की सुविधा बहाल किए जाने के बाद लोगों को सुविधा हो रही है। बता दें कि सदर अस्पताल में नवंबर 2022 से कैंसर की स्क्रीनिंग शुरू हुई थी। अब तक 22 माह में 36 मरीजों से अधिक में कैंसर की पुष्टि हो चुकी है। वहीं अस्पताल के नए भवन के पहले तल पर एनसीडी क्लिनिक में जांच की सुविधा है। यहां ओरल, ब्रेस्ट और सर्विक्स कैंसर की जांच की जाती है। ओरल कैंसर की जांच में 1,208 लोग संदिग्ध पाए गए। इनमें

134 को उच्च जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया। 11 मरीजों में ओरल कैंसर की पुष्टि हुई है। ब्रेस्ट कैंसर की जांच में आठ हजार 305 महिलाओं की स्क्रीनिग हुई। इनमें 20 को संदिग्ध और 16 को उच्च जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया। सर्विक्स कैंसर की जांच में एक हजार 443 महिलाओं की स्क्रीनिग हुई। इनमें 194 को उच्च जोखिम में रखा गया। सात महिलाओं में सर्विक्स कैंसर की पुष्टि हुई। सदर अस्पताल के चिकित्सक डा. अजितेश कुमार ने बताया कि सदर अस्पताल में बायोप्सी की सुविधा है। रिपोर्ट मिलने के बाद इलाज शुरू किया जाता है। यहां इलाज पूरी तरह मुफ्त है। बताया कि ब्रेस्ट कैंसर के लिए सीनियर कंसल्टेंट नहीं है परंतु ओरल कैंसर का बायोप्सी सदर अस्पताल में कराया जाता है। गर्भाशय के मुंह के कैंसर की जांच भी यहां कराया जाता है। गायनी ओपीडी में नर्सेज और चिकित्सक के द्वारा कराया जाता है। चिकित्सक ने बताया कि कैंसर लाइलाज नहीं है। समय पर पहचान और इलाज से मरीज ठीक हो सकते हैं। कुछ मरीजों को कीमो और रेडिएशन के 25 से 30 चक्र तक इलाज की जरूरत पड़ती है। अस्पताल में पेशेंट नेविगेटर की व्यवस्था है। ये मरीजों के घर जाकर हालचाल लेते हैं और इलाज की जानकारी देते हैं। ग्रामीण इलाकों से ज्यादा मरीज सामने आ रहे हैं। पुरुषों में ओरल और महिलाओं में ब्रेस्ट व सर्विक्स कैंसर के मामले अधिक हैं। जागरूकता की कमी है। गुटखा, खैनी, धूम्रपान, शराब और कसैली चीजों के सेवन से मुंह का कैंसर होता है। मुंह में तीन हफ्ते से ज्यादा समय तक छाले या जख्म रहना, मुंह न खुलना इसके लक्षण हैं। स्तन में गांठ होना ब्रेस्ट कैंसर का संकेत है। महिलाओं को अधिक दिनों तक धात गिरने की समस्या हो तो सर्विक्स कैंसर की जांच करानी चाहिए। चिकित्सकों ने कहा कि कैंसर का नाम सुनते ही लोग सहम जाते हैं परंतु शुरुआती स्टेज में पहचान हो जाए तो इलाज संभव है। मरीज के बचने की संभावना 99 प्रतिशत तक होती है। थर्ड और फोर्थ स्टेज में परेशानी बढ़ जाती है। इसलिए समय पर जांच कराना अतिआवश्यकता है। अस्पताल में स्क्रीनिंग की सभी सुविधाएं मुफ्त में उपलब्ध है। अधिक से अधिक मरीज आकर जांच कराएं।

घोसी विधानसभा क्षेत्र में मतदाता जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के मद्देनज़र, शनिवार को स्वीप कोषांग जहानाबाद द्वारा 217 घोषी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मतदान केंद्र संख्या 268 एवं 269 नारायणपुर, (बेलदारी), भतु बिगहा में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मतदाताओं में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं सभी पात्र मतदाताओं को आगामी 11 नवंबर 2025 को होने वाले विधानसभा चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करने हेतु प्रेरित किया गया।स्वीप कार्यक्रम के दौरान मतदाताओं को बताया गया की सक्षम ऐप पर पी.डब्लू.डी एवं वरिष्ठ मतदाताओं के लिए जो मतदान केन्द्र तक जाने मे असमर्थ है वो सक्षम ऐप्प के माध्यम से पिक एंड ड्रॉप सुविधा के लिए आवेदन कर सकते हैं।

इस अवसर पर वरीय नोडल पदाधिकारी, जिला स्वीप कोषांग सह अपर समाहर्ता, जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी राजीव कुमार नोडल पदाधिकारी, जिला स्वीप कोषांग सह जिला सूचना

जनसंपर्क पदाधिकारी विजेता रंजन अंचल अधिकारी हुलासगंज; जिला स्वीप आइकॉन सह डी०पी०ओ नमामि गंगे अमित कुमार तथा जिला स्वीप पी.डब्ल्यू.डी. आइकॉन अजीत कुमार उपस्थित रहे। पदाधिकारियों द्वारा उपस्थित मतदाताओं से संवाद स्थापित करते हुए मतदान के महत्व पर प्रकाश डाला गया। सभी को लोकतंत्र के इस महापर्व में भाग लेने और निर्भीक होकर मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही यह संदेश दिया गया कि मतदान केवल अधिकार नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य भी है।इस अवसर पर उपस्थित मतदाताओं को यह भी बताया गया कि एक-एक वोट कितना मूल्यवान होता है और कैसे यह देश, राज्य तथा समाज के विकास की दिशा निर्धारित करता है।

जन सुराज लड़ रही व्यवस्था परिवर्तन की लड़ाई : अभिराम

दयालचक में सैकड़ों समर्थकों के साथ जनसंपर्क, लोगों से आशीर्वाद मांगा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। जहानाबाद विधानसभा में विभिन्न प्रत्याशियों का चुनाव अभियान जोरो पर चल रहा है। सभी प्रत्याशी जोर लगाए हुए हैं। इधर जन सुराज पार्टी के प्रत्याशी अभिराम सिंह ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। सिंह जहानाबाद विधानसभा क्षेत्र के रतनी प्रखंड के कई गांवों में घर-घर जाकर संपर्क कर लोगों से आशीर्वाद मांग रहे हैं। शुक्रवार को प्रत्याशी सिंह ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जन्म जयंती पर जहांगीरपुर में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आजादी के बाद सरदार पटेल ने पूरे भारत को एकता के सूत्र में पिरोया। उन्होंने सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि इनके प्रयास से ही देसी रियासतों का विलय संभव हुआ, जिसके कारण विशाल और समृद्ध भारत देश का सपना साकार हो सका।

जहांगीरपुर के बाद श्री सिंह सैकड़ों समर्थकों के साथ दयालचक पहुंचे और घर-घर जाकर लोगों से संपर्क कर आशीर्वाद मांगा। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जन सुराज पार्टी बिहार में व्यवस्था परिवर्तन की लड़ाई लड़ रही है। सत्ता में आने के बाद यह पार्टी सबसे पहला काम रोजी-रोजगार के लिए बिहार से होने वाले पलायन को रोकेगी। स्थानीय स्तर पर युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। महिलाओं को स्वरोजगार के लिए कम ब्याज पर लोन उपलब्ध कराया जाएगा। कृषि से मनरेगा को जोड़ा जायेगा और व्यावसायिक खेती को बढ़ावा दिया जायेगा। दयालचक के बाद अभिराम सिंह कुंडिला पहुंचे और घर-घर जाकर वोट मांगा। कुंडिला के बाद अभिराम सिंह मिरजापुर, झरखा और उचिटा गांव में भी गए और लोगों से इस बार अपने बेटे के चेहरे को याद कर वोट करने की अपील की। इस मौके पर नाथुन शर्मा, सिंटू शर्मा, सुधीर शर्मा, कुंदन शर्मा,सुरेश शर्मा, अनीश कुमार, विभीषण कुमार, नवल शर्मा, पंकज शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

आपसी वर्चस्व को लेकर पलामू में चली गोली

युवक को मारी गोली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर। जिला में मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र के मुस्लिम नगर में पानी टंकी के पास फायरिंग की घटना हुई है। इस फायरिंग की घटना में गोली किसी को नहीं लगी है लेकिन पुलिस ने घटनास्थल से दो खोखा और एक जिंदा गोली बरामद किया है। फायरिंग की घटना जमीन विवाद एवं आपसी वर्चस्व में बताई जा रही है।

इस पूरे मामले में छोटू चंद्रवंशी और किशु गुप्ता नामक युवकों ने टाउन थाना में इमरान कुरैशी नामक युवक के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज किया है। जबकि फायरिंग को लेकर हिकमतियार नामक युवक ने भी टाउन थाना में आवेदन दिया है और आधा दर्जन के करीब आरोपितों पर फायरिंग करने का आरोप लगाया है। इसको लेकर मेदिनीनगर टाउन थाना ज्योतिलाल रजवार ने बताया कि फायरिंग की घटना के मामले में पुलिस अनुसंधान कर रही है और नामजद एफआइआर दर्ज किया गया है। पुलिस को फायरिंग से जुड़ा हुआ सीसीटीवी फुटेज भी मिला है। जिसमें एक आरोपित फायरिंग करते हुए नजर आ रहा है।

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शनिवार की सुबह हैदरनगर हाई स्कूल के मैदान के बगल सड़क में उस वक्त अफरातफरी मच गई जब दो बाइक सवार अज्ञात अपराधियों ने एक युवक को गोली मार दी। गोली लगने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जख्मी युवक की पहचान नीरज चंद्रवंशी उर्फ मंटू (22 वर्ष) के रूप में हुई है। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हैदरनगर पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे सदर अस्पताल मेदिनीनगर रेफर कर दिया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक का घर हाई स्कूल मैदान के बगल में है। ये वारदात सुबह करीब 7.30 बजे के की बताई जा रही है। गोली मारने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए। इसकी सूचना मिलते ही हैदरनगर थाना प्रभारी अफजल अंसारी मौके पर पहुंच कर छानबीन में जुटे हैं। फिलहाल इलाके में सनसनी का माहौल है। पुलिस अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है।

पिता के साथ पूजा कर लौट रही थी बच्ची, उठा ले गये दरिंदे

चार आरोपित धराये

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। प्रखंड क्षेत्र में मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। चार युवकों ने एक नाबालिग लड़की का उसके पिता के सामने अपहरण कर लिया। इसके बाद उससे सामूहिक दुष्कर्म किया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपितों के पास से एक कट्टा, एक कारतूस और एक बाइक बरामद की गई है।

जानकारी के अनुसार पीड़िता अपने पिता के साथ झारखंड के कौलेश्वर पहाड़ से पूजा-अर्चना कर लौट रही थी। रास्ते में घात लगाए बैठे चारों युवकों ने दोनों को रोका। पिता के साथ मारपीट की और नाबालिग को जबरन उठा ले गए। कुछ देर बाद पीड़िता बेहोशी की हालत में नहर के पास पाई गई। घटना की सूचना मिलते ही गुरुआ थानाध्यक्ष मनेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपितों अजय कुमार, राजू कुमार, सोनू कुमार और मनोज दासये को दबोच लिया। सभी बारा गांव निवासी हैं।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार युवकों के पास से एक देसी कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। इस जघन्य वारदात से क्षेत्र में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने आरोपितों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की है। थानाध्यक्ष ने बताया कि सभी आरोपितों के खिलाफ पोक्सो एक्ट और सामूहिक दुष्कर्म की धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पीड़िता को चिकित्सीय जांच के लिए गया सदर अस्पताल भेजा गया है। प्रशासन ने स्वजनों को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और आक्रोश दोनों व्याप्त हैं। लोगों का कहना है कि इस तरह की घटना से क्षेत्र का नाम खराब होता है।

भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट रेललाइन के दोहरीकरण को मिली मंजूरी

तीन राज्यों को मिलेगा लाभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। झारखंड की उपराजधानी दुमका अब उस ऐतिहासिक प्रतीक्षा के अंत की ओर बढ़ रही है, जो एक शताब्दी से अधिक समय से अधूरी थी। ब्रिटिश शासनकाल और ईस्ट इंडिया कंपनी के प्रभाव के दौर में बनी वह रेल योजना, जो साजिशों और औपनिवेशिक स्वार्थों में दबा दी गई थी, अब पीएम गति शक्ति योजना के अंतर्गत साकार होने जा रही है।

सरकार ने भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट रेलखंड के दोहरीकरण हेतु 3169 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है। लगभग 177 किलोमीटर लंबे इस मार्ग के बन जाने से न केवल झारखंड, बिहार और बंगाल के बीच रेल संपर्क सुदृढ़ होगा, बल्कि भागलपुर से हावड़ा की दूरी भी लगभग 77 किलोमीटर घट जाएगी। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह रेलखंड तीन राज्यों के बीच व्यापार, उद्योग और जन-आवागमन को नई दिशा देगा। अब दुमका के लोगों की वह आकांक्षा पूरी होने जा रही है, जो 130 वर्ष पूर्व ब्रिटिश हुकूमत की उदासीनता के कारण अधूरी रह गई थी।

चितरंजन रेल कारखाना के मुख्य विद्युत अभियंता दिनेश साह बताते हैं कि ब्रिटिश संसद में वर्ष 1905 में प्रस्तुत भारत में रेल व्यवस्था की प्रशासकीय रिपोर्ट में दुमका होकर हावड़ा तक रेल संपर्क की आवश्यकता का उल्लेख किया गया था। रानीगंज से क्यूल तक की रेल लाइन 1871 में चालू हुई थी, जबकि कोलकाता से रानीगंज तक की रेल सेवा 1855 के आसपास प्रारंभ हो गई थी। ईस्ट इंडिया कंपनी और ईस्ट इंडियन रेलवे कंपनी के अभियंताओं ने उसी समय यह महसूस किया था कि यदि रानीगंज, देवघर, भागलपुर और अहमदपुर होते हुए हावड़ा तक रेल मार्ग बनाया जाए, तो यह पूरा क्षेत्र आर्थिक, औद्योगिक और सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण बन सकता है।दिनेश साह के अनुसार, लंदन से प्रकाशित एक कला और प्रौद्योगिकी पत्रिका में वर्ष 1895 में यह उल्लेख किया गया था कि सन 1889 में तत्कालीन पश्चिम बंगाल रेल कंपनी के मुख्य अभियंता रैमसे ने देवघर-दुमका-सिउड़ी-कटवा-राणाघाट के बीच रेल मार्ग का सर्वेक्षण पूरा कर लिया था।पत्रिका में लिखा गया था कि इस मार्ग से हावड़ा से पंजाब तक की दूरी घटेगी और यह क्षेत्र कृषि तथा जनसंख्या की दृष्टि से अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। परंतु ईस्ट इंडियन रेलवे कंपनी ने इस परियोजना का कड़ा विरोध किया, क्योंकि उसे अपने व्यापारिक एकाधिकार के समाप्त होने का भय था। इसी विरोध के कारण यह योजना ब्रिटिश शासन के दस्तावेजों में ही दबकर रह गई।

रेलवे टाइम्स में 28 दिसंबर 1895 को प्रकाशित विवरण में उल्लेख है कि भागलपुर से दुमका होते हुए अहमदपुर तक रेल मार्ग के सर्वेक्षण का कार्य आरंभ हो चुका था।

इसकी एक शाखा देवघर से नोनीहाट

जोड़ने की भी योजना थी। किंतु ईस्ट इंडिया कंपनी के बाद भी औपनिवेशिक रेल कंपनियों के बीच वर्चस्व की होड़ जारी रही, और इस प्रस्ताव को ठंडे बस्ते में डाल दिया सन1899 में कोलकाता से प्रकाशित बंगाल प्रशासन प्रतिवेदन में भी लिखा गया था कि अहमदपुर से भागलपुर मार्ग पर अब तक कोई प्रगति नहीं हो सकी।वर्ष 1902 में प्रकाशित भारतीय अभियंत्रण साप्ताहिक पत्र में ब्रिटिश अभियंता एफवी हरबर्ट ने सुझाव दिया था कि गंगा पर भागलपुर में रेल पुल बनाया जाए और वहां से दुमका होते हुए अहमदपुर तथा हुगली तक चौड़ी पटरी की नई रेल लाइन बिछाई जाए। प्रस्ताव में दुमका से रानीगंज कोयला क्षेत्र तक जोड़ने की शाखा लाइन भी शामिल थी। दुमका की भौगोलिक स्थिति और आर्थिक उपयोगिता इतनी उपयुक्त थी कि यह रेल मार्ग औद्योगिक क्षेत्र के लिए वरदान सिद्ध होता। परंतु ईस्ट इंडियन रेलवे कंपनी की सशक्त लॉबी नहीं चाहती थी कि उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच कोई वैकल्पिक संपर्क स्थापित हो। इसी कारण यह योजना अधूरी रह गई।

आंतरिक कलह के कारण कांग्रेस की प्रदेश इकाई भंग

आलाकमान तक पहुंची किचकिच की शिकायतें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड में कांग्रेस की आंतरिक कलह और संगठनात्मक ढिलाई ने पार्टी को नई मुसीबत में डाल दिया है। काम से कहीं ज्यादा दिखावे में माहिर कांग्रेसी नेता प्रदेश प्रभारी के राजू के आगमन पर एयरपोर्ट से लेकर दफ्तरों तक उमड़ आते हैं, लेकिन जब संगठन की अहम बैठकों की बारी आती है तो वे नदारद हो जाते हैं।

गुरुवार को नगर निकाय चुनाव के लिए गठित 49 पर्यवेक्षकों की बैठक में महज चार सदस्य ही हाजिर हुए, जिससे नाराज प्रदेश नेतृत्व ने कमेटी भंग कर दी। इसे प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की लापरवाही के रूप में भी देखा जा रहा है। आगामी नगर निकाय चुनावों से पहले यह घटना पार्टी के लिए बड़ा झटका साबित हो रही है।

झारखंड कांग्रेस में लंबे समय से एक पैटर्न चल रहा है कि प्रदेश प्रभारी या आलाकमान के प्रतिनिधि के आगमन पर नेता एयरपोर्ट पर डेरा डाल लेते हैं। फूलमालाओं, बैनरों और जोरदार स्वागत से वे अपनी वफादारी का प्रदर्शन करते हैं। लेकिन जैसे ही संगठनात्मक जिम्मेदारियां निभाने की बात आती है, वे बहाने बना लेते हैं।

प्रदेश कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक ऐसा यह पहली बार नहीं हुआ है। हर बार प्रभारी के आने पर तो सब एक्टिव हो जाते हैं, लेकिन जमीनी काम में रुचि कम ही दिखाते हैं। यह उदासीनता आगामी निकाय चुनावों में पार्टी के लिए संकट का सबब बन सकती है। ताजा घटना ने पार्टी के निचले स्तर पर असंतोष बढ़ा दिया है। सक्रिय नेताओं का कहना है कि पदाधिकारी केवल कुर्सी की होड़ में लगे रहते हैं। पर्यवेक्षकों की नई टीम गठित करने के निर्देश के साथ ही ताजा विवाद की शिकायतें आलाकमान तक भेजने की तैयारी चल रही है। दिल्ली से जल्द ही नई पर्यवेक्षक कमेटी गठित करने का निर्देश आ सकता है। राज्य में नगर निकाय चुनाव जल्द घोषित हो सकते हैं।

लेकिन कांग्रेस की यह आंतरिक कलह गठबंधन को भी पहुंचा सकती है। एक विधायक के मुताबिक संगठन मजबूत हो तभी चुनाव जीत सकते हैं। दिखावे से कुछ नहीं होगा।

पार्टी को अब नई रणनीति बनानी होगी, जिसमें सक्रिय और युवाओं को शामिल कर संगठन को मजबूत किया जा सकता है। अगर समय रहते सुधार नहीं हुए तो आगामी चुनावों में भी बड़ा नुकसान हो सकता है।

बाइक सवार अपराधियों ने युवक को मारी गोली

हैदरनगर। शनिवार की सुबह हैदरनगर हाई स्कूल मैदान में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब दो बाइक सवार अज्ञात अपराधियों ने एक युवक को गोली मार दी। गोली लगने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान नीरज चंद्रवंशी उर्फ मंटू (22 वर्ष) के रूप में की गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नीरज का घर हाई स्कूल मैदान के ठीक सामने है। घटना सुबह करीब आठ बजे की बताई जा रही है। गोली मारने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को तुरंत हैदरनगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सक ने बेहतर इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद रेफर कर दिया है।

घटना की सूचना मिलते ही हैदरनगर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

राघोपुर में राजद को लगा झटका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राघोपुर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ चुके राकेश रौशन ने शनिवार को अपने समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। मिलन समारोह में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि राघोपुर से नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को हराना एनडीए का संकल्प है।

भाजपा मीडिया सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में जायसवाल ने कहा कि राकेश रौशन की मां 2000 में इनकी मां राघोपुर से चुनाव लड़ चुकी थीं। इसके बाद उन्होंने जदयू से चुनाव लड़ा और 46,900 वोट लाए। इसके बाद 2020 में इन्होंने लोजपा से चुनाव लड़ा एवं 25,000 वोट लाए। इसके अलावा ये तिरहुत स्नातक क्षेत्र से भी चुनाव लड़ चुके हैं और अच्छा वोट लाए थे। उन्होंने कहा कि उस क्षेत्र में सर्वसमाज में इनकी अच्छी पकड़ है। उन्होंने कहा कि राकेश रौशन के भाजपा में आने से राघोपुर में एनडीए और मजबूत हुआ है और इस चुनाव में इसका परिणाम भी दिखेगा।

उन्होंने दावा किया कि राकेश रौशन के आने से एनडीए की राघोपुर सीट पर बड़ी जीत होगी। विदित हो कि एनडीए के भाजपा उम्मीदवार सतीश कुमार यादव राघोपुर से चुनाव मैदान में हैं।

निरहुआ तथा आम्रपाली दूबे की बढ़ी मुश्किलें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। भोजपुरी फिल्म की चर्चित जोड़ी दिनेश लाल निरहुआ और आम्रपाली दुबे के लिए मुजफ्फरपुर से एक बुरी खबर है। यहां के स्थानीय कोर्ट ने दोनों पर दर्ज परिवाद पर सुनवाई के बाद अब इसकी रिपोर्ट की मांग की है।

कलमबाग चौक पर एक माल के उद्घाटन के दौरान सड़क जाम करने के मामले में भोजपुरी अभिनेता दिनेश लाल यादव निरहुआ, अभिनेत्री आम्रपाली दूबे और अन्य पर दायर परिवाद में मामले में कोर्ट ने एसएसपी से रिपोर्ट मांगी है।

आखिर किस परिस्थिति में कलमबाग रोड को जाम किया गया था, जिससे आम लोगों और एंबुलेंस को घंटों परेशानी झेलनी पड़ी। मामले की 28 नवंबर को अगली सुनवाई होगी। इस दिन कोर्ट में रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। लहलादपुर पताही निवासी अधिवक्ता सुधीर कुमार ओझा ने सीजेएम कोर्ट में परिवाद दायर किया था। इसमें दिनेश लाल यादव निरहुआ, आम्रपाली दूबे, एसडीओ पूर्वी तुषार कुमार, माल के मालिक विवेक अग्रवाल और विकास अग्रवाल को नामजद किया था।

परिवाद में कहा था कि चार अक्टूबर को कलमबाग चौक स्थित कल्याण ज्वेलर्स के बगल में एक माल के उद्घाटन के लिए अभिनेता-अभिनेत्री को आमंत्रित किया गया।

जानबूझकर सड़क पर कार्यक्रम कराया गया। कलमबाग चौक रोड पर भीड़ जुटी और आवागमन बाधित हुआ। जाम में एंबुलेंस भी घंटों फंसी रही। एसडीओ पूर्वी ने जानबूझकर कार्यक्रम का आदेश देकर आवागमन को बाधित कराने का कार्य किया। अगर भगदड़ मचती तो सैकड़ों लोगों की जान भी जा सकती थी।

यूं तो यह मामला अभी अपने आरंभिक चरण में है। देखने वाली बात होगी कि इस मामले में क्या रिपोर्ट पेश की जाती है। खासकर उन बिंदुओं को बारे में जो कोर्ट ने उठाए हैं। प्रमुख रूप से जाम को लेकर। इसकी वजह से लोगों को हुई परेशानी को लेकर।

32 प्रतिशत दागी प्रत्याशी चुनावी मैदान में ठोंक रहे ताल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। मोकामा विधानसभा क्षेत्र में जन सुराज पार्टी के समर्थक और कई संगीन मामलों के आरोपी दुलारचंद यादव की हत्या के बाद एक बार फिर राजनीति के अपराधीकरण की चर्चा छिड़ गई है। अवाम में यह चर्चा होना लाजिमी भी है क्योंकि बिहार विधानसभा चुनाव में दो दर्जन से ज्यादा उम्मीदवारों पर हत्या के मुकदमे दर्ज हैं। यह हर चुनाव में आजमाया हुआ हथियार है कि बिहार की राजनीति में दागी उम्मीदवार अच्छे हैं। अच्छे, इसलिए कि राजनीतिक दलों ने दागी चेहरों पर खूब भरोसा जताया है और उनकी जीत की गारंटी मानकर उम्मीदवार बनाया है।

रोचक यह कि बिहार चुनाव में जनता को साफ छवि की सरकार देने का दावा कर रही तमाम पार्टियों ने कई सीटों पर बाहुबलियों और उनके रिश्तेदारों को उम्मीदवार बनाने में जरा भी संकोच नहीं किया है। यह सिलसिला पुराना है। राजनीति का

दाग अच्छे हैं?

अपराधीकरण या अपराधियों के राजनीतिकरण में सभी राजनीतिक दलों ने अमूल्य योगदान दिया है। इसका नतीजा है कि आज दर्जनों सांसद और विधायकों के नाम के आगे बाहुबली जैसी उपाधियां आम बात हैं।

इस चुनाव में उम्मीदवारों ने नामांकन के समय जो शपथ पत्र (एफिडेविट) जमा किया है उसमें खुद कबूल किया है कि उनके ऊपर अपराधिक मामले दर्ज हैं। ऐसे उम्मीदवारों को टिकट देने में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सबसे आगे है। कई मामलों के आरोपी व भागलपुर सेंट्रल जेल में बंद रीतलाल यादव को राजद ने दानापुर से उम्मीदवार बनाया है। इसी तरह बाहुबली सांसद रहे मो.शहाबुद्दीन का बेटा ओसामा शहाब को रघुनाथपुर, अशोक महतो की पत्नी अनिता देवी महतो को बारसलीगंज, सूरजभान सिंह की पत्नी वीणा देवी को मोकामा व बोगो सिंह को मटिहानी से मैदान में उतारा है। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने अनंत सिंह को मोकामा और धूमल सिंह को एकमा से उम्मीदवार बनाया है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने हुलास पाण्डेय को ब्रह्मपुर एवं राजू तिवारी को गोविंदगंज से मैदान में उतारा है।

2025 के बिहार चुनाव को लेकर एडीआर (एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स) व बिहार इलेक्शन वाच ने एक रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों में 32 प्रतिशत दागी है और तीसरा उम्मीदवार पर कोई न कोई अपराधिक केस दर्ज है। रिपोर्ट उम्मीदवारों के चुनाव आयोग को दिए गए शपथ पत्र के आधारित है। इसमें कई बातें चौंकाने वाली भी है। इस चुनाव में कुल 1314 उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें से 423 उम्मीदवारों ने अपने ऊपर दर्ज केस का ब्यौरा दिया है।

जीविका दीदियां संभाल रहीं मतदाता जागरूकता की कमान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। विधानसभा चुनाव 2025 के मद्देनजर जिले में मतदाता जागरूकता की गतिविधियां तेज हो गई हैं। जिला निर्वाचन पदाधिकारी एवं जिला पदाधिकारी के निर्देश पर जीविका की दीदियों और कर्मियों ने स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत व्यापक मतदाता जागरूकता अभियान चलाया।

इस अभियान में सामुदायिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। दीदियों ने गांव-गांव जाकर लोगों को मतदान के महत्व से अवगत कराया और 11 नवंबर को मतदान करने की अपील की।

जिले के गया टाउन, बोधगया, वजीरगंज, आमस, गुरुआ, बेलागंज, डुमरिया, शेरघाटी, इमामगंज, टिकारी, नीमचक बथानी, अतरी, बाराचट्टी और मोहरा सहित सभी प्रखंडों में रंगोली, मेंहदी, रैली, शपथ ग्रहण और उन्मुखीकरण सत्र का आयोजन किया गया। दीदियों ने नारे लगाते हुए मतदाताओं को निष्पक्ष और निर्भीक होकर मतदान करने का संदेश दिया।

अभियान के दौरान जीविका दीदियों ने घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क किया। महिलाओं और युवाओं को लोकतंत्र के इस महापर्व में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया।

जीविका के सभी संकुल स्तरीय महिला संघों, टीएलसी और सीएमटीसी के सदस्यों ने जन जागरूकता को जन आंदोलन का रूप दिया। कार्यक्रमों में आकर्षक रंगोली और मेहंदी के माध्यम से मतदान करने के संदेश दिए गए।

बोधगया में आयोजित कार्यक्रम में जीविका के जिला परियोजना प्रबंधक आचार्य मम्मट ने कहा कि हर वोट लोकतंत्र की मजबूती का आधार है। सभी नागरिकों को अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए।

इसी क्रम में जिला स्तरीय प्रबंधक धर्मेंद्र कुमार, समोद कुमार प्रणव, राकेश कुमार सिंह, राकेश कुमार, गौतम कुमार, ब्रजेश कुमार, विनय कुमार, जय राम सिंह, संभु कुमार सहित सभी प्रखंड परियोजना प्रबंधकों ने अपने-अपने क्षेत्रों में मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाई।

सरकटी लाश बरामद

बेरमो। बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र बरवाबेड़ा तीन पुलवा समीप बरकाकाना गोमोह रेलखंड जारंगडीह बोकारो थर्मल के बीच पोल संख्या 39/32 रेलवे लाइन में स्वांग गोविंदपुर फेज टू खुली खदान परियोजना कार्यालय में कार्यरत 32 वर्षीय सीसीएल कर्मी राकेश कुमार चौहान का शव, सर व हाथ कटा देखा गया।

लोगों ने इसकी सुचना बोकारो थर्मल थाना सहित गोमिया आरपीएफ को दी सूचना पर बोकारो थर्मल थाना के दरोगा कृष्णा उरांव, सअनि बैजून मरांडी व आरपीएफ गोमिया के विकास कुमार सिंह सदलबल घटना स्थल पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और कागजी प्रक्रिया पूरा कर शव को पोस्टमार्टम हेतु तेनुघाट भेज दिया गया। सूत्रों के अनुसार मृतक राकेश कुमार चौहान व उसकी पत्नी किरण देवी में शुक्रवार के रात्रि पति पत्नी में विवाद हुआ था, जिसकी जानकारी कथारा ओपी पुलिस को मिली थी। उसके बाद शनिवार के सुबह घटना घट गई। इस संदर्भ में बोकारो थर्मल इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी पिंकू कुमार यादव ने बताया कि घटना रेलवे पटरी में घटी है, लेकिन कुछ भी कहना जल्दबाजी होंगी, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही घटना पूरी तरह से स्पष्ट हो सकेगा।

हथियार के साथ सगा भाई चढ़ा पुलिस के हत्थे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। जिले के चांदी थाना पुलिस को अवैध हथियार की बरामदगी के अभियान के दौरान शुक्रवार की रात बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने रतनपुर गांव से दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से दो देसी कट्टा और दो कारतूस बरामद किए गए हैं।

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान चांदी थाना क्षेत्र के रतनपुर गांव निवासी राजेश कुमार यादव और राकेश कुमार यादव के रूप में की गई है। दोनों सगे भाई है। गिरफ्तारी के बाद दोनों के खिलाफ चांदी थाना में आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पुलिस अधीक्षक राज के अनुसार, राजेश कुमार के आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है। पुलिस अधीक्षक राज ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि चांदी थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि रतनपुर गांव में एक व्यक्ति ने अपने घर में अवैध हथियार छिपा रखे हैं।

सूचना के सत्यापन के बाद थानाध्यक्ष राकेश रौशन के नेतृत्व में टीम गठित कर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान दोनों भाइयों को गिरफ्तार किया गया और उनके घर से दो देसी कट्टा तथा दो कारतूस बरामद हुए।गिरफ्तारी के बाद दोनों के खिलाफ चांदी थाना में आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार, राजेश कुमार यादव के आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है। आपको बताते चलें कि आदर्श चुनाव आचार संहिता के बाद से अवैध हथियारों की बरामदगी को लेकर लगातार अभियान चल रहा है। अभी तक भोजपुर में दो देसी कारबाइन समेत बीस अवैध हथियारों की बरामदगी हो चुकी है।

गबन के आरोप में पैक्स सदस्य गिरफ्तार, अध्यक्ष फरार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शेखपुरा। बरबीघा थाने की पुलिस ने पिंजड़ी गांव में छापेमारी कर पैक्स के प्रबंध कार्यकारणी सदस्य मन्नू सिंह को 1.54 करोड़ रुपये की सरकारी राशि के घोटाले के मामले में गिरफ्तार किया।

इस संदर्भ में थानाध्यक्ष गौरव कुमार ने बताया कि बरबीघा प्रखंड के बीसीओ अभिजीत पटेल की ओर से हाल में पिंजड़ी पैक्स के अध्यक्ष निर्मला देवी, पैक्स प्रबंधक टुनटुन कुमार और अन्य प्रबंध कार्यकारिणी सदस्यों के खिलाफ एक करोड़ 54 लाख रुपये मूल्य के 6,634 क्विंटल धान के गबन की प्राथमिकी कराई गई थी।

नौ सितंबर को की गई प्राथमिकी में बीसीओ ने आरोप लगाया कि खरीफ विपणन मौसम 2024-25 के दौरान किसानों से खरीदे गए धान को पिंजड़ी पैक्स के गोदाम में निरीक्षण के दौरान गायब पाया गया। जांच में स्पष्ट हुआ कि पैक्स अध्यक्ष

सहित सभी 11 अभियुक्तों की मिलीभगत से सरकारी राशि का गबन किया गया। थानेदार ने बताया कि इस मामले में अन्य नामजद अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रयासरत है।

उल्लेखनीय है कि पिंजड़ी पैक्स के अध्यक्ष निर्मला देवी के पति ब्रजेश कुमार पर भी पहले गबन के आरोप लगे थे। उन्हें शेखपुरा में पुलिस ने पकड़ा था, लेकिन मोटी राशि जमा करने के बाद छोड़ दिया गया था।

प्रचार के दौरान उलझे दो दलों के समर्थक

पूर्णिया। कसबा थाना क्षेत्र के सधुबैली पंचायत के सोने लाल चौक पर चुनाव प्रचार के दौरान निर्दलीय और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के समर्थकों के बीच झड़प हो गई।

यह घटना शनिवार को हुई, जिसमें दोनों पक्षों के बीच मारपीट भी हुई। जानकारी के अनुसार, कसबा विधानसभा के पूर्व विधायक और निर्दलीय प्रत्याशी प्रदीप कुमार दास तथा एनडीए घटक दल लोजपा-आर के प्रत्याशी नितेश कुमार सिंह के समर्थक आपस में भिड़ गए।

स्थिति बिगड़ती देख निर्दलीय प्रत्याशी प्रदीप कुमार दास स्वयं मौके पर पहुंचे। उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं और लोजपा-आर के समर्थकों को समझा-बुझाकर मामले को शांत कराया।

पूर्व विधायक एवं निर्दलीय प्रत्याशी प्रदीप कुमार दास ने बताया की लोजपा-आर के प्रत्याशी नितेश कुमार सिंह के प्रचार वाहन ने किसी लड़के को टक्कर मार दी थी, जिसके बाद दोनों पक्षों में झड़प शुरू हो गई।

उन्होंने कहा कि वह उसी रास्ते से अपने प्रचार के लिए जा रहे थे और दोनों पक्षों को लड़ते देख उन्होंने हस्तक्षेप कर मामला शांत करवाया।

प्रधानमंत्री की सभा को ले प्रशासन अलर्ट मोड में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। दो नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगमन को लेकर लगातार अधिकारियों का निरीक्षण किया जा रहा है। पुलिस के आला अफसरों ने नवादा सदर प्रखंड स्थित कुन्ति नगर स्थित विद्यालय के खेल मैदान में बन रहे सभा स्थल को निरीक्षण किया।

जिसमें मगध रेंज के आईजी क्षत्रनील सिंह एवं एसपीजी के आईजी सहित जिला के पुलिस कप्तान अभिनव धीमान व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर वन हुलास कुमार और सदर टू के साथ अधिक संख्या में पुलिस बल मौजूद थे।

अधिकारियों ने साफ कहा कि पीएम के सभास्थल की निगाहबानी जिला पुलिस व एसपीजी के साथ-साथ तीसरी आंखें भी मैदान में बने सभा स्थल पर लगाए जायेंगे। दर्जनों सीसीटीवी कैमरे दूरबीन से रखी जायेगी, एक-एक गतिविधि पर नजर होगी। सुरक्षा ऐसी की परिंदा भी पर नहीं मार सकें।

वहीं पीएम की सुरक्षा को लेकर लगभग 1200 पुलिस के जवान तथा 200 पुलिस अधिकारी तैनात रहेंगे, इसके साथ साथ रैफ के जवान, डाग स्क्वायड, क्यूआरटी के लिए स्पेशल फोर्स तथा स्काई टीम को भी लगाया गया है।

सभा स्थल की पूरी किलाबंदी की जायेगी। खेल मैदान को कई सेक्टर में बांटा गया है। सभास्थल में हेलमेट, छाता, पानी का बोतल, खाना का पैकेट आदि ले जाने की पूरी तरह पाबंदी रहेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित आगमन को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज हो गई हैं। जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग पूरी तरह सतर्क है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मंच, वीआईपी गेट, पार्किंग स्थल, आगंतुकों के बैठने की व्यवस्था, मीडिया जोन तथा सुरक्षा घेरे की बारीकी से जांच की।

महिला दारोगा हुई ठगी की शिकार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। बारुण थाने में तैनात एक नए बैच की महिला दारोगा के साथ फेसबुक पर दोस्ती कर एक युवक ने अपने को आईपीएस अधिकारी बताकर 14 लाख रुपये की ठगी कर ली। महिला दारोगा ने बारुण थाना में भोजपुर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के करवा गांव निवासी आशीष कुमार, पिता अजय कुमार चौधरी के खिलाफ मंगलवार को प्राथमिकी दर्ज कराई है।

आरोपित युवक ने जिले के अन्य पुलिस अधिकारियों को भी अपनी हनक दिखाते हुए ठगी की थी। उसके खिलाफ नगर थाना में भी प्राथमिकी दर्ज की गई है। नगर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित युवक को गिरफ्तार कर बुधवार को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

महिला दारोगा द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के अनुसार, लगभग डेढ़ वर्ष पहले उसकी फेसबुक पर आशीष कुमार से दोस्ती हुई थी। उस समय युवक ने खुद को एयरफोर्स में लेफ्टिनेंट बताया और कुछ महीनों बाद उसने दावा किया कि वह यूपीएससी परीक्षा पास कर आईपीएस अधिकारी बन गया है।

उसने महिला दारोगा को बताया कि उसे बिहार कैडर मिला है। इस झांसे में आकर महिला दारोगा ने अपने माता-पिता से युवक के साथ विवाह की इच्छा जताई। जब स्वजन ने युवक के घरवालों से बात करने की कोशिश की, तो वह टालमटोल करने लगे।

इसी दौरान आरोपित युवक ने विभिन्न बहानों से ऑनलाइन माध्यम से महिला दारोगा से 14 लाख रुपये ले लिए। आरोपित युवक ने महिला दारोगा को अपने आधार कार्ड पर नया सिम कार्ड भी दे दिया। जब युवक विवाह से बचने लगा और संपर्क से कट गया, तब महिला दारोगा को एहसास हुआ कि वह ठगी का शिकार हो गई है।

महिला दारोगा ने प्राथमिकी में आरोप लगाया है कि युवक ने झूठा परिचय और पद का फर्जी दावा कर विश्वास जीतने के बाद आर्थिक ठगी की है। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपित युवक ने अन्य युवतियों को भी इसी तरह फर्जी पहचान से ठगा है।

नगर थाना पुलिस ने गिरफ्तार आरोपित युवक के पास से फर्जी वर्दी और पहचान पत्र जब्त की है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार युवक पर अपने को प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी बताकर जिले के वरीय पदाधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों को फोन कर धमकाने और ठगी करने का आरोप है।

इसी मामले में उसे शहर के सच्चिदानंद सिन्हा कॉलेज के पास से गिरफ्तार किया गया। थाना में तैनात दारोगा प्रशांत कुमार ने बताया कि 28 अक्टूबर की शाम आरोपित युवक अपने को प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी बताकर कालेज के पास पुलिस अधिकारियों को भयभीत कर निर्देश दे रहा था।

सूचना मिलने पर पुलिस कालेज के पास पहुंची और युवक को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने स्वयं को प्रशिक्षु आईपीएस बताया और एसपी से बात होने की बात कहकर एसी कार मांगी। जब जांच की गई, तब उसके फजीवाड़े का पता चला।

संक्षिप्त समाचार

ठोस चार्जशीट दाखिल करने के लिए एसीबी आरोपियों के विरुद्ध जुटा रहा पुख्ता साक्ष्य

रांची, एजेंसी। शराब घोटाला में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) इस बार पुख्ता साक्ष्यों के साथ एसीबी आरोपियों के विरुद्ध चार्जशीट भी दाखिल करने की तैयारी में है। अबतक की छापेमारी के दौरान दो भी डिजीटल उपकरण, दस्तावेज व अन्य सामग्रियों को जब्त किया गया है, उसके आधार पर आरोपियों के विरुद्ध साक्ष्य एकत्रित किए जा रहे हैं। एसीबी ने इस मामले में 20 मई को प्राथमिकी दर्ज करने के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी की थी। लेकिन गिरफ्तारी से निर्धारित समय सीमा 90 दिनों के भीतर चार्जशीट दाखिल नहीं करने की वजह से इस मामले के अधिकांश आरोपी जमानत पर जेल से बाहर आ गए।एसीबी ने शराब घोटाले में जांच फिर से तेज की है। फर्जी बैंक गारंटी पर शराब दुकानों में मैनपावर आपूर्ति का ठेका लेने वाली प्लेसमेंट एजेंसी से जुड़े तीन संचालकों की गिरफ्तारी तथा नेक्सजेन आटोमोबाइल के संचालक विनय सिंह के ठिकानों पर छापेमारी कर 198 फाइल जब्त किए गए हैं।एसीबी मुख्यालय में शुक्रवार को भी उत्पाद विभाग के दो पूर्व सचिव मनोज कुमार व मुकेश कुमार से छह घंटे तक पूछताछ हुई। पूर्व सचिव मनोज कुमार से लगातार तीन दिनों तक व मुकेश कुमार से लगातार दो दिनों तक पूछताछ पूरी हो चुकी है। हइन दोनों को आने वाले दिनों में फिर से पूछताछ के लिए बुला सकती है।

डीएमएफटी से अलग हुए दो चिकित्सक आयुष्मान से जुड़कर देंगे सेवा

धनबाद, एजेंसी। सदर अस्पताल में डीएमएफटी मद से बहाल 11 चिकित्सकों की सेवा शुक्रवार को समाप्त हो जायेगी. इनमें से दो चिकित्सकों को आयुष्मान भारत योजना से जुड़ने का निमंत्रण जिला स्वास्थ्य विभाग की ओर से दिया गया है. इनमें सर्जन डॉ संजीव गोलास व ऑर्थोपेडिक चिकित्सक डॉ मुकेश प्रसाद शामिल हैं. शुक्रवार को दोनों चिकित्सकों को आयुष्मान योजना के तहत जुड़कर अस्पताल में सेवा देने संबंधित पत्र सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा के माध्यम से प्रदान किया जायेगा. इसके बाद दोनों चिकित्सकों को प्रति मरीज चिकित्सीय परामर्श पर 300 रुपये का भुगतान किया जायेगा. इन चिकित्सकों से किस-किस दिन सेवा ली जायेगी. इस संबंध में अगले कुछ दिनों में निर्देश जारी किया जायेगा. उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देश पर सभी चिकित्सकों को सेवा मुक्ति संबंधित पत्र दिया जा चुका है. डीएमएफटी से सेवा समाप्त हुए चिकित्सकों में इन दोनों चिकित्सक के अलावा डेंटिस्ट डॉ स्नेहा केशरी, डॉ सुधीर कुमार, डॉ नीतीश कुमार पांडेय, एमओ डॉ पीयूष पानी पांडेय, डॉ रीना जायसवाल, न्यूरोलॉजिस्ट डॉ मनोज कुमार, पेडियाट्रिशियन डॉ राजेंद्र कुमार, गायनेकोलॉजिस्ट डॉ रूमा प्रसाद, एमओ डॉ सैयद मासूम आलम आदि शामिल हैं. सदर अस्पताल में पेडियाट्रिशियन की पहले से कमी है. डीएमएफटी से बहाल एक चिकित्सक की सेवा समाप्त होने के बाद गैप और बढ़ गया है. इस स्थिति से निबटने के लिए अन्य केंद्रों के तीन चिकित्सकों से सप्ताह में दो-दो दिन कर सेवा लेने का निर्णय लिया गया है. एसएनएमएमसीएच के एसएनसीयू विभाग में कार्यरत डॉ विश्वजीत प्रताप सिंह, सीएचसी निरसा के डॉ अजहरूल हक शाही व एमओ डॉ कुमार गौतम सप्ताह में दो-दो दिन सदर अस्पताल के पेडियाट्रिक विभाग में सेवा देंगे.

जामताड़ा, गुमला और लोहरदगा में ब्लड बैंक बंद, नहीं मिल रहा खून

रांची, एजेंसी। चाईबासा सदर अस्पताल में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को एचआईवी संक्रमित खून चढ़ाने के बाद राज्यभर के ब्लड बैंकों की व्यवस्था कटघरे में खड़ी हो गई है। ब्लड बैंकों में खून की जांच की प्रक्रिया और उसकी गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। इसे देखते हुए ब्लड डोनर्स रिप्लेसमेंट पर रोक के अगले दिन शुक्रवार को उन ब्लड बैंकों को बंद कर दिया गया, जहां एलाईजा रीडर मशीन नहीं है। इससे कोडरमा के बाद जामताड़ा, गुमला और लोहरदगा में भी ब्लड बैंकों पर ताले लटक गए। यहां के मरीज उन जिलों पर निर्भर हो गए, जहां खून जांच के लिए एलाईजा मशीन उपलब्ध है। राज्य में कुल 82 ब्लड बैंकों में से 45 बिना लाइसेंस के चल रहे हैं। कई जिलों में रैपिड किट से खून की जांच हो रही थी। स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह ने शुक्रवार को रैपिड किट से खून की जांच बंद करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिन जिलों में मशीन नहीं है, वहां ब्लड बैंक को बंद करें। तत्काल एलाईजा मशीन की खरीदारी करें। सचिव के निर्देश के बाद जामताड़ा ब्लड बैंक में स्टॉक में रखे 39 यूनिट खून को जांच के लिए धनबाद भेज दिया गया है। वहीं गुमला ब्लड बैंक में रखे 206 यूनिट खून को जांच के लिए रांची भेजा गया है। इन जिलों में ब्लड बैंक बंद होने से जरूरतमंद मरीजों की परेशानी बढ़ गई है। उनके परिजन खून के लिए दर-दर भटक रहे हैं। क्योंकि सरकारी स्तर पर खून नहीं मिल रहा है और निजी ब्लड बैंकों में खून के बदले पैसों की वसूली हो रही है।1 बच्चे को जन्म देने के बाद नहीं मिल रहा खून... गुमला की निर्मला ने शुक्रवार सुबह ममता वाहन में बेटे को जन्म दिया। उसे खून की जरूरत थी, लेकिन नहीं मिला।

अति पिछड़ों को गोलबंद कर सरकार पर दवाब बनाने में जुटा प्रदेश वैश्य मोर्चा,

13 नवंबर को करेंगे राजभवन मार्च

रांची, एजेंसी। झारखंड राज्य में पिछड़ों को गोलबंद कर सरकार पर दवाब बनाने में जुटा वैश्य मोर्चा ने आगामी 13 नवंबर को राजभवन मार्च करने का निर्णय लिया है। इसको लेकर आगामी रणनीति पर शुक्रवार को हुई बैठक में चर्चा की गयी। अपने सातवें स्थापना दिवस के मौके पर झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि राज्य में वैश्यों के अधिकार को लेकर संगठन हमेशा आंदोलनरत रहा। जिसके कारण नगर निकाय चुनाव में ट्रिपल टेस्ट, पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन हुआ है। इसके बावजूद आज भी पिछड़ों को 27 प्रतिशत आरक्षण का मामला लंबित है।

उन्होंने कहा कि वैश्य मोर्चा का जन्म ही विपरित परिस्थितियों से लड़ने और वैश्य समाज को अधिकार दिलाने के लिए हुआ है। वैश्य मोर्चा कोई आम सामाजिक संगठन नहीं है कि साल में एक बार खानापूर्ति के लिए कार्यक्रम कर दिया जाए। बल्कि वैश्य मोर्चा मुद्दों और नीतियों के साथ आगे बढ़ने का संकल्प ले कर चलती है। उन्होंने कहा कि अपने लोगों सम्मान करना और जरूरत पड़ने पर लड़ कर सम्मान बचाना हमारा उद्देश्य है। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

वैश्य समाज के लोगों को किया गया सम्मानित: झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा ने अपने सातवें स्थापना दिवस के मौके पर विशिष्ट कार्य के लिए कई लोगों को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वैश्य मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु और कार्यकारी अध्यक्ष रेखा मंडल एवं हीरानाथ साहु द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ। विजय राज, अति विशिष्ट अतिथि डॉ। अशोक कुमार एवं समाजसेवी राजेश गुप्ता द्वारा पांच प्रबुद्धजनों को वैश्य रत्न एवं पांच कार्यकर्ताओं को उत्कृष्ट वैश्य की उपाधि से सम्मानित किया गया। वैश्य रत्न से सम्मानित होनेवालों में सुरेन्द्र प्रसाद साहु (क्रीड़ा क्षेत्र), अशोक मंडल (अभियंत्रण), डॉ। अमित साहु (चिकित्सा अध्ययन), अनुश्री रैना (नेत्र चिकित्सा), चंदन चौधरी (पत्रकारिता), कमल केडिया (उद्योग) शामिल हैं। झारखंड से बाहर होने के कारण कमल केड़िया नहीं आ सके। इन्हें बाद में सम्मानित किया जाएगा।

इस अवसर पर बेहतर कार्य करने वाले पांच कार्यकर्ताओं को भी संगठन ने सम्मानित किया। सम्मानित होनेवालों में बड़कागांव के मिथिलेश साव, ओरमांझी के लक्ष्मण साहु, अरगोड़ा के सहदेव चौधरी, कांके के आदित्य पोद्दार एवं देवघर के राजकुमार बर्नवाल शामिल हैं।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ। विजय राज ने कहा कि वे वैश्य मोर्चा शुरूआत दिनों से जुड़े हुए हैं। वैश्य मोर्चा ने समाज को जगाने और संगठित करने का काम किया है। यह एक बड़ी उपलब्धि है। डॉ। राज ने कहा कि संगठन के बिना समाज अधूरा और असुरक्षित है। संगठन से ताकत और सहारा मिलता है। इसलिए वैश्य मोर्चा और मजबूत करने की जरूरत है। सभी वैश्यों को साथ देने के लिए आगे आने की जरूरत है।

विशिष्ट अतिथि एवं झारखंड प्रदेश शौंडिक (सूढ़ी) समाज के अध्यक्ष डॉ। अशोक कुमार ने कहा कि मैंने भी एक बार प्रयास किया था लेकिन उतना सफलता नहीं मिल सका। महेश्वर साहु एवं इनके साथियों ने यह कारनामा कर दिखाया है और कुछ हद तक वैश्य समाज को जागरूक एवं संगठित कर दिया है। विशिष्ट अतिथि एवं समाजसेवी राजेश गुप्ता ने कहा कि दल से उपर समाज होता है। आज सभी नेता अपनी जाति को प्राथमिकता देते हैं तो वैश्य समाज के नेताओं और मंत्रियों को भी इस पर विचार करना चाहिए। अन्यथा बाद में उन्हें पछताना पड़ेगा।

1 लाख कॉपियों का मूल्यांकन 4 से: अब रांची में ही होगी स्नातक की उत्तर पुस्तिकाओं की जांच

रांची, एजेंसी। रांची विश्वविद्यालय ने स्नातक परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं की मूल्यांकन प्रणाली में बड़ा बदलाव किया है। अब पीजी की तरह यूजी कला, विज्ञान और वाणिज्य स्ट्रीम की कॉपियों का मूल्यांकन राजधानी रांची में ही किया जाएगा। इसके लिए यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा चार कॉलेजों में मूल्यांकन केंद्र बनाया गया है। मूल्यांकन कार्य 4 नवंबर से शुरू होगा। फिलहाल, कॉपियों की जांच के लिए परीक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार स्नातक फर्स्ट (सेशन 2024-28) और फिफ्थ सेमेस्टर (सेशन 2022-26) के लगभग 50 हजार छात्रों की उत्तर पुस्तिकाएं जांची जानी हैं। इनमें फर्स्ट सेमेस्टर के 26 हजार और फिफ्थ सेमेस्टर के 24 हजार छात्र शामिल हैं। राजधानी स्थित जिन कॉलेजों में मूल्यांकन केंद्र बनाया गया है, उसमें वीमेंस कॉलेज रांची, निर्मला कॉलेज, गोस्सनर कॉलेज और डोरंडा कॉलेज शामिल हैं। बताते चलें कि यूजी फर्स्ट और फिफ्थ सेमेस्टर की परीक्षा अक्टूबर पहले और तीसरे सप्ताह में समाप्त हुई है।

शिक्षकों की कमी विवि के लिए अब भी बड़ी चुनौती है। पिछले सात वर्षों से नई नियुक्ति नहीं हुई है, जबकि हर महीने कई शिक्षक रिटायर हो रहे हैं।

21 जोड़े के सामूहिक विवाह को लेकर जरीडीह बाजार में बैठक

बोकारो, एजेंसी। जरीडीह बाजार स्थित अग्रवाल भवन में 23 नवंबर को होने वाले सामूहिक विवाह की तैयारी को लेकर गुरुवार को बैठक की गयी। अध्यक्षता अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल व संचालन कृष्ण कुमार चांडक ने किया। अनिल अग्रवाल ने कहा कि आगामी 23 नवंबर को अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा व अग्रवाल परिवार द्वारा अग्रसेन भवन दामोदर नाथ महादेव मंदिर जरीडीह बाजार के प्रांगण में होने वाले 21 जोड़े का विवाह कराया जायेगा।

इस सामूहिक विवाह कार्यक्रम के लिए विभिन्न गांवों, कस्बों और शहरी इलाकों से लोगों ने निः शुल्क पंजीकरण कराया है। कुछ रजिस्ट्रेशन होना है। इस सामूहिक विवाह वैसे लोगों के लिए किया जा रहा है, जो आर्थिक रूप से कमजोर होने की वजह से अपने बच्चों की शादी करने में असमर्थ हैं, वैसे लोगों का विवाह कराना है, जिसमें अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा तथा अग्रवाल परिवार की ओर से वर और वधू को शादी का जोड़ा अटैची, आलमारी, पलंग, किचन सेट, भोजन सहित अन्य उपहार दिया जायेगा। इच्छुक जोड़े अपना पंजीकरण आवासीय कार्यालय जरीडीह बाजार में करा सकते हैं।

मौके पर प्रेम गोयल, बृजेश साव, राजू बोरा, संजय बोरा, अरशद, हितेश मेहता, शरद अग्रवाल, आनंद केसरी, अजय कुमार, भोलू चंद भगत, नीरज कुमार, महेश अग्रवाल, बृजेश कुमार पटवा, विनोद चौरसिया, मनोज अग्रवाल, प्रदीप साव, शिव शंकर सोनी, रोशन सिंह, मुकेश सिन्हा, सुरेश कुमार श्रीवास्तव, अश्वनी सोनी, शिव प्रकाश पांडे, कुणाल साहनी, कपिल कुमार, गुड्डू सोनी सहित कई लोग उपस्थित थे।

कोडरमा में झुंड से बिछड़ा हाथी कर रहा उत्पात

परसाबाद स्टेशन के आगे रेलवे फाटक तोड़ा

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले में हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। पहले खेतों में लगी फसलें रौंदने और कई घरों को नुकसान पहुंचाने के बाद अब हाथियों ने रेलवे संपत्ति को निशाना बनाया है। बीती रात धनबाद-गया रेलखंड पर परसाबाद स्टेशन के आगे गड़गी रेलवे फाटक पर हाथियों के झुंड ने जमकर उत्पात मचाया। झुंड ने रेलवे फाटक के लोहे के बूम को तोड़ दिया, जिससे कुछ देर के लिए रेल परिचालन बाधित होने की आशंका बनी रही। हालांकि समय रहते स्थिति को संभाल लिया गया और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। यह फाटक ग्रामीण सड़क पर स्थित है। रात का समय होने के कारण सड़क मार्ग पर कोई बड़ी बाधा नहीं आई।

लोहे का बूम तोड़ा, आरपीएफ ने की मरम्मत : हजारीबाग रोड रेलवे स्टेशन के आरपीएफ प्रभारी विश्वनाथ कुमार ने बताया कि उन्हें देर रात परसाबाद स्टेशन के पास स्थित गड़गी रेलवे फाटक के दक्षिणी छोर पर बूम के टूटने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची और फाटक को तत्काल लोहे की जंजीर से घेरकर सुरक्षा सुनिश्चित की। आरपीएफ टीम ने बताया कि फाटक का एक हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसे बाद में मरम्मत कर लिया गया। अधिकारियों ने कहा कि रेल परिचालन को किसी भी तरह का नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन ऐसी घटनाएं सुरक्षा व्यवस्था के लिए गंभीर संकेत हैं।

40 हाथियों के झुंड से बिछड़ा हाथी कर रहा उत्पात : वन विभाग के अनुसार, 22 अक्टूबर की रात जयनगर थाना क्षेत्र के परसाबाद इलाके में करीब 40 हाथियों का झुंड देखा गया था। वनकर्मियों ने अगले दिन उन्हें जंगल की ओर खदेड़ दिया था। संभावना जताई जा रही है कि उसी झुंड से अलग हुआ एक हाथी अपने समूह की तलाश में इधर-उधर भटक रहा है और इसी कारण लगातार उत्पात मचा रहा है। हाथी के रेलवे फाटक तोड़ने की घटना से यह स्पष्ट है कि बीती रात एक बड़ा हादसा टल गया। इस घटना के बाद जयनगर, परसाबाद और मरकच्चो प्रखंड के ग्रामीणों में फिर से दहशत का माहौल है। लोग रात में घरों के बाहर पहरा दे रहे हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से इलाके में गश्ती बढ़ाने और हाथी को सुरक्षित पकड़कर उसके समूह तक पहुंचाने की मांग की है।

पलामू में सदर अंचल के खिलाफ मोर्चा, कई राजनीतिक दल और संगठन हुए लामबंद

पलामू, एजेंसी। जिला के सदर अंचल कार्यालय में हंगामा के आरोप में गिरफ्तार हम पार्टी के जिला अध्यक्ष आशुतोष तिवारी को गुरुवार को न्याय हिरासत में भेज दिया गया। इस घटना के बाद सदर अंचल कार्यालय और पदाधिकारी के खिलाफ कई राजनीतिक दल और संगठनों ने मोर्चा खोल दिया है।

इन सभी ने भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए अंचल पदाधिकारी और कर्मियों पर कार्रवाई की मांग किया है। विभिन्न राजनीतिक दल से जुड़े हुए लोग एक मंच पर जुटे हैं। सभी ने कहा है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने पर आशुतोष तिवारी के खिलाफ कार्रवाई हुई है। सभी ने एक सुर में आंदोलन की घोषणा की है।

पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के मीडिया चेयरमैन मणिकांत सिंह ने कहा कि घटना दुर्भाग्यपूर्ण है पूरे मामले में प्रशासन को सीसीटीवी फुटेज जारी करना चाहिए। पूरे मामले में डीसी और मुख्य सचिव से शिकायत की जाने की जरूरत है। इधर सदर अंचल के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी के ज्योति पांडेय, लोजपा के जिला अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह, हम पार्टी के महासचिव और राष्ट्रीय परशुराम युवा वाहिनी के सदस्यों ने संयुक्त रूप से प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की।

भारतीय जनता पार्टी के ज्योति पांडेय ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने पर कार्रवाई हो रही है, सदर अंचल पदाधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जरूरत है। लोजपा के जिला अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने कहा कि इस तरह की घटनाओं के खिलाफ लोग चुप नहीं बैठेंगे जोरदार आंदोलन किया जाएगा।

वहीं राष्ट्रीय परशुराम युवा वाहिनी के विकास दुबे ने कहा कि सदर अंचल पदाधिकारी को बर्खास्त करने की जरूरत है और उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। युवा वाहिनी के तरफ से एक आधिकारिक प्रेस बयान भी जारी किया गया है और सदर अंचल पदाधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

पाकुड़ मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लखनपुर गांव में पत्थर व्यवसायी को मारी गोली; मौत

पाकुड़, एजेंसी। पाकुड़ मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लखनपुर गांव में शुक्रवार देर रात पत्थर व्यवसायी मगबूल शेख उर्फ शेखू (45 वर्ष) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जानकारी के अनुसार, रात में वे अपने घर के पास स्थित चाय दुकान पर चाय पीने गए थे। उस दौरान बारिश शुरू हो जाने से वे वहीं रुक गए। देर रात जब बारिश थमी और वे घर लौटने लगे। तभी रास्ते में पहले से घात लगाए छह लोगों ने उन पर हमला कर दिया। हमलावरों में से एक ने उनकी पीठ पर गोली मार दी। जिससे वे गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। गोली चलने की आवाज सुनकर घरवाले बाहर दौड़े, लेकिन तब तक सभी हमलावर मौके से फरार हो चुके थे।

अस्पताल ले जाते समय तोड़ा दम

घायल अवस्था में मगबूल शेख को परिजन और ग्रामीणों की मदद से सोनाजोड़ी सदर अस्पताल पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। परिजन उन्हें इलाज के लिए पश्चिम बंगाल के एक अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। घटना की खबर फैलते ही गांव में मातम छा गया। मृतक अपने पीछे दो पुत्र और एक पुत्री को छोड़ गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि मगबूल शेख एक शांत स्वभाव के व्यक्ति थे। गांव में पत्थर कारोबार के लिए जाने जाते थे। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

पुराने विवाद में हत्या की आशंका

घटना की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना प्रभारी गौरव कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस ने पूछताछ के लिए कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। मृतक के पुत्र जमाल शेख ने गांव के ही दानारुल शेख, उसके पुत्र लालून शेख और चार अन्य लोगों पर हमला करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि वर्ष 2023 में दानारुल शेख से उनके पिता का विवाद हुआ था। उसी रंजिश में यह हत्या की गई। जमाल ने बताया कि लालून शेख ने ही गोली चलाई थी, जो पीठ में लगी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। फिलहाल लखनपुर गांव में सन्नाटा पसरा है।

सीआरपीएफ इंस्पेक्टर कौशल मिश्रा शहीद, सारंडा में नक्सली आईईडी विस्फोट में गंभीर रूप से हुए थे घायल

चाईबासा, एजेंसी। सीआरपीएफ इंस्पेक्टर कौशल कुमार मिश्रा का गुरुवार को दिल्ली एम्स में निधन हो गया। वे 10 अक्टूबर को पश्चिमी सिंहभूम के सारंडा जंगल में हुए नक्सली आईईडी विस्फोट में गंभीर रूप से घायल हुए थे। उन्हें शहीद का दर्जा दिया गया है। पश्चिमी सिंहभूम के एसपी अमित रेणु ने बताया कि इंस्पेक्टर कौशल कुमार मिश्रा सीआरपीएफ की 60वीं बटालियन के साथ नक्सल विरोधी अभियान का नेतृत्व कर रहे थे। सारंडा क्षेत्र में माओवादियों द्वारा लगाए गए आईईडी विस्फोट में उनके बाएं पैर में गंभीर चोटें आई थीं।

11 अक्टूबर से दिल्ली एम्स में चल रहा था इलाज

घटना के बाद उन्हें हेलिकॉप्टर से एयर लिफ्ट कर पहले राउरकेला, फिर रांची और अंततः

दिल्ली एम्स भेजा गया था। 11 अक्टूबर से उनका इलाज दिल्ली एम्स में चल रहा था। 30 अक्टूबर की सुबह उनकी स्थिति गंभीर हो गई और उनका निधन हो गया। इंस्पेक्टर कौशल कुमार मिश्रा मूल रूप से बिहार के समस्तीपुर जिले के रहीमपुर गांव के निवासी थे।

यह घटना 10 अक्टूबर को सारंडा के जराईकेला थाना क्षेत्र अंतर्गत समठा और बाबूडेरा के जंगलों में हुई थी। पुलिस और सीआरपीएफ का संयुक्त अभियान चल रहा था, तभी नक्सलियों ने आईईडी विस्फोट किया। इस विस्फोट में इंस्पेक्टर कौशल कुमार मिश्रा के साथ सब इंस्पेक्टर रामकृष्ण गागराई और हवलदार महेंद्र लस्कर भी घायल हुए थे। इस हमले में घायल हुए हवलदार महेंद्र लस्कर की 11 अक्टूबर को ही इलाज के दौरान मौत हो गई थी। वहीं, झामुमो विधायक दशरथ गागराई के भाई सब इंस्पेक्टर रामकृष्ण गागराई अभी भी इलाजरत हैं।

साहिबगंज में ज्वेलरी शॉप से 15 लाख के जेवरात चोरी

साहिबगंज, एजेंसी। साहिबगंज के तीनपहाड़ बाजार में इन दिनों चोरों के हौसले बुलंद हो गए हैं। शुक्रवार देर रात भगत मोहल्ला स्थित सोनार पट्टी में चंचला ज्वेलर्स की दुकान में अज्ञात चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने दुकान का शटर तोड़कर अंदर प्रवेश किया। लोहे की तिजोरी का ताला तोड़कर सोने-चांदी के कीमती आभूषण लेकर फरार हो गए। इस चोरी की अनुमानित कीमत करीब 10 से 15 लाख रुपए बताई जा रही है। घटना की खास बात यह रही कि यह चोरी तीनपहाड़ थाना से महज 100-150 मीटर की दूरी पर हुई, जिससे स्थानीय व्यापारियों में भारी आक्रोश है।

देर रात छह से सात नकाबपोशों ने की चोरी : दुकानदार अरुण सोनी ने बताया कि वह रोज की तरह दुकान बंद कर घर चले गए थे। देर रात करीब डेढ़ बजे कुछ लोगों ने फोन पर सूचना दी कि दुकान के पास संदिग्ध गतिविधि हो रही है। जब वे परिजनों के साथ मौके पर पहुंचे, तब तक चोर हथियार लहराते हुए भाग निकले। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, छह से सात नकाबपोश अपराधी घटना में शामिल थे, जिन्होंने पहले दुकान का शटर तोड़ा। फिर अंदर रखी तिजोरी का ताला तोड़कर लगभग पांच किलो चांदी व सोने के गहने लेकर फरार हो गए। बताया गया कि चोरों ने वारदात के दौरान दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे को तोड़कर साथ ले लिया ताकि उनकी पहचान न हो सके।

व्यापारियों में आक्रोश, सड़क जाम कर जताया विरोध : घटना की जानकारी मिलते ही तीनपहाड़ थाना प्रभारी एम.के. पांडेय दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी है।

चोरी की इस घटना से नाराज स्थानीय व्यापारियों ने लगभग एक घंटे तक अपनी दुकानें बंद रखीं। सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। थाना प्रभारी से बातचीत के बाद व्यापारियों ने जाम हटाया। थाना प्रभारी एमके पांडेय ने बताया कि मामले की जांच तेजी से की जा रही है। जल्द ही अपराधियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। व्यापारी पुलिस से रात में गश्ती बढ़ाने की मांग कर रहे हैं।

संपादकीय

गहन पुनरीक्षण के तहत मतदाता सूची को 'शुद्ध' करने की योजना

निर्वाचन आयोग की ओर से हाल ही में बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर के बाद अब दूसरे चरण के तहत बारह राज्यों में यही प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की अपनी अहमियत है। दरअसल, बिहार में यह सवाल उठाया गया था कि जब चुनाव के लिए बहुत कम वक्त बचा था, तब आयोग ने अचानक एसआइआर की शुरूआत क्यों कर दी और ऐसा केवल बिहार में क्यों किया गया। तब यह भी कहा गया कि जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने में पर्याप्त वक्त है, अगर वहां पहले एसआइआर कराया जाए तो बेहतर हो।मगर निर्वाचन आयोग शायद बिहार विधानसभा के लिए इसी चुनाव में मतदाता सूची को 'शुद्ध' करने की इच्छा रखता था, इसलिए काफी सवाल उठने के बावजूद आखिर एसआइआर को अंजाम दिया गया। अब अंडमान और निकोबार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, पुदुचेरी, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु में एसआइआर होगा, जिसके बाद आयोग का मानना है कि इसके जरिए संबंधित राज्यों की मतदाता सूची को त्रुटिहीन बनाया जा सकेगा।ऐसी शिकायतें आती रही हैं कि चुनाव में कुछ लोगों ने फर्जी तरीके से या फिर किसी का नाम एक से ज्यादा जगहों पर दर्ज था। इस तरह के कई अन्य मामलों के आधार पर मतदाता सूची में अपात्र लोगों के नाम हटाए जाने को लेकर आवाज उठती रही है। मगर बिहार में एसआइआर के क्रम में जिस तरह लाखों लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए, उसे लेकर एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। कई राजनीतिक दलों ने आरोप लगाया कि एसआइआर के बहाने बड़ी संख्या में वैसे मतदाताओं के नाम भी सूची से हटा दिए गए, जो पात्र थे।आयोग की इस दलील से किसी को भी इनकार नहीं होगा कि किसी भी चुनाव में केवल वैध और पात्र मतदाताओं को मतदान करने का अधिकार हो। जिन लोगों का निधन हो गया है, जिनका नाम एक से ज्यादा जगहों पर मौजूद है या फिर जो स्थायी रूप से एक से दूसरे शहर में विस्थापित हो गए हैं, उनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया जाए। मगर यह सवाल बना रहेगा कि मतदाता सूची में से किसी भी ऐसे व्यक्ति का नाम क्यों हटे, जो वैधता की कसौटी पर अपनी पूरी पात्रता रखते हैं।अब जिन राज्यों में एसआइआर की घोषणा हुई है, उसमें खबरों के मुताबिक, कोई कागज दिखाने की जरूरत नहीं होगी। मुख्य रूप से यह एक बड़ा बिंदु था, जिस पर बिहार में हुए एसआइआर के दौरान काफी सवाल उठाए गए थे। दरअसल, बिहार में एसआइआर के तहत मतदाता सूची में नाम कायम रखने के लिए आयोग ने कुछ दस्तावेज जमा करना अनिवार्य बना दिया था, जिसमें आधार को मान्य नहीं बताया गया।

ऑनर किलिंग या लिंग आधारित हिंसा देश के राजनीतिक दलों के लिए चिंता का विषय नहीं है, बल्कि नेता वोट बैंक की राजनीति के कारण आग में घी डालने का काम करते हैं। ऐसी शर्मनाक घटनाओं को रोकने के लिए राजनीति, शैक्षिक और कानून के जरिए जागरुकता लाने की जरुरत है। गुरुग्राम में पिता दीपक यादव ने परिवार की इज्जत बचाने के लिए अपनी बेटी पूर्व टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की गोली मार कर हत्या की थी। पिता और बेटी के बीच लंबे समय से तनाव और विवाद चल रहा था। चार्जशीट में आरोपी पिता दीपक ने बताया कि उसके गांव के लोग उसे टोकते थे कि तुम बेटी की कमाई खा रहे हो। बेटी के चरित्र पर भी उंगली उठाते थे। इससे उनके सम्मान को ठेस पहुंचती थी। इसलिए बेटी की हत्या कर दी। अभी तक यही माना जाता रहा है कि ऑनर किलिंग के ज्यादातर मामले गरीब और पिछड़ेपन के कारण ज्यादातर ग्रामीण इलाकों में ही होते हैं, किन्तु गुरुग्राम में हुई इस घटना ने साबित कर दिया कि कुछ हद तक यह मानसिकता शिक्षित लोगों के बीच शहरों में भी व्याप्त है। देश एक तरफ जहां अर्थव्यवस्था सहित दूसरे क्षेत्रों में छलांग लगा रहा है, वहीं आदिमयुगीन इस तरह की वारदात से भारत की छवि कलंकित हो रही है।

जागरुकता और कानून सख्ती से ही रुकेंगी ऑनर किलिंग

(योगेंद्र योगी)

दिल्ली की पत्रकार निरुपमा पाठक की मौत के साथ ऑनर किलिंग का मुद्दा सुर्खियों में आया था। आरोप था कि परिवार ने उसे इसलिए मार डाला क्योंकि वह गर्भवती थीं और अपनी जाति के बाहर के व्यक्ति से शादी करने की योजना बना रही थीं। इसके बाद राजधानी में संदिग्ध ऑनर किलिंग के दो और मामले सामने आए। हालांकि राजधानी में ऑनर किलिंग की घटनाएं दुर्लभ हैं, लेकिन भारत के उत्तरी राज्यों जैसे पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में ऐसी घटनाएं आम हैं। ऑनर किलिंग के पीछे मूल कारण यह विचार है कि परिवार का सम्मान महिला की पवित्रता से जुड़ा होता है। ऑनर किलिंग के कई कारण हो सकते हैं, जैसे वैवाहिक बेवफाई, विवाह से पहले यौन संबंध, अनुचित संबंध, तय शादी से इनकार करना या यहां तक कि बलात्कार भी। भारत में ऑनर किलिंग तब होती है जब कोई जोड़ा अपनी जाति या धर्म के बाहर शादी करता है।

करनाल की एक सत्र अदालत ने एक खाप पंचायत के आदेश के विरुद्ध विवाह करने वाले एक युवा जोड़े की हत्या के लिए पाँच लोगों को पहली बार मृत्युदंड सुनाया। अदालत ने खाप पंचायत के उस सदस्य को आजीवन कारावास की सजा सुनाई जिसने विवाह को अमान्य घोषित कर दिया था और जो हत्या के समय मौजूद था। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र और आठ राज्यों को नोटिस जारी कर ऑनर किलिंग को रोकने के लिए उठाए गए कदमों की व्याख्या करने को कहा था। सरकार ने सतर्क रुख अपनाते हुए तत्कालीन कानून मंत्री एम. वीरप्पा मोइली के भारतीय दंड संहिता में संशोधन और खाप पंचायतों (जाति-आधारित संविधानेतर संस्थाएँ) पर लगाम लगाने के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। केंद्र सरकार ने राज्यों से परामर्श करने और ऑनर किलिंग को एक सामाजिक बुराई मानने वाले एक विशेष कानून को लागू करने की संभावनाओं पर विचार करने के लिए एक मंत्रिसमूह गठित करने का निर्णय लिया था।

तमिलनाडु, तेलंगाना, महाराष्ट्र और केरल जैसे राज्यों में, जहाँ दलित समुदायों का अपेक्षाकृत अधिक सशक्तिकरण हुआ है, अंतर्जातीय विवाहों की दर भी अधिक दर्ज की गई है। भारत मानव विकास सर्वेक्षण द्वितीय के अनुसार, अंतर्जातीय विवाहों की राष्ट्रीय दर लगभग 5त्न है, लेकिन सशक्त दलित आबादी वाले राज्यों में यह दर अधिक है। विडंबना यह है कि इन्हीं राज्यों में ऑनर किलिंग की घटनाएँ भी बढ़ी हैं। यह विरोधाभास एक परेशान करने वाली सच्चाई को उजागर करता है। ऑनर किलिंग वहाँ नहीं होती जहाँ जातिवाद सबसे ज़्यादा प्रबल होता है, बल्कि वहाँ होती है जहाँ यह सबसे ज़्यादा ख़तरे में है। जिन राज्यों में उत्पीड़ित लोग अभी भी अपनी 'यथास्थिति' बनाए हुए हैं, वहाँ हिंसा कम होती है, इसलिए नहीं कि जातिवाद मौजूद नहीं है, बल्कि इसलिए कि इसे चुनौती नहीं दी जाती।

संयुक्त राष्ट्र संघ की विभिन्न रिपोर्टों में ऑनर किलिंग को विश्व में एक गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन बताया गया है, जो कि लैंगिक असमानता और पुरुष प्रधान समाजों में गहराई से निहित है। रिपोर्टों के अनुमान के अनुसार, हर साल दुनिया भर में लगभग 5,000 ऑनर किलिंग होती हैं, जिनमें 20त्न मामले भारत में होते हैं, हालाँकि सटीक आंकड़े अज्ञात हैं क्योंकि सभी देश आधिकारिक डेटा नहीं रखते हैं। ये रिपोर्टें बताती हैं कि यह सिर्फ़ भारत की ही नहीं, बल्कि मध्य पूर्व, दक्षिण एशिया और यूरोप के देशों सहित अन्य क्षेत्रों की भी एक वैश्विक समस्या है। यह समस्या मुख्य रूप से मध्य पूर्व और दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्रों में व्यापक है, लेकिन बांग्लादेश, ब्राजील, कनाडा, इक्वाडोर, मिस्र, भारत, ईरान, इराक, इटली, मोरक्को, पाकिस्तान, स्वीडन, सीरिया, तुर्की, युगांडा, संयुक्त अरब अमीरात और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे विभिन्न देशों में भी होती है।

कई देशों में ऑनर किलिंग को रोकने के लिए कानून बनाए गए हैं, लेकिन अक्सर इन कानूनों का पालन नहीं किया जाता है या ये अपर्याप्त हैं। महिलाओं और लड़कियों के अलावा, एलजीबीटी समुदाय के लोग भी ऑनर किलिंग का शिकार हो रहे हैं। रिपोर्टों में इस बात पर जोर दिया गया है कि यह समस्या मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है और विशेष रूप से भारत में संवैधानिक अधिकारों का हनन करती है। ऑनर किलिंग अन्य प्रकार की लैंगिक-आधारित हिंसा का ही एक रूप है, जैसे कि एसिड अटैक, यातना और अपहरण। भारत में जाति एक दोराहे पर खड़ी है। एक ओर, हम हिंसक प्रतिक्रियाएँ और ऑनलाइन महिमामंडन देख रहे हैं। दूसरी ओर, हम ऑनर किलिंग के खिलाफ मज़बूत लोकतांत्रिक आवाज़ें और सामाजिक मूल्यों से धीरे-धीरे दूर होती एक नई पीढ़ी देख रहे हैं।

भारत में जाति और लिंगभेद आधारित समस्या नहीं गहरी जड़ें जमाए बैठी सामाजिक परिघटना है। जाति केवल इसलिए नहीं टिकती और फलती-फूलती है क्योंकि व्यक्ति उस पर ज़ोर देते हैं, बल्कि इसलिए भी कि परिवार, समुदाय और समूची सामाजिक संरचनाएँ, जानबूझकर या अनजाने में, उसे लागू और वैध बनाती रहती हैं। जातिगत सीमाओं को पार करने वाले प्रेम संबंध, खासकर वे जो दलित पुरुषों और प्रभुत्वशाली जाति की महिलाओं के बीच होते हैं। ये संबंध केवल प्रेम या विद्रोह का प्रतिनिधित्व नहीं करते, बल्कि सदियों पुरानी जातिगत पदानुक्रमों को सीधी चुनौती देते हैं। ऑनर किलिंग या लिंग आधारित हिंसा देश के राजनीतिक दलों के लिए चिंता का विषय नहीं है, बल्कि नेता वोट बैंक की राजनीति के कारण आग में घी डालने का काम करते हैं। ऐसी शर्मनाक घटनाओं को रोकने के लिए राजनीति, शैक्षिक और कानून के जरिए जागरुकता लाने की जरुरत है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

मध्य एशिया में भारत की पकड़ ढीली हुई, खाली करना पड़ा ताजिकिस्तान में स्थित एयरबेस

(नीरज कुमार दुबे)

भारत अब ताजिकिस्तान के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण आयनी (अयानी) एयरबेस का संचालन नहीं करता, जिसे उसने 2002 से विकसित और संयुक्त रूप से संचालित किया था। यह जानकारी हाल ही में सार्वजनिक हुई है, किंतु सूत्रों के अनुसार भारत ने 2022 में ही इस बेस से पूरी तरह वापसी कर ली थी। हम आपको बता दें कि भारत और ताजिकिस्तान के बीच यह सहयोग एक लीज़ अनुबंध पर आधारित था, जिसकी अवधि 2021 में समाप्त हो गयी थी। ताजिकिस्तान ने संभवतः रूस और चीन के दबाव के कारण इसे आगे बढ़ाने से इंकार कर दिया था। इसके बाद भारत ने अपने सैन्य कर्मियों और उपकरणों को वहां से हटा लिया। हालाँकि वहाँ भारत की कोई स्थायी वायुसेना तैनाती नहीं थी, लेकिन दो-तीन हेलीकॉप्टर जो भारत ने ताजिकिस्तान को भेंट किए थे, वह भारतीय वायुसेना के कर्मियों द्वारा मानवतावादी और राहत अभियानों में संचालित किए जाते थे। कभी-कभी एसयू-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों की अस्थायी तैनाती भी वहां की गई थी। हम आपको बता दें कि आयनी एयरबेस (जिसे गिस्सार मिलिट्री एयरोड्रोम- त्नरूभी कहा जाता है) ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे से पश्चिम में स्थित है। इसे भारत ने लगभग दो दशक तक विकसित किया और इसके विस्तार पर लगभग 100 मिलियन डॉलर खर्च किए। यह वही ठिकाना था जहाँ से भारत ने 2001 में तालिबान के अफगानिस्तान पर कब्ज़े के बाद अपने नागरिकों की निकासी में भी सहायता ली थी। भारत ने इस बेस को अपनी सामरिक पहुँच के रूप में उपयोग किया था, विशेषकर पाकिस्तान और अफगानिस्तान की दिशा में।

पूर्व रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडीस और वर्तमान एनएसए अजीत डोभाल जैसे रणनीतिक मस्तिष्कों ने इसे भारत की 'फॉरवर्ड पॉलिसी' का हिस्सा बनाया था। इसके 3,200 मीटर लंबे रनवे ने भारतीय वायुसेना को यह क्षमता दी थी कि वह न केवल अफगानिस्तान बल्कि पाकिस्तान के उत्तरी ठिकानों (जैसे पेशावर) तक अपनी पहुंच बना सके। हम आपको बता दें कि ताजिकिस्तान की सुरक्षा और आर्थिक संरचना रूस पर काफी हद तक निर्भर है। रूस के 201वें सैन्य डिवीजन की वहाँ स्थायी तैनाती है और चीन ने भी ताजिकिस्तान में सीमा-पुलिस और खुफिया ठिकानों के माध्यम से अपनी पकड़ मजबूत की है। ऐसे में भारत का एक स्वतंत्र सैन्य ठिकाना, रूस-चीन दोनों के लिए सामरिक असुविधा बन गया था। रूस नहीं चाहता था कि भारत या कोई अन्य 'गैर-क्षेत्रीय शक्ति' मध्य एशिया में स्वतंत्र सैन्य उपस्थिति बनाए रखे। दूसरी ओर, चीन ताजिकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच के वाख़ान कॉरिडोर को अपनी पश्चिमी सुरक्षा-पट्टी के रूप में देखता है। इस क्षेत्र में भारतीय गतिविधि, उसे 'स्ट्रैटेजिक इनक्लोज़मेंट' का आभास देती थी। देखा जाये तो आयनी एयरबेस से भारत की वापसी का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि अब भारत की 'नॉर्थ-वेस्टर्न डिफेंस एक्सटेंशन' पूरी तरह समाप्त हो गई है। पाकिस्तान के साथ संभावित दो-फ्रंट स्थिति (पूर्वी और पश्चिमी मोर्चा) में भारत को जो सामरिक बढ़त मिल सकती थी, वह अब खो चुकी है। अब भारत की वायुसेना को कश्मीर और लद्दाख के बेसों से ही पश्चिमी अभियानों की योजना बनानी होगी, जबकि ताजिकिस्तान से ऑपरेशन की स्थिति में पाकिस्तान को पश्चिम से दबाव झेलना पड़ता। आयनी एयरबेस से वापसी यह भी दर्शाती है कि भारत की मध्य एशिया में भू-आर्थिक पहुँच सीमित है। चाबहार पोर्ट और इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांजिट कॉरिडोर जैसी परियोजनाओं के बावजूद भारत ताजिकिस्तान या उज्बेकिस्तान तक कोई सुरक्षित लॉजिस्टिक चैनल स्थापित नहीं कर सका। इस विफलता ने भारत को क्षेत्रीय गठबंधनों (एससीओ,ईएईयू) में एक सीमित भागीदार बना दिया है, जबकि चीन अपने बेल्ट एण्ड रोड एनीटीव्य के ज़रिए वहाँ स्थायी प्रभाव बना रहा है। इंटेलिजेंस साझेदारी और काउंटर-टेररिज्म सहयोग के नए प्रारूप भारत को पुनः प्रभावी भूमिका दे सकते हैं। साथ ही, ईरान के माध्यम से वैकल्पिक पहुँच मार्ग (जैसे चाबहार से मध्य एशिया तक कॉरिडोर) को त्वरित गति देनी होगी। बहरहाल, आयनी एयरबेस का खोना भारत की सामरिक सीमाओं की याद दिलाता है कि केवल निवेश और तकनीक से भू-राजनीति नहीं चलती; इसके लिए स्थायी गठबंधन, राजनीतिक प्रभाव और लॉजिस्टिक क्षमता आवश्यक है। भारत यदि मध्य एशिया में अपनी जगह पुनः बनाना चाहता है, तो उसे केवल सैन्य दृष्टिकोण नहीं, बल्कि आर्थिक, सांस्कृतिक और कूटनीतिक त्रिकोणीय रणनीति अपनानी होगी। आयनी से वापसी एक अध्याय का अंत है, पर यह भारत की 'उत्तर दिशा' की कहानी का अंतिम पृष्ठ नहीं है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सोने-चांदी की अब अलग-अलग चाल

पिछले साल दीवाली के दिन दस ग्राम सोना 81,280 रुपये का मिल रहा था। और इस बार धनतेरस से पहले ही उसका दाम था 1,33,775 रुपये, यानी साल भर में करीब 65 प्रतिशत का उछाल। चांदी की रफ्तार तो इससे भी जबर्दस्त रही। पिछले साल दीवाली पर 99,000 रुपये किलो से इस साल सीधे दो लाख रुपये के पार। सौ फीसदी का उछाल! हालत यह थी कि धनतेरस के दिन सर्राफा कारोबारियों के पास बेचने के लिए चांदी नहीं थी और ग्राहकों को निराश लौटना पड़ा। यह सामान्य स्थिति नहीं है। बरसों से दस ग्राम सोने और एक किलो चांदी की कीमत करीब-करीब बराबर चलती आ रही है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में चांदी का बाजार तेज होता जा रहा है। इस बार तो हद ही हो गई। हालात की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाना चाहिए कि देश की कई बड़ी म्यूचुअल फंड कंपनियों ने अपनी उन स्कीमों में नया पैसा लेना बंद कर दिया था, जो चांदी में पैसे लगाती थीं। वजह यही कि बाजार में खरीदने के लिए चांदी की किल्लत दिख रही थी।

(आलोक जोशी)

इसी डर का असर था कि हाजिर बाजार में चांदी का भाव चांदी के वायदा सौदों के मुकाबले करीब तेरह हजार रुपये ऊपर पहुंच गया था। बाजार के जानकार इसे शुभ संकेत नहीं मानते। उनकी नजर में इसका यह अर्थ था कि बाजार में भरोसा कम हो रहा है, यानी व्यापारियों को यह यकीन नहीं है कि अगर आज वे वायदा बाजार में एक महीने बाद का सौदा करते हैं, तो उन्हें उस वक्त उतनी चांदी वास्तव में मिलेगी। इसे डिफॉल्ट का डर कहते हैं, यानी सौदा करने वाला वक्त आने पर मुकर सकता है।

त्योहार तो तेजी में निकल गया। मगर उसके बाद से शादी-ब्याह के लिए सोना-चांदी खरीदने वालों के लिए राहत की खबर है। जोरदार तेजी के बाद से सोने और चांदी में तेज गिरावट देखने को मिल रही है। 18 अक्तूबर से 27 अक्तूबर के बीच 100 ग्राम सोना करीब 68 हजार रुपये और एक किलो चांदी करीब अठारह हजार रुपये सस्ती हो चुकी है। खासकर उन परिवारों के लिए यह राहत की खबर है, जहां कोई विवाह होने वाला है और जो सोने-चांदी के दाम देखकर घबराए हुए थे। यह छोटी फिक्र नहीं है। हमारे देश में सोने का सबसे बड़ा बाजार यही है। भारतीय महिलाओं के पास दुनिया का सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार है। दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों के बाद शायद इन्हीं का नंबर आता है। हालांकि, इसका सही-सही हिसाब लगाना मुश्किल है, लेकिन 'वर्ल्ड गोल्ड कौंसिल' के अनुसार, भारतीय महिलाओं के पास कुल मिलाकर करीब 24,000 टन सोना है। यह दुनिया के कुल स्वर्ण भंडार का 11 प्रतिशत हिस्सा है। इसके मुकाबले भारत के मंदिरों के पास कुल मिलाकर करीब 4,000 टन सोना है और भारत सरकार का स्वर्ण भंडार या गोल्ड रिजर्व 800 टन के आसपास है। दुनिया में सबसे ज्यादा गोल्ड रिजर्व रखने वाले अमेरिका के इस भंडार में भी नौ हजार टन से कुछ कम ही सोना है।

बहरहाल, इस वक्त दुनिया भर के सर्राफा बाजार में सबसे बड़ा सवाल है कि जबर्दस्त तेजी के बाद अब क्या भाव और टूटने वाले हैं या फिर सोने-चांदी में मंदी का दौर शुरू हो रहा है? अभी तक सोने और चांदी का भाव साथ-साथ देखा जाता है या उनका

नाम भी साथ-साथ लिया जाता है। लेकिन यहां सोने और चांदी की कहानी अब अलग रास्ता पकड़ चुकी है।

जहां सोना संकट काल में सबसे बड़ा सहारा माना जाता है, वहीं चांदी के साथ ऐसा नहीं है। सोने की सबसे बड़ी खासियत यही है कि यह आग, पानी, तूफान, भूकंप किसी भी स्थिति में नष्ट नहीं होता। न इसमें कीड़े लगते हैं और न ही इसे जंग खाता है। आग भी लग जाए, तो गला हुआ सोना राख में से डलों के रूप में वापस हासिल किया जा सकता है। मगर चांदी पर कुछ रसायनों का असर होता है और हवा या नमी से भी इसके खराब होने या नष्ट होने का डर रहता है। लेकिन लंबे समय से चांदी का औद्योगिक इस्तेमाल होता रहा है और इन दिनों तो काफी बढ़ गया है। कंप्यूटर, टीवी और मोबाइल फोन में तो यह इस्तेमाल होती ही है, खासकर सौर ऊर्जा के सेलों में और आरएफआईडी चिप्स में इसकी मांग काफी बढ़ गई है। यही उसके दाम बढ़ने की बड़ी वजह भी है।

उधर सोने के दाम में पिछले दिनों आई तेजी की एक बड़ी वजह ट्रंप के टैरिफ, उनकी आर्थिक नीतियां और उन पर दुनिया में बढ़ता अविश्वास बताया जा रहा है। दुनिया के अनेक देश अब डॉलर का दामन छोड़कर किसी दूसरी मुद्रा या मुद्राओं के भरोसे रहना चाहते हैं। ऐसे में, सोना उनके लिए बड़ा सहारा दिख रहा है।

लेकिन इस वक्त दूसरी बात भी उतनी ही तेजी से हो रही है। भारत के दिग्गज निवेशकों में से एक रमेश दमानी मानते हैं कि लंबी अवधि में देखें, तो सोना सालाना औसतन तीन प्रतिशत का रिटर्न देता है। एक साल में साठ प्रतिशत से ज्यादा उछाल के बाद यह बात अटपटी लगती है। फिर पुराना रिकॉर्ड देखें, तो सोना बढ़ता ही नहीं, गिरता भी रहा है। निवेश की दुनिया के महारथी रुचिर शर्मा भी चेतावनी दे चुके हैं कि पिछले दिनों सोने में जो तेजी आई, उसकी कोई बुनियादी वजह नहीं है। उनका कहना है कि दुनिया भर में इतना पैसा घूम रहा है कि वह सभी चीजों के दाम बढ़ा रहा है, जिनमें सोना भी शामिल है। उनकी चेतावनी है कि अगर अमेरिका में महंगाई और ब्याज दरों का दबाव बना और वहां का केंद्रीय बैंक बाजार से नकदी खींचने पर मजबूर हुआ, तो फिर सोने में तेज गिरावट आ सकती है। हालांकि, ऐसा कब होगा, यह कहना उनके लिए भी मुमकिन नहीं है।

पारंपरिक रूप से सोने और शेयर बाजार के बीच में छत्तीस का आंकड़ा रहा है। जब शेयर बाजार चलते थे, तो सोना गिरता था और जब शेयर बाजार कमजोर पड़ते, तो सोना दम दिखाता था। कारण साफ है। जब अनिश्चितता बढ़ने लगे, देश या दुनिया में संघर्ष बढ़े, तो शेयर बाजार से पैसा निकलकर सोने की तरफ जाता है, और जब सब कुछ ठीक हो और भविष्य अच्छा दिखता हो, तो लोग सोने से निकलकर जोखिम उठाने की मुद्रा में आ जाते हैं।

लेकिन पिछले कई वर्षों से यह समीकरण उल्टा हुआ है। अब जानकारों के मन में यही सवाल है कि यह उलटबांसी कब तक चल सकती है? और, इसी के साथ जुड़ा सवाल है कि क्या सोना तेज गिरावट दिखाने वाला है या फिर शेयर बाजार? लेकिन इस सवाल से जूझना लंबे समय का काम है। फिलहाल तो जिन्हें सोना खरीदना है, उनके लिए शुभ दिन साफ दिख रहे हैं। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)(ये लेखक के अपने विचार हैं)

बॉलीवुड का भूत है नेपोटिज्म

फिल्म एक दीवाने की दीवानियत में हर्षवर्धन राणे एक जुनूनी प्रेमी बने हैं। सोनम का रोल भी एकदम हटकर है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शानदार कलेक्शन कर रही है। फिल्म और अपने किरदार को लेकर सोनम और हर्षवर्धन ने कई दिलचस्प बातें साझा कीं।

आप इतना सीरियस क्यों दिखते हैं? आपके बारे में कहा जाता है कि हर्षवर्धन सेट पर बहुत सीरियस रहते हैं। जल्दी से घुलते-मिलते नहीं। क्या वाकई ऐसा है?

हां शायद मुझे बचपन से घुलने-मिलने वाली लाइफ मिली नहीं। मैंने कभी खोजी नहीं। एक पार्ट मिस तो हुआ है, जहां अपने आप को छोड़ देते हो किसी के सामने। शिकायत कर देते हो। काफी वक्त मैंने खुद से ही एक्सप्रेस किया। खुद से ही बताया। खुद ही समझा। कई वर्षों तक मेरी खुद से ही बातचीत हुई, शायद इस वजह से ऐसा है।

आप बहुत कम नजर आते हैं फिल्मों में। इसकी क्या वजह है? हर्षवर्धन को दर्शक बहुत कम क्यों देखते हैं?

जवाब उन लोगों के पास ही है कि इस साल से पहले उन्होंने टिकट नहीं खरीदे थे। इस साल उन्होंने टिकट खरीद लिए। टिकट बिकती हैं, तो चीजें खुलती हैं।

आउटसाइडर होने के नाते कैसा लगता है बॉलीवुड में काम करना?

मैं यह शब्द खत्म कर देना चाहता हूं। आउटसाइडर और नेपोटिज्म। मुझे लगता है कि यह बहानेबाजी है। काम न करने की, आलस की। यह प्यारी सी इंडस्ट्री है, इसका भूत है नेपोटिज्म, जो बना दिया गया। मैं चाहता हूं कि लोग इस जंगल में आएं, एंजॉय करें। मैं खुद पर्सनल लाइफ में जंगल का बहुत बड़ा दीवाना हूं। मैं चाहता हूं कि लोग इस इंडस्ट्री में आएं बाहर से। उनके अंदर से डर निकल जाए।

बॉलीवुड डेब्यू के लिए सोनम बाजवा को बेलने पड़े खूब पापड़

अभिनेत्री सोनम बाजवा पंजाबी इंडस्ट्री का बड़ा नाम हैं। इन दिनों उन्हें फिल्म एक दीवाने की दीवानियत में देखा जा रहा है। पंजाबी इंडस्ट्री में अच्छा-खासा काम कर चुकीं सोनम को बॉलीवुड में आने के लिए काफी लंबा इंतजार करना पड़ा। इस बारे में बात कर उनका दर्द छलक आया। एक्ट्रेस ने कहा कि बॉलीवुड के लोगों को उनके पंजाबी इंडस्ट्री में किए गए काम की मानो खबर ही नहीं थी।

हिंदी इंडस्ट्री को सोनम के काम की खबर ही नहीं!

अभिनेत्री सोनम बाजवा ने बॉलीवुड में टाइपकास्टिंग का सामना करने के बारे में बात की। उन्होंने दावा किया कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को पंजाब फिल्म इंडस्ट्री में उनके काम के बारे में पता नहीं था। बॉलीवुड के लोगों को वे सिर्फ सिनेमा के लिए एक ग्लैमरस फेस लगीं। न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए एक इंटरव्यू में सोनम ने बताया कि पंजाबी सिनेमा में अलग-अलग तरह की फिल्में करने के बावजूद हिंदी फिल्ममेकर्स को उन्हें उनकी ग्लैमरस इमेज से हटकर देखना मुश्किल लगता था। इसके चलते सोनम को बॉलीवुड डेब्यू से पहले लंबा इंतजार करना पड़ा।

लोगों ने मेरा पंजाबी काम सच में देखा ही नहीं

सोनम बाजवा ने कहा, मैंने इतने वर्षों तक इंतजार किया, ताकि मुझे एक ऐसी हिंदी फिल्म मिले, जिसमें मेरे पास कुछ करने को हो। एक एक्टर के तौर पर भी, न कि सिर्फ इसलिए कि मैं अच्छी दिखती हूं या ग्लैमरस हूं। जब भी मेरे पास ऑफर आते थे, तो हमेशा ऐसा लगता था कि हिंदी सिनेमा में लोगों ने मेरा पंजाबी काम सच में देखा ही नहीं है। इसलिए, उनके लिए मुझे एक नॉन-ग्लैमरस रोल में सोचना भी मुश्किल था। सोनम बाजवा ने बॉलीवुड फिल्ममेकर्स के बीच लगातार हो रही टाइपकास्टिंग पर नाराजगी जताई, जिससे हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में उन्हें परफॉर्मेंस वाले रोल मिलने के मौके कम हो गए हैं।

इन फिल्मों में किया है काम

बता दें कि सोनम बाजवा पंजाबी इंडस्ट्री की सफल एक्ट्रेसेस में से एक हैं। वह पंजाब 1984, सरदार जी 2, निक्का जैलदार, मंजे बिस्तरे, निक्का जैलदार 2, कैरी ऑन जट्टा 2, गुड्डियां पटोले, अरदब मुटियारन, हौसला रख और दूसरी फिल्मों के लिए जानी जाती हैं। बॉलीवुड में वे हाउसफुल 5 और बागी 4 में भी काम कर चुकी हैं।

हिंदी सिनेमा में आने में लग गए वर्षों

सोनम बाजवा ने कहा, वे कहते थे कि हमें नहीं पता कि सोनम ऐसे परफॉर्मेंस वाले रोल कर पाएगी या नहीं क्योंकि हमने उसे ज्यादा काम करते हुए नहीं देखा है। मैं हमेशा ऑडिशन के लिए तैयार रहती थी, लेकिन कभी-कभी तो वे ऑडिशन लेने से भी मना कर देते थे, क्योंकि उन्हें अपने मन में पूरा यकीन था कि मैं ऐसे रोल नहीं कर पाऊंगी। सोनम ने आगे कहा, मुझे नहीं पता कि मैंने अपने सोशल मीडिया या पब्लिक अपीयरेंस से लोगों को क्या दिखाया है, लेकिन उन्होंने यही सोचा। मुझे एक ऐसा रोल पाने में वर्षों लग गए, जिसमें मैं सच में एक एक्टर के तौर पर परफॉर्म कर सकूं।

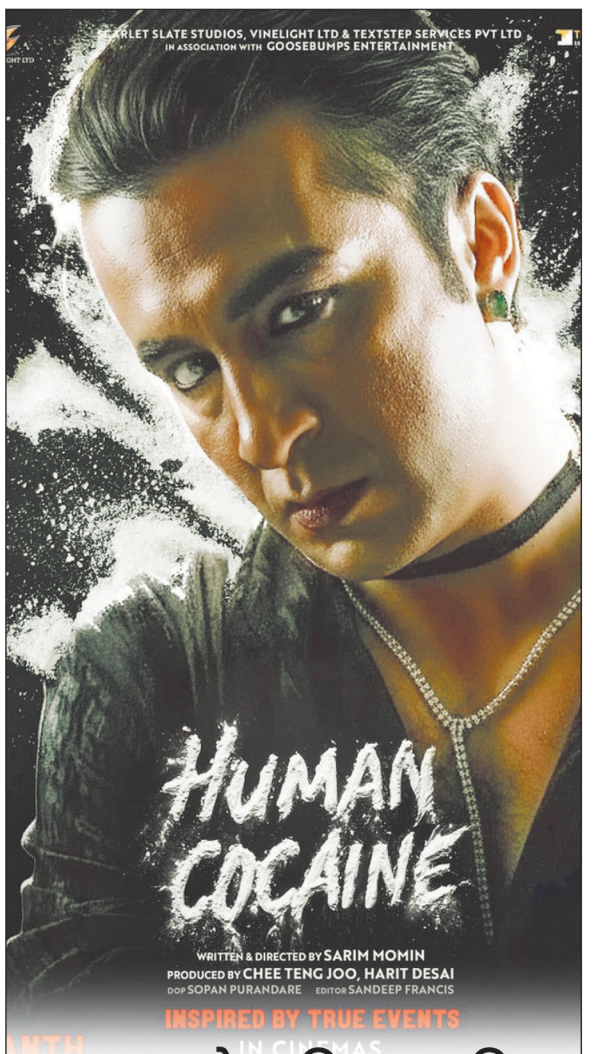

12 साल के एक्टिंग करियर में सिर्फ एक हिट फिल्म, अब ऐसे किरदार में दिखेंगे श्रद्धा कपूर के भाई सिद्धांत

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर जहां इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस में शुमार हैं। मैडॉक की स्त्री और स्त्री 2 जैसी फिल्मों ने उनके करियर को बुलंदी पर पहुंचाया है। वहीं, तुलनात्मक रूप से उनके भाई सिद्धांत कपूर का करियर काफी पीछे है। यूं तो इंडस्ट्री में उन्हें 12 साल गुजर गए, मगर पूरे करियर में वे सिर्फ एक हिट फिल्म का हिस्सा बन पाए हैं। इन दिनों सिद्धांत अपनी आगामी फिल्म को लेकर एक बार फिर चर्चा में हैं।

इस फिल्म में नजर आएंगे सिद्धांत

सिद्धांत कपूर की आगामी फिल्म का नाम है, ह्यूमन कोकेन। यह साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म है। सिद्धांत के अलावा फिल्म में इशिता राज, जाकिर हुसैन, पुष्कर जोग और ब्रिटिश एक्टर्स नजर आएंगे। ट्रेड विश्लेषक तरण आदर्श ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें स्टारकास्ट के लुक शेयर किए हैं। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट बताई है। ह्यूमन कोकेन 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सच्ची घटना पर आधारित इस फिल्म में सिद्धांत कपूर का लुक देखने लायक है। सिद्धांत कपूर बॉलीवुड फिल्मों में खूंखार विलेन का किरदार अदा करने वाले शक्ति कपूर और शिवांगी कोल्हापुरी के बेटे हैं। श्रद्धा कपूर उनकी बहन हैं। सिद्धांत कई फिल्मों में नजर आ चुके हैं। हालांकि, उन्होंने इंडस्ट्री में करियर की शुरुआत असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर की थी। सिद्धांत कपूर ने फिल्मों में करियर की शुरुआत असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर की थी। उन्होंने ली स्ट्रेसबर्ग थिएटर एन्ड फिल्म इंस्टीट्यूट से फिल्ममेकिंग और एक्टिंग का कोर्स किया। इसके बाद एक डिस्क जॉकी के रूप में शुरुआत की। सिद्धांत ने करीब दो साल तक प्रियदर्शन के साथ कई फिल्मों में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया। इनमें चुप चुपके, भूल भुलैया, भागम भाग, और ढोल जैसी फिल्में शामिल हैं।

2013 में शुरू किया अभिनय

सिद्धांत कपूर के अभिनय करियर की बात करें तो उन्होंने साल 2013 में पहली बार फिल्म शूटआउट एट वडाला में अभिनय किया। इसमें जॉन अब्राहम लीड रोल में थे। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औसत रही थी। इसके बाद सिद्धांत ने अगली में असिस्ट भी किया और एक छोटे से रोल में भी नजर आए। सिद्धांत जज्बा, हसीना पारकर, पलटन, हेलो चार्ली भूत-पार्ट 1 और चेहरे शामिल हैं। सिद्धांत वेब सीरीज भौकाल में भी नजर आ चुके हैं। उनका किरदार नेगेटिव था। इस साल सिद्धांत को नेटफ्लिक्स की सीरीज मंडला मर्डर्स में देखा गया था। इसके अलावा बहुत ही कम लोग जानते होंगे कि सिद्धांत ने 1997 में आई सलमान खान की फिल्म जुड़वां में भी अभिनय किया था। वह रंगीला के रूप में नजर आए थे।

18 साल बाद सलमान के साथ काम कर सकते हैं गोविंदा!

बॉलीवुड के 'पार्टनर' यानी सलमान खान और गोविंदा की जोड़ी अब एक बार फिर बड़े पर्दे पर नजर आ सकती है। सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' को लेकर चर्चाओं में हैं। अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि इस फिल्म में सलमान खान के साथ गोविंदा भी नजर आएंगे। यानी लगभग 18 साल बाद दोनों अभिनेता एक साथ एक फिल्म में नजर आएंगे।

सलमान ने खुद दी हिंट

बिग बॉस 19 के हालिया एपिसोड में गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा शो में बतौर मेहमान शामिल हुईं। सलमान और सुनीता ने गोविंदा के साथ उनके फिर से साथ आने पर चर्चा की, जो अब फैंस के बीच वायरल है। दरअसल, सलमान ने इस दौरान ये कहा कि अब वो और गोविंदा एक साथ काम कर रहे हैं। हालांकि, सलमान ने इस प्रोजेक्ट के नाम का खुलासा नहीं किया, लेकिन ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि गोविंदा वॉर ड्रामा 'बैटल ऑफ गलवां' में सलमान के साथ अभिनय करेंगे।

यह होगी फिल्म की कहानी

इन चर्चाओं के बीच कई मीडिया रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया गया कि गोविंदा ने 'बैटल ऑफ गलवां' की शूटिंग भी शुरू कर दी है। 'बैटल ऑफ गलवां' अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित है। यह फिल्म भारत और चीन के बीच 2020 के गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित है, जो समुद्र तल से 15,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर बिना एक भी गोली चलाए लड़ा गया था। सलमान के अलावा फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी।

पुरानी है सलमान और गोविंदा की दोस्ती

सलमान और गोविंदा दशकों से दोस्त हैं, उनकी लंबे समय से चली आ रही दोस्ती 2000 के दशक की शुरुआत में शुरू हुई थी। गोविंदा अक्सर सलमान को अपने करियर को खराब दौर में फिर से पटरी पर लाने का श्रेय देते हैं। सलमान और गोविंदा आखिरी बार 'पार्टनर' फिल्म में नजर आए थे। दोनों इसके अलावा 'सलाम-ए-इश्क' में भी साथ में काम कर चुके हैं।

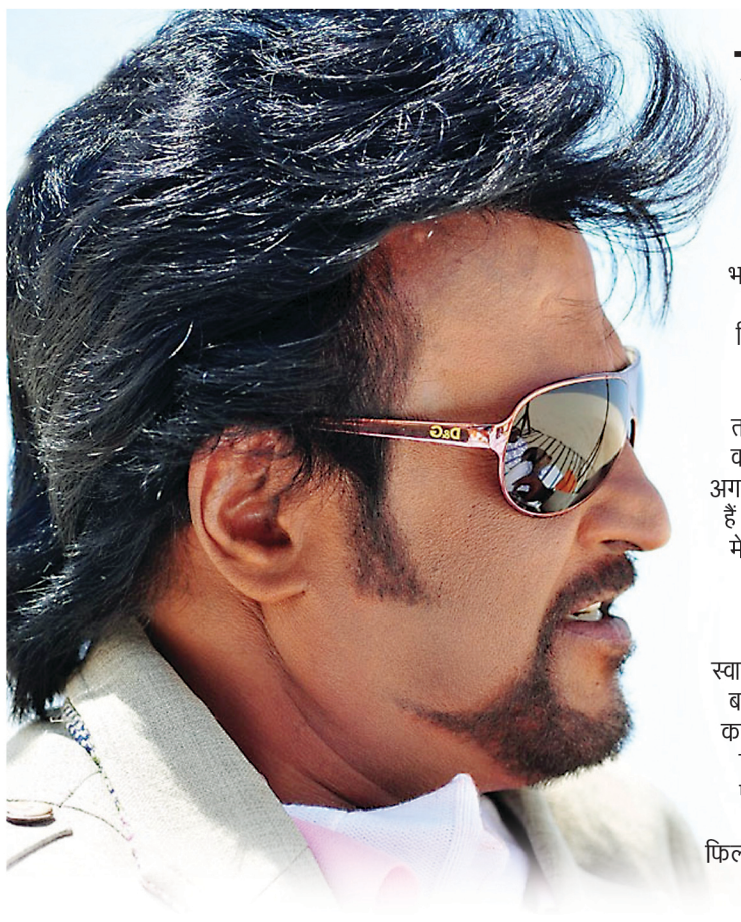

रजनीकांत सिनेमा से लेंगे संन्यास? जेलर 2 समेत 4 और फिल्में, कमल हासन संग काम के बाद होंगे रिटायर

भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार रजनीकांत एक ओर जहां 75 साल की उम्र में भी लगातार फिल्मों की शूटिंग में बिजी हैं, वहीं बढ़ती उम्र और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के बीच उनके रिटायरमेंट की चर्चा शुरू हो गई है। जी हां, तमिल मीडिया में यह चौंकाने और दिल तोड़ने वाली खबरें सुर्खियां बटोर रही हैं कि थलाइवा अगले कुछ साल में फिल्मों से रिटायर हो सकते हैं। रजनीकांत फिलहाल नेल्सन के डायरेक्शन में बन रही जेलर 2 की शूटिंग कर रहे हैं, जो अगले साल रिलीज होगी। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि रजनीकांत बढ़ती उम्र के साथ आने वाली स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं से घिरे हुए हैं। हालांकि, बावजूद इसके वह लगातार अपनी फिल्मों के कारण यात्रा भी कर रहे हैं। फिलहाल उनकी झोली में 4 अपकमिंग फिल्में हैं, जिनमें से एक फिल्म दिग्गज एक्टर कमल हासन के साथ है। बताया जाता है इस मल्टीस्टारर फिल्म के बाद रजनी सर सिनेमा से संन्यास लेने की योजना बना रहे हैं।

कमल हासन के साथ 2027 में शुरू करेंगे शूटिंग!

बीते दिनों, कमल हासन और रजनीकांत दोनों ने इस बड़े प्रोजेक्ट की पुष्टि खुद की थी। हालांकि, अभी यह तय नहीं हुआ है कि इस फिल्म को कौन डायरेक्ट करेगा। खबरों में नेल्सन दिलीपकुमार का भी नाम है। कहा जा रहा है कि नेल्सन 2027 में इस फिल्म को फ्लोर पर लाने की योजना बना रहे हैं। लेकिन उससे पहले स्क्रिप्ट फाइनल किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट का निर्माण कमल हासन की राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल द्वारा किया जाएगा। वलाईपेचु की रिपोर्ट के मुताबिक, यह थलाइवा रजनीकांत की आखिरी फिल्म होगी।

रजनीकांत और कमल हासन करीब 4 दशक बाद साथ करेंगे काम

रजनीकांत और कमल हासन ने 1970 और 1980 के दशक में कई फिल्मों में साथ काम किया है, जिनमें अपूर्व रागंगल (1975) और

16 वैयाथिनिले (1977) जैसी सुपरहिट फिल्में शामिल हैं। पिछली बार वह करीब 4 दशक पहले पर्दे पर साथ दिखे थे। भारत सरकार ने रजनीकांत को भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए 2000 में पद्म भूषण और 2016 में पद्म विभूषण, और 2019 में दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्?मानित किया है। उन्हें एक राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, सात तमिलनाडु राज्य फिल्म पुरस्कार, एक नंदी पुरस्कार, एक फिल्मफेयर पुरस्कार और दो महाराष्ट्र राज्य फिल्म पुरस्कार मिल चुके हैं। रजनीकांत का असली नाम शिवाजी राव गायकवाड है। उन्होंने 1975 में अपूर्वा रागंगल फिल्म से डेब्यू किया था। कुली उनके करियर की 171वीं फिल्म थी।

रजनीकांत की झोली में कम से कम 4 फिल्में

बीते दिनों आई कुली के बाद रजनीकांत इन दिनों जहां जेलर 2 में बिजी हैं, वहीं इसके बाद वह RKFI के साथ एक और फिल्म करेंगे, जिसका निर्देशन सुंदर सी कर रहे हैं। इसकी घोषणा कुछ हफ़्तों में होने की उम्मीद है। इसके अलावा वह निर्माता साजिद नाडियाडवाला के साथ भी एक फिल्म कर रहे हैं, जिसकी टाइमलाइन अभी नहीं आई है। फिलहाल, रजनीकांत के पास कम से कम 4 फिल्में पाइपलाइन में हैं।

चीन बनाना चाहता है भारत के साथ जोड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन ने भारत के साथ औद्योगिक सहयोग बढ़ाने की अपील की है। यह तब है जब पश्चिमी देश चीन पर दबाव बना रहे हैं। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स का कहना है कि भारत की आत्मनिर्भरता की कोशिशें चीन के लिए खतरा नहीं, बल्कि आपसी फायदे का मौका हैं। पश्चिमी मीडिया भारत की मैन्युफैक्चरिंग (सामान बनाने) की महत्वाकांक्षाओं को चीन के लिए चुनौती के तौर पर पेश कर रहा है। लेकिन, ग्लोबल टाइम्स का मानना है कि भारत और चीन की ताकतें एक-दूसरे की पूरक हैं, विरोधी नहीं। यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब पश्चिमी देश चीन से सप्लाई चेन को हटाकर भारत को नए मैन्युफैक्चरिंग हब के तौर पर देख रहे हैं। ग्लोबल टाइम्स ने हाल ही में सीएनबीसी की एक रिपोर्ट का जिक्र किया। इस रिपोर्ट में बताया गया था कि भारत ने इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट (पुर्जे) बनाने के लिए 2.7 अरब डॉलर के एक प्रोग्राम के तहत 62.6 करोड़ डॉलर की सात नई परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं का मकसद स्मार्टफोन और मेडिकल डिवाइस के लिए कैमरा मॉड्यूल, मल्टी-लेयर्ड प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (पीसीबी) और हाई-डेंसिटी पीसीबी बनाना है। इससे भारत की आयात पर निर्भरता कम होगी, खासकर चीन से। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव के मुताबिक, ये नई सुविधाएं भारत की घरेलू पीसीबी मांग का 20 प्रतिशत और कैमरा मॉड्यूल सब-असेंबली की 15 प्रतिशत जरूरतें पूरी कर सकती हैं। इनमें से लगभग 60 प्रतिशत उत्पादन निर्यात के लिए होगा। ग्लोबल टाइम्स का तर्क है कि इन विकासों को जीरो-सम (एक का फायदा, दूसरे का नुकसान) के नजरिए से देखना बड़ी तस्वीर को नजरअंदाज करना है। अखबार ने कहा, औद्योगिक उन्नति हमेशा अलगाव के बजाय सहयोग और विशेषज्ञता से प्रेरित रही है। इसने इस बात पर जोर दिया कि भारत का मैन्युफैक्चरिंग को बेहतर बनाना अलगाव पैदा करने के बजाय अंतरराष्ट्रीय सहयोग की मांग को बढ़ाता है। ग्लोबल टाइम्स ने बताया कि चीन के पास व्यापक सप्लाई चेन इकोसिस्टम (सामान की सप्लाई का पूरा तंत्र) और उन्नत मैन्युफैक्चरिंग तकनीक है। वहीं, भारत के पास एक बड़ा उपभोक्ता बाजार और कुशल श्रमिक आधार है। ये ताकतें स्वाभाविक रूप से पूरकता के लिए जगह बनाती हैं। अखबार ने सुझाव दिया कि चीनी और भारतीय कंपनियों के बीच गहरे जुड़ाव से भारत के मैन्युफैक्चरिंग लक्ष्यों को तेजी से हासिल किया जा सकता है।

अपने विदेशी मुद्रा भंडार में भारी कमी, सोने का भंडार भी घट गया!

मुंबई, एजेंसी। अपने विदेशी मुद्रा भंडार में भारी कमी हुई है। बीते सप्ताह इसमें 6.93 बिलियन की कमी हुई है। इसी सप्ताह अपने सोने के भंडार में भी 3.01 बिलियन की कमी हुई है। आलोच्य सप्ताह के दौरान अपने फॉरेन करेंसी एसेट में भी 3.86 बिलियन की कमी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले भारत के विदेशी मुद्रा भंडार मं 4.49 बिलियन की बढ़ोतरी हुई थी। भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 24 अक्टूबर 2025 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 6.93 बिलियन की भारी कमी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 4.496 बिलियन की बढ़ोतरी हुई थी। अब अपना भंडार घट कर 696.73 बिलियन तक गिर गया है। गौरतलब है कि इससे पहले 27 सितंबर 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपना विदेशी मुद्रा भंडार 704.885 बिलियन के रिकार्ड उच्चतम स्तर पर था। रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियों में कमी हुई है।

मंदी की मार झेल रहा चीन का इंजन

● मकानों की बिक्री 42 प्रतिशत तक गिरी ● सरकारी मदद की बढ़ी मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। कभी चीन की अर्थव्यवस्था का इंजन कहे जाने वाला प्रॉपर्टी सेक्टर इन दिनों मंदी की मार झेल रहा है। चीन में घरों की बिक्री में भारी गिरावट आई है। पिछले साल की तुलना में अक्टूबर में मकानों की बिक्री 42 प्रतिशत तक गिर गई। यह गिरावट तब आई है जब सरकार ने प्रॉपर्टी मार्केट को सहारा देने के लिए कुछ कदम उठाए थे। यानी सरकारी मदद भी प्रॉपर्टी मार्केट को सहारा नहीं दे पाई और फेल हो गई।

चीन रियल एस्टेट इंफॉर्मेशन कॉर्पोरेशन के आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर में 100 बड़ी प्रॉपर्टी कंपनियों की नए मकानों की बिक्री 35.6 अरब डॉलर रही।

नौकरी न होने से पड़ा असर

ब्लूमबर्ग के मुताबिक चीन का प्रॉपर्टी मार्केट चार साल से भी ज्यादा समय से मुश्किलों का सामना कर रहा है। दूसरी तिमाही से बिक्री लगातार गिर रही है। बड़े शहरों में घर खरीदने के नियमों में थोड़ी ढील दी गई थी, लेकिन इससे लोगों का भरोसा तुरंत नहीं बढ़ा। इसकी एक वजह यह भी है कि चीन में नौकरी का बाजार भी कमजोर हो रहा है, जिससे लोग मकान खरीदने से कतरा रहे हैं। यह पिछले साल के मुकाबले 41.9 प्रतिशत कम है। पिछले महीने बिक्री में थोड़ी स्थिरता आई थी, लेकिन अब यह फिर से गिर गई है। प्रॉपर्टी मार्केट में गिरावट के कारण ज्यादा सरकारी मदद की मांग बढ़ रही है।

डेवलपर्स को कर्ज चुकाने में मुश्किल

सितंबर और अक्टूबर आमतौर पर प्रॉपर्टी खरीदने के लिए सबसे अच्छे महीने होते हैं। लेकिन साल 2021 में शुरू हुई यह मंदी अभी भी जारी है। कई प्रॉपर्टी डेवलपर्स को अपना कर्ज चुकाने या पहले से बेचे गए मकानों को पूरा करने में मुश्किल हो रही है। ब्याज दरें कम करने, मकान खरीदने के नियमों को आसान बनाने और शहरी गांवों के पुनर्विकास जैसी कई कोशिशें की।

रूस पर प्रतिबंधों के बाद नायरा एनर्जी ने बढ़ाया तेल उत्पादन, भारत में 93 प्रतिशत तक बढ़ाई रिफाइनरी क्षमता

नई दिल्ली, एजेंसी। मास्को पर प्रतिबंध के बाद रूस समर्थित भारतीय रिफाइनर नायरा एनर्जी ने अपनी वाडिनार रिफाइनरी में कच्चे तेल के प्रसंस्करण को क्षमता के 90 से 93 फीसदी तक बढ़ा दिया है। इस साल की शुरुआत में यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के बाद परिचालन में कटौती के बाद यह फैसला किया गया है। जुलाई में यूरोपीय संघ के लगे प्रतिबंध के बाद नायरा के भारत में 4 लाख बैरल प्रतिदिन क्षमता वाले संयंत्र में तेल प्रसंस्करण घटकर 70 से 80 फीसदी तक रह गया था। सूत्रों के मुताबिक, तेल प्रसंस्करण घटने से नायरा के तेल निर्यात पर असर पड़ा। साथ ही, इराक और सऊदी अरब जैसे प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं ने कंपनी को कच्चे तेल की बिक्री रोक दी। प्रतिबंधों से पहले नायरा की रिफाइनरी अपनी क्षमता के 104 फीसदी पर चल रही थी। नायरा में रूसी संस्थाओं के पास सर्वाधिक हिस्सेदारी है। इनमें रोसनेफ्ट भी शामिल है, जिसके पास 49.13 फीसदी हिस्सा है। अमेरिका ने रोसनेफ्ट पर भी प्रतिबंध लगाया है। नायरा के कच्चे तेल उत्पादन में हाल ही में तेजी आई है।

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बावजूद भारत के पास बहुत अवसर

भारत को एफटीए वार्ता तेज करने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के अध्यक्ष एस महेंद्र देव ने निर्यात में विविधता लाने पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि भारत को मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत तेज करनी चाहिए और अमेरिका के साथ प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को अंतिम रूप देने के लिए वाशिंगटन के साथ बातचीत जारी रखनी चाहिए।

प्रथम आईएसआईडीज्ञ40 विशिष्ट व्यक्ति व्याख्यान को संबोधित करते हुए देव ने कहा कि सुरक्षा नीतियों और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में कमी के बावजूद, भारत के लिए विश्व वस्तु व्यापार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए बहुत सारे अवसर हैं।

उन्होंने कहा कि जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, विनिर्माण के लिए भारत की व्यापार नीति एशिया, लैटिन अमेरिका, अफ्रीका, कुछ विकसित देशों में निर्यात में विविधता लाने, एफटीए को तेज करने और अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखने की होनी चाहिए।

अर्थशास्त्री की टिप्पणी है इस समय अहम

अर्थशास्त्री ने कहा कि नियम-आधारित विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) सदैव संरक्षणवाद से बेहतर है। उनकी यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है

सुरक्षा नीतियों और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में कमी के बावजूद, भारत के लिए विश्व वस्तु व्यापार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए बहुत सारे अवसर हैं

क्योंकि अमेरिका भारत पर रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद करने का दबाव बना रहा है। अमेरिका ने 22 अक्तूबर को रूस की दो सबसे बड़ी कच्चा तेल उत्पादक कंपनियों, रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगा दिए थे और सभी अमेरिकी संस्थाओं और व्यक्तियों के उनके साथ व्यापार करने पर रोक लगा दी थी। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने पर भारत पर 25 प्रतिशत का जुर्माना लगाया है। यह अमेरिकी बाजारों में प्रवेश करने वाले भारतीय सामानों पर 25 प्रतिशत के पारस्परिक शुल्क के अतिरिक्त है। कुल मिलाकर, भारतीय सामानों पर अमेरिका में 50 प्रतिशत का अतिरिक्त आयात शुल्क लग रहा है।

2043 तक जीडीपी में भारत की 25 प्रतिशत हिस्सेदारी का अनुमान

उन्होंने कहा कि 1700 ई. में विश्व सकल घरेलू उत्पाद में भारत की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत थी। कुछ अनुमानों से पता चलता है कि 2043 तक विश्व सकल घरेलू उत्पाद में भारत की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत हो जाने की संभावना है। देव ने कहा कि सुधारों के बाद के पिछले तीन दशकों में भारत की औसत वृद्धि दर 6 से 6.5 प्रतिशत प्रति वर्ष रही है।

मध्यम स्तर की विनिर्माण इकाइयों पर जोर

उन्होंने यह भी बताया कि भारत के आकार का कोई भी उभरता हुआ बाजार मजबूत निर्यात वृद्धि के बिना एक दशक या उससे अधिक समय तक 7 या 8 प्रतिशत की दर से नहीं बढ़ा है। देव ने इस बात पर जोर दिया कि भारत में 200 से 500 श्रमिकों वाली कई मध्यम स्तर की विनिर्माण इकाइयां होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र में, अन्य बातों के अलावा, बड़ी समस्या यह है कि अधिकांश कम्पनियां 10 से कम श्रमिकों के साथ काम कर रही हैं और उनका आकार छोटा है। निवेश दर को विकास का चालक बताते हुए उन्होंने कहा कि भारत को 7 प्रतिशत विकास दर प्राप्त करने के लिए निवेश दर को वर्तमान 31 से 32 प्रतिशत से बढ़ाकर 34 से 35 प्रतिशत करने की आवश्यकता है। निजी क्षेत्र को भारत में अधिक निवेश करना चाहिए क्योंकि अब दोहरी बैलेंस शीट की कोई समस्या नहीं है।देव ने कहा कि सरकारी पूंजीगत व्यय बढ़ रहा है।

भारतीय युवा ने सिर्फ 16 महीनों में 2 करोड़ रुपये की नेटवर्थ हासिल कर ली

16 महीनों में कमा डाले 20000000 रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। 29 साल के एक युवा प्रोफेशनल ने हाल ही में रेडिट पर अपनी कहानी शेयर की है। इसे पढ़कर सभी हैरान रह गए हैं। इस भारतीय युवा ने सिर्फ 16 महीनों में 2 करोड़ रुपये की नेटवर्थ हासिल कर ली है। यह कहानी सिर्फ पैसे कमाने की नहीं है, बल्कि यह दिखाती है कि कैसे उन्होंने अपनी जिंदगी में मुश्किलों का सामना किया और पैसे को लेकर अपनी सोच को बदला।

इस शख्स ने एक करोड़ रुपये की कमाई एक साल में की थी। अगले एक करोड़ रुपये की नेटवर्थ बनाने में उसे बहुत कम समय लगा। उसने कहा कि पिछले 16 महीने तो एक रोलर-कोस्टर की तरह रहे। उसने इसका श्रेय अमेरिका के मजबूत शेयर बाजार को दिया, जिसने उसे उम्मीद से थोड़ा पहले ही यह मुकाम हासिल करने में मदद की।

कैसे की इतनी कमाई?

यह युवा काम के सिलसिले में अमेरिका चला गया था। उसने बताया कि अमेरिका में रहने के दौरान उसकी बचत बढ़ी तो जरूर, लेकिन बहुत ज्यादा फर्क नहीं आया। इसकी वजह थी वहां रहने का बहुत ज्यादा

खर्च। उसने कहा, भारत में और अमेरिका में मासिक बचत में बहुत ज्यादा फर्क नहीं है, क्योंकि मैं किराये पर बहुत ज्यादा पैसे देता हूं।

जब एक यूजर ने उससे पूछा कि वह हर महीने कितनी बचत करता है, तो उसने जवाब दिया, मैं हर महीने करीब 5 लाख रुपये बचाता हूं। आजकल यह थोड़ा अनियमित हो गया है। उसने यह भी बताया कि पहला 1 करोड़ रुपया कमाने में उसे करीब तीन साल लगे थे, जब उसने अपने स्टूडेंट लोन चुका दिए थे।

इस युवा प्रोफेशनल ने बताया कि उसकी प्राथमिकताएं कैसे बदलीं, खासकर तब जब उसके परिवार में किसी को एक बड़ी स्वास्थ्य समस्या हुई। उसने अपने अतीत को याद करते हुए कहा कि दस साल पहले वह 500 रुपये का अस्पताल का बिल भी नहीं दे सकता था, लेकिन आज वह बिना कर्ज में डूबे मेडिकल जरूरतों पर एक करोड़ रुपये तक खर्च कर सकता है। उसने कहा, शुक्र है कि मेरे पास हेल्थ इंश्योरेंस है। जब उससे उसके निवेश के तरीके के बारे में पूछा गया, तो उसने बताया कि उसके पोर्टफोलियो का करीब 30 प्रतिशत हिस्सा अमेरिकी शेयरों में है, जबकि बाकी पैसा भारतीय संपत्तियों में लगा हुआ है। भारत में उसने म्यूचुअल फंड, शेयर, पीपीएफ और ईपीएफ में निवेश किया है। अमेरिका में उसने शेयर और इंडेक्स फंड में निवेश किया है और कुछ नकदी भी रखी है। अपनी आर्थिक यात्रा का सार बताते हुए उसने कुछ खास बातें बताईं। उसने कहा, पैसा स्थिरता लाता है। कमाओ। और ज्यादा कमाओ। बचाओ। और ज्यादा बचाओ। जब तक जी सकते हो, जियो। तुम्हें कभी पता नहीं चलता कि जिंदगी में क्या आने वाला है।

पीयूष बंसल पर पैसे की बरसात, लेंसकार्ट आईपीओ से होगा 824 करोड़ का मुनाफा!

नई दिल्ली, एजेंसी। आईवियर ब्रांड लेंसकार्ट के 7,278 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पहले दिन तगड़ा रेस्पॉन्स मिला है। इस आईपीओ को पहले दिन शुक्रवार को 1.13 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। ग्रे मार्केट में भी आईपीओ का प्रीमियम 23 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ गया है। इससे ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि आईपीओ से निवेशकों को बड़ा मुनाफा होने की उम्मीद है। वहीं, आईपीओ से लेंसकार्ट के संस्थापक और सीईओ पीयूष बंसल भी मालामाल हो सकते हैं। आईपीओ से बंसल को लगभग 824 करोड़ मुनाफा होने वाला है। बता दें कि बंसल ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के तहत 402 प्रति शेयर की ऊपरी कीमत पर 2.05 करोड़ शेयर बेचेंगे। पीयूष बंसल ने ये शेयर मूल रूप से केवल 18.6 प्रति शेयर की औसत कीमत पर खरीदे थे, जिसका अर्थ है कि उन्हें अपने शुरुआती निवेश से 20 गुना से ज्यादा रिटर्न मिलेगा। यह 2000 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न को दिखाता है। लिस्टिंग के बाद बंसल के पास लेंसकार्ट में लगभग 8.78 प्रतिशत हिस्सेदारी बनी रहेगी। एनएसई पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक लेंसकार्ट आईपीओ में 9,97,61,257 शेयरों की पेशकश के मुकाबले 11,22,94,482 शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं।

आधार को भविष्य की तकनीक के साथ तालमेल में रखने के लिए यूआईडीएआई ने बनाया पैनल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आधार प्रौद्योगिकी को भविष्य के लिए तैयार करने के लिए एक उच्च स्तरीय विशेषज्ञ पैनल का गठन किया है। साइबर सुरक्षा खतरों से निपटने के मामले में आधार को और अधिक लचीला बनाने के लिए यह कदम उठाया गया है। यूआईडीएआई के अध्यक्ष नीलकंठ मिश्रा की अध्यक्षता में इसके लिए उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति बनाई गई है।

इसमें यूआईडीएआई के सीईओ भुवनेश कुमार, न्यूटानिक्स के संस्थापक धीरज पांडे, एमओएसआईपी के इंजीनियरिंग प्रमुख शशिकुमार गणेशन, ट्राइलीगल पार्टनर राहुल मथान, अमृता यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर प्रभाकरण पूर्णचंद्रन, मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अनिल जैन, यूआईडीएआई के उप महानिदेशक अभिषेक कुमार सिंह, सर्वम एआई के सह-संस्थापक विवेक राघवन और आईआईटी जोधपुर के प्रोफेसर मयंक वत्स शामिल हैं।

तेजी से बदलते तकनीकी और नियामक परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए, यूआईडीएआई ने एक नए आधार विजन 2032 ढांचे के जरिए आधार के विकास के अगले दशक को आकार देने के लिए एक व्यापक रणनीतिक और तकनीकी समीक्षा शुरू की है। इस महत्वाकांक्षी बदलाव की राह दिखाने के लिए यूआईडीएआई ने अध्यक्ष नीलकंठ मिश्रा की अगुवाई में एक उच्च-स्तरीय विशेषज्ञ समिति बनाई है।

बयान में कहा गया है कि विजन 2032 रोडमैप

में न केवल आधार के तकनीकी नेतृत्व को बनाए रखने पर ध्यान दिया जाएगा, बल्कि एक सुरक्षित, समावेशी और जन-केंद्रित डिजिटल पहचान के रूप में इसकी भूमिका को भी मजबूत किया जाएगा। समिति आधार विजन 2032 दस्तावेज विकसित करेगी, जिसमें भारत के डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) अधिनियम और गोपनीयता एवं साइबर सुरक्षा के उभरते वैश्विक मानकों के अनुरूप अगली पीढ़ी के आधार आर्किटेक्चर के लिए रूपरेखा तैयार की जाएगी। बयान में कहा गया है, ÷आधार विजन 2032 फ्रेमवर्क आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ब्लॉकचेन, क्वांटम कंप्यूटिंग, एडवांस्ड एन्क्रिप्शन और अगली पीढ़ी के डेटा सुरक्षा तंत्र जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का लाभ उठाने पर केंद्रित होगा। ये सुनिश्चित करेंगे।

त्योहारी सीजन में शेयर बाजार ने रचा नया रिकॉर्ड

निवेशकों की चांदी: बीएसई कंपनियों की पूंजी 19 लाख करोड़ बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारी सीजन में शेयर बाजार में निवेश करने वालों की बल्ले-बल्ले हो गई है। अक्तूबर में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर सूचीबद्ध कंपनियों की पूंजी 19 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई है। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स में 3,671 अंकों का उछाल रहा। साथ ही, विदेशी निवेशकों ने इस दौरान 14,610 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। स्टॉक एक्सचेंज और डिपॉजिटरीज के आंकड़ों के मुताबिक, 30 सितंबर को बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों की पूंजी 451.44 लाख करोड़ रुपये थी, जो 31 अक्तूबर को बढ़कर 470 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गई। एक अक्तूबर को यह 455.34 लाख करोड़ रुपये और एक जनवरी को 444.43 लाख करोड़ रुपये थी। 29 अगस्त को

बिकवाली से सेंसेक्स 466 अंक टूटा

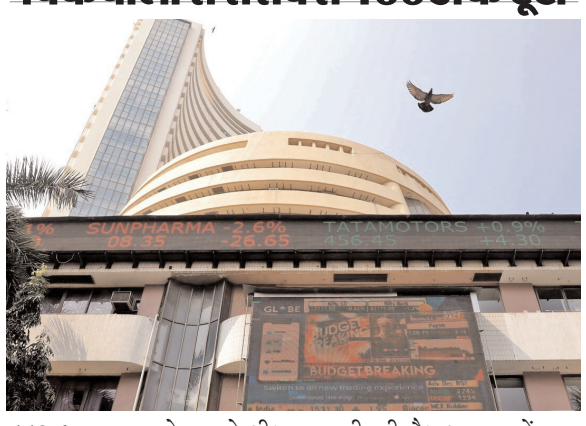

443.65 लाख करोड़ रुपये थी। यानी इस साल जनवरी से लेकर अगस्त तक बाजार पूंजी स्थिर रही। सितंबर और अक्तूबर में पूंजी में तेजी का एक प्रमुख कारण नई कंपनियों की लिस्टिंग रही है। साथ ही, विदेशी निवेशकों ने भी वापसी की है। अक्तूबर में कुल 17 कंपनियों के शेयर सूचीबद्ध हुए। इनकी कुल पूंजी 31 अक्तूबर तक 3.20 लाख करोड़ रुपये रही। इनमें से अकेले टाटा कैपिटल और एलजी इंडिया की पूंजी 2.52 लाख करोड़ रुपये रही।

त्योहारी खरीदारी का बाजार पर असर

बीएसई सेंसेक्स इस महीने 3,671 अंक उछलकर 84,000 के करीब बंद हुआ। हालांकि, यह इस हफ्ते की शुरुआत में 85,000 के करीब पहुंच गया था। 30 सितंबर को यह 80,267 पर बंद हुआ था। एक अगस्त को 80,599 पर और जनवरी में 78,507 पर बंद हुआ था। जनवरी की तुलना में सेंसेक्स में 5,000 अंकों से ज्यादा की तेजी आई है। त्योहारी सीजन में खरीदी और बेहतर कारोबार का असर बाजार पर आगे भी दिखेगा। विदेशी निवेशकों की लंबे समय बाद वापसी हुई है। तीन महीने में नई कंपनियों की लिस्टिंग भी हुई है। ऐसे में आने वाले समय में भी बाजार में तेजी रहेगी। जिस तरह से आईपीओ बाजार गुलजार है, उससे पूंजी में इस महीने और अगले महीने अच्छी खासी वृद्धि की संभावना है। निजी बैंकों और धातु कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से शुक्रवार को घरेलू बाजारों में लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट रही वैश्विक बाजारों में कमजोरी के बीच सेंसेक्स 466 अंक गिर गया। निफ्टी में 156 अंक की गिरावट रही। विश्लेषकों ने कहा, बिकवाली के अलावा कंपनियों के मिलेजुले नतीजे और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों पर अस्पष्टता ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। सेंसेक्स 465.75 अंक टूटकर 83,938.71 पर बंद हुआ। दिन में एक समय यह 498.8 अंक तक गिर गया था। निफ्टी 155.75 अंक की गिरावट के साथ 25,722.10 पर बंद हुआ।

राज्य के 48 मजदूर फंसे अफ्रीका में

वतन वापसी की लगा रहे गुहार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड के हजारीबाग, गिरिडीह और बोकारो जिले के मजदूरों का विदेश में फंसने का सिलसिला जारी है। गिरिडीह, बोकारो और हजारीबाग जिले के 48 प्रवासी मजदूर अफ्रीका के ट्यूनीशिया में फंसे हुए हैं। पिछले तीन माह से मजदूरों को कंपनी की ओर से मजदूरी का भुगतान नहीं किया जा रहा है। इस वजह से मजदूरों के सामने खाने-पीने का संकट खड़ा हो गया है।

वहां फंसे मजदूरों ने वीडियो संदेश में अपना दर्द साझा करते हुए कहा है कि हम यहां बहुत बुरी हालत में हैं। कंपनी ने हमारा वेतन रोक दिया है और हमारे पास खाने तक के पैसे नहीं बचे हैं। हम बस किसी तरह अपने घर वापस लौटना चाहते हैं। साथ ही उन्होंने बकाया वेतन के भुगतान की मांग भी की है।

इस सिलसिले में प्रवासी श्रमिकों के मुद्दे पर काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता सिकंदर अली ने केंद्र और राज्य सरकार से मजदूरों की सकुशल वतन वापसी के लिए ठोस कूटनीतिक पहल करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि विदेशों में फंसने वाले मजदूरों का यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी कई बार प्रवासी मजदूर ज्यादा पैसे कमाने की लालच में विदेश जाकर फंस चुके हैं। काफी मशक्कत के बाद उनकी वतन वापसी कराई गई। इसके बावजूद प्रवासी मजदूर पुरानी घटनाओं से सबक नहीं ले रहे हैं।

वहीं, पिछले छह महीने पूर्व साउथ अफ्रीका के नाइजर से 25 अप्रैल 2025 को बगोदर के दोंदलो पंचायत के संजय महतो, चंद्रिका महतो, राजू महतो, फलजीत महतो एवं मुंडरो के उत्तम महतो का अपहरण कर लिया गया था, जिसका अब तक कुछ पता नहीं चल सका है। ऐसे में सरकार को मजदूरों के पलायन को रोकने के लिए रोजगार की व्यवस्था करने की जरूरत है।

बाल्टी में डूबने से अबोध की मौत

अररिया। जोकीहाट थाना क्षेत्र अंतर्गत सिमरिया पंचायत की बौरिया गांव वार्ड नंबर बारह में डूबने की एक अजीब घटना शनिवार को घटी। गांव के हाफीज अब्दुसकुर की दो वर्षीय बच्ची अनाया की पानी भरे बाल्टी में डूबने से मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना से स्वजनों में मातम छाया है। गांव के समाजसेवी अब्दुल वदूद ने बताया कि बाल्टी में पानी भरकर आंगन में रखा था। बच्ची की मां दरवाजे पर किराना दुकान में थी। इस बीच उनकी दो वर्षीय बच्ची अनाया बाल्टी के पास पहुंच गयी। वह पानी में हाथ डालकर खेल रही थी कि अचानक सिर के बल पानी भरे बाल्टी में गिर गई। जब मां वापस आंगन पहुंची तो बच्ची बाल्टी में सिर के बल पड़ी मिली। हालांकि, बेहोशी की स्थिति में बच्ची को लेकर स्वजन रेफरल अस्पताल जोकीहाट भागते हुए पहुंचे। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। स्वजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया। बच्ची की बाल्टी में डूबकर मरने की इस घटना ने लोगों को झकझोर दिया है।

25 करोड़ की लागत से जल्द ही बदलेगा शहर का स्वरूप

बनेगा उसरी रिवर फ्रंट और सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। शहर के लोगों के लिए बड़ी खुशखबरी है। लंबे इंतजार के बाद नगर निगम क्षेत्र को दो बड़ी परियोजनाओं की सौगात मिलने जा रही है। 25 करोड़ रुपये की लागत से उसरी रिवर फ्रंट और सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट एसटीपी का निर्माण किया जाएगा। नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू की पहल पर इन दोनों योजनाओं के क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त हो गया है। नगर निगम ने दोनों परियोजनाओं की डीपीआर तैयार कर नगर विकास एवं आवास विभाग को स्वीकृति के लिए भेज दी है। स्वीकृति मिलते ही टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी और जल्द ही निर्माण कार्य धरातल पर उतर जाएगा।

उसरी रिवर फ्रंट बनेगा 12 करोड़

की लागत से उसरी नदी के अरगाघाट से पुराना पुल तक लगभग 12 करोड़ की लागत से रिवर फ्रंट का निर्माण किया जाएगा। यहां पार्क, जॉगिंग ट्रैक, ओपन जिम, बच्चों के खेल क्षेत्र, लाइटिंग और बैठने की व्यवस्था जैसी आधुनिक सुविधाएं होंगी। यह स्थल गिरिडीह के नागरिकों के लिए आराम, स्वास्थ्य और मनोरंजन का नया केंद्र बनेगा।

नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि यह परियोजना उनकी महत्वाकांक्षी योजना है, जिससे शहर के लोग स्वच्छ और सुंदर वातावरण में समय व्यतीत कर सकेंगे सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट से नदी रहेगी स्वच्छ लगभग 13 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट शहर के पांच स्थानों बनखंजो से झरियागादी तक स्थापित किया जाएगा। इस प्लांट के माध्यम से शहर के नालों का गंदा पानी ट्रीट होकर नदी में जाएगा, जिससे उसरी नदी की स्वच्छता और जल गुणवत्ता बनी रहेगी नगर प्रशासक प्रशांत कुमार लायक ने बताया कि डीपीआर तैयार है और स्वीकृति के बाद निर्माण कार्य शीघ्र शुरू होगा।गिरिडीह में विकास की नई दिशा इन दोनों योजनाओं से गिरिडीह शहर के बुनियादी ढांचे में बड़ा सुधार होगा। न सिर्फ नदी स्वच्छ होगी, बल्कि नागरिकों को एक सुरम्य और हरित स्थल भी मिलेगा। यह परियोजनाएं गिरिडीह के विकास की नई पहचान साबित होंगी।

आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत कार्यकर्ता सम्मेलन

अटल बिहारी वाजपेयी की सोच को साकार करने का आह्वान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। आज जिला कार्यालय खूंटी में आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत कार्यकर्ता सम्मेलन जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर गुप्ता की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री सुनीता सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि स्वदेशी अपनाएं। वहीं सामान अपने दैनिक रोजमर्रा में उपयोग करें जिस पर भारतीयों का पसीना बहा हो। स्वदेशी को आत्मसात करें। हमें विदेशी सामानों का बंधक नहीं बनना है। हमें अपने आसपास के उत्पादकों को बढ़ावा देना है।

उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी का सोच है स्वदेशी। और इस अभियान को नई दिशा दी प्रधानमंत्री मोदी ने। उन्होंने कहा कि जब 2014 में देश की बागडोर मोदी ने संभाली तब भारत की अर्थव्यवस्था 136 वें पायदान पर थी। उनके नेतृत्व में देश आज अर्थव्यवस्था चौथीं पायदान पर खड़ा है। आत्मनिर्भर भारत अभियान के दक्षिणी प्रमंडल के सह संयोजक गंगोत्री कुजूर ने अपने सम्बोधन में कहा कि आत्मनिर्भर भारत का अर्थ ही है स्वदेशी।

उन्होंने कहा कि आजादी से पहले भारत सोने की चिड़िया कहलाता था। 18वीं शताब्दी में ब्रिटिश शासन के आगमन के साथ, भारत की आर्थिक स्थिति में गिरावट आई, क्योंकि देश के संसाधनों को लूटा जाने लगा। 1750 ई. तक दुनिया के औद्योगिक उत्पादन का लगभग 25% भारत में होता था, जो 1900 ई. तक घटकर केवल 2%रह गया। जब से मोदी प्रधानमंत्री बने हैं देश एक नई ऊंचाई पर पहुंच गया है। दुनिया में जब महामारी कोरोना

वायरस से जूझ रहा था। तब भारत ने स्वदेशी वैक्सीन बनाया। और जरूरतमंद देशों को मुफ्त में वैक्सीन दिया। अब स्वदेशी मिसाइल को आपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस की ताकत को दुनिया ने लोहा माना।

पूर्व जिला अध्यक्ष कांशी नाथ महतो ने अपने सम्बोधन में कहा कि सभी पदाधिकारी प्रधानमंत्री के ग्यारह वर्षों के कार्यकाल को उपलब्धियों को घर घर पहुंचाना है। आत्मनिर्भर बनें। मोटा अनाज को बढ़ावा दें। सभी कार्यकर्ता आत्मनिर्भर भारत अभियान में मिले कार्य को आपस में बांट कर अभियान को घर-घर पहुंचाएं।

जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर गुप्ता ने स्वागत भाषण दिया साथ ही कहा कि आत्मनिर्भर भारत के चलते पूरे विश्व में हलचल है। दुनिया आश्चर्यचकित है कि भारत कैसे हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो रहा है। पहले हम विश्व भर के देशों से सुनते थे और ग्रहण करते थे। पर अब भारत बोलता है तो दुनिया सुनती है। विकसित देश तो नहीं है पर विकसित देश बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान से सभी देशवासी जुड़ जाएं और हमें दुसरे देशों पर निर्भर ना रहना पड़े।

सम्मेलन में मंच संचालन जिला महामंत्री संजय साहू ने किया। धन्यवाद ज्ञापन जिला महामंत्री निखिल कन्डुलना ने किया।पूर्व जिला अध्यक्ष कांशी नाथ महतो, जिला उपाध्यक्ष बिनोद नाग, गंदौरी गुड़िया, जिला मंत्री उर्मिला देवी, जिला मिडिया सह प्रभारी महावीर राम, जिला कोषाध्यक्ष प्रियांक भगत, मंडल अध्यक्ष क्रमशः मदन मोहन गोप, सीताराम नाग, कलिंदर राम, अर्जुन पहान, जिला मोर्चा अध्यक्ष क्रमशः योगेन्द्र नायक, सीमा देवी, संतोष त्रिपाठी, श्याम सोनी, रामलखन सिंह, कंचन सिंह, शंकर प्रधान, रामानंद महतो, सुबोध कुमार, बिनोद धान, लाल शिव नारायण नाथशाहदेव, बिनय गुप्ता, बासमती देवी, बिमला देवी, प्रतिमा देवी, शशिकला देवी, कृष्ण चन्द्र सिंह, डोमन सिंह, राजु साहू, विश्वनाथ स्वांसी, केदार सिंह, राजेन्द्र नायक, संजय महतो, संजीव कुमार, लदुरा मुंडा, टिबु नाग, बिरसा कंडीर, सौरभ सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

श्याम निशान यात्रा महोत्सव का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। यह निशान यात्रा मानव सेवा परिवार के भवन श्री नारायण सेवा भवन से निकाली गई, जिसमें करीब 101 भक्तों ने हिस्सा लिया। यह निशान यात्रा प्रमुख मार्गों से होते हुए श्री श्याम मंदिर आईसीआई रोड पहुंची जहां पर श्री श्याम प्रभु को विधि संवत तरीके से निशान अर्पण किया गया। तत्पश्चात बर्नपुर बालाजी धाम से आए परम पूज्य संतोष भाई के सानिध्य में भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। भजन-कीर्तन का श्रद्धालुओं ने भरपूर आनंद उठाया। भजन-कीर्तन के उपरांत भंडारे का भी आयोजन किया गया।

इस आयोजन को सफल करने में मानव सेवा परिवार के सदस्य एवं श्याम मंदिर के सदस्यों का इसके साथ ही समाज के उन सभी दानदाताओं का सराहनीय सहयोग रहा जिन्होंने सहयोग देकर कार्यक्रम को सफल बनाया। वही इस कार्यक्रम के आयोजन को लेकर भक्त जनों के बीच काफी खुशी देखी गई तथा सभी ने इस कार्यक्रम की काफी प्रशंसा की।

नगर निकाय चुनाव की तैयारियां शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। नगर निकाय चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियां शुरू कर दिया है। शनिवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन एवं वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने संयुक्त रूप से धनबाद पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर का निरीक्षण किया।

पॉलिटेक्निक परिसर को चुनावी दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल के रूप में चयनित किया गया है। यहां से ईवीएम मशीनों का डिस्पैच, रिसीविंग एवं मतगणना कार्य संपन्न किया जाएगा। निरीक्षण के क्रम में दोनों वरीय पदाधिकारियों ने परिसर में स्ट्रांग रूम, मतगणना केंद्र, नियंत्रण कक्ष, सुरक्षा व्यवस्था एवं प्रवेशद्वारनिकास द्वारों की निगरानी प्रणाली को लेकर निरीक्षण किया। रंजन ने कहा की राज्य सरकार द्वारा लगातार निर्देश दिया जा रहा है कि आगामी नगर निगम चुनाव की तैयारियां शुरू करनी है।

एहतियात के तौर पर दो-तीन स्थानों का निरीक्षण किया जाएगा ताकि जो बेहतरीन व्यवस्थाएं हो सके वो की जाएगी। सबसे महत्वपूर्ण है कि मतदान कर्मियों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं हो। उन्होंने कहा कि नगर निगम चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने कहा कि पूरे परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाया जाएगा। इसके लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ सीसीटीवी कैमरे, फायर सेफ्टी सिस्टम, बैरिकेडिंग, प्रवेश नियंत्रण व्यवस्था एवं वॉच टावर की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक एवं पुलिस विभाग के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

उपायुक्त ने किया केंद्रीय विद्यालय, सुगासार का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने विद्यालय की शैक्षणिक और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए उपायुक्त रामनिवास यादव ने आज केंद्रीय विद्यालय गिरिडीह, सुगासारका औचक निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने छात्रों की उपस्थिति, शिक्षण व्यवस्था, मध्याह्न भोजन और स्वच्छता जैसे पहलुओं की जांच की। इस दौरान उपायुक्त ने सरकारी योजनाओं और शैक्षणिक कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करने के सख्त निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को सरकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने और सभी लाभार्थियों तक उनका लाभ सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक और प्रशासनिक

व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने कक्षा, स्काउट गाइड गतिविधियों, स्कूल के विभिन्न विभागों एवं प्रयोगशालाओं का अवलोकन किया, साथ ही कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से भी संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से चल रही पढ़ाई के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान प्रत्येक भाग में जाकर स्वच्छता की व्यवस्थाओं को जांचा। मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी, वसीम अहमद, केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

प्रकाश पर्व के तीसरे दिन निकाली गई प्रभात फेरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। श्री गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर सिक्ख परिवार के द्वारा तीसरे दिन शनिवार को प्रभात फेरी निकाली गई। यह प्रभात फेरी पंजाबी मोहल्ला स्थित गुरुद्वारा से निकल कर मकतपुर चौक होते शान्ति भवन के रास्ते जिला परिषद से श्री विश्वनाथ मन्दिर होते हुए पंजाबी मोहल्ला स्थित एक सिक्ख परिवार के यहां पहुंची जहां पर प्रभात फेरी में शामिल संगतों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया।

इस मौके पर महिला संगत के द्वारा कीर्तन किया गया। वही इससे पूर्व प्रभात फेरी में पूरे रास्ते भर सिख परिवार के संगतों ने नानक नामु मिलै तं जीवां, तेरा कीता जातो नहीं मानो जोगु कितोइ मैं निगुणरि को गुण नहीं ,आपे तरस पायो गुरबाणी कीर्तन किया गया जिससे प्रभात फेरी का माहौल भक्तिमय रहा। प्रभात फेरी की संपूर्णता के बाद महिला संगतों के द्वारा शबद कीर्तन, अरदास किया गया एवं जलपान की सेवा की गई। इस प्रभात फेरी में सरदार अमरजीत सिंह सलूजा,सचिव सरदार नरेंद्र सिंह शर्मी,सरदार मंजीत सिंह सलूजा, सरदार हरमिंदर सिंह बग्गा, जसविंदर कौर कालरा, परमजीत सिंह कालू, सुधीर आनन्द, अमरजीत कौर, सिमरन कौर, गुरविंदर सिंह सलूजा, चरणजीत कौर समेत काफी संख्या में सिक्ख परिवार के महिला पुरुष और बच्चे शामिल हुए।

गौशाला मेला के तीसरे दिन का राज कुमार राज ने किया उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। पचंबा स्थित श्री गोपाल गौशाला परिसर में 128वां गोपाल गौशाला मेला के तीसरे दिन होने वाले कार्यक्रम का भव्य उद्घाटन किया गया। इस मौके पर दीप प्रज्वलन कर मेले का शुभारंभ लोजपा प्रदेश अध्यक्ष राज कुमार राज, संयोजक मुकेश साहू,प्रदीप डोकानियां, संजय डगाइच, नीलू केडिया, राजेश छपरिया, दिनेश खैतान,पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष सी ए श्रवण केडिया, एवं पाटलिपुत्रा नर्सिंग होम की डॉक्टर विदिशा ड्रोलिया ने संयुक्त रूप से किया इस दौरान मेला का मुख्य सांस्कृतिक कार्यक्रम राधे श्याम ग्रुप के द्वारा नाट्य लीला शिव वंदना, मनिहारी, श्याम पगली सहित कई मनमोहक भक्ति गीत संगीत की भव्य प्रस्तुति की गई।

मुख्य अतिथि राज कुमार राज ने कहा कि यह मेला गिरिडीह की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान है। इस मेले को राज्य स्तरीय मेला घोषित किया जाए, जिससे सरकारी सहायता प्राप्त हो सके। इस मेला को झारखंड का गौरवपूर्ण आयोजन बताया। उन्होंने गौसेवा और मेला की भव्य सजावट की सराहना की। समिति को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह मेला अब राज्य का नंबर वन मेला बनने की दिशा में अग्रसर है।

इस अवसर पर गौशालाओं की स्थापना सरकार ने बहुत सोच-समझकर की है, ताकि बेजुबान पशुओं की देखभाल और सेवा समुचित रूप से हो सके। मेले के संयोजक मुकेश साहू ने बताया कि इस वर्ष का गौशाला मेला विशेष आकर्षणों से भरा हुआ है। मेले में कई झूले के साथ-साथ पौराणिक कथाओं पर आधारित चलंत मूर्तियों की प्रदर्शनी लगाई गई है। इसके अलावा बांके बिहारी मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण समेत कई देवी-देवताओं की भव्य प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। प्रतिदिन भक्तिभाव से झांकियों का प्रदर्शन किया जाएगा, जिसके लिए बाहर से विशेष कलाकारों की टीम बुलाई गई है उद्घाटन समारोह में सह संयोजक गोपाल बागेड़िया, अजय राय, सचिव प्रवीन बागेड़िया, नीलू केडिया, संजय भूदौलिया, मुकेश जालान,सतीश केडिया मीडिया प्रभारी गौतम सोनी,सुदीप राणा, रघुनंदन शर्मा, बनवारी शर्मा , शंकर लाल शर्मा, सतेन्द्र प्रसाद, विकाश मिश्रा, मनोज पांडे सहित समिति के कई सदस्य मौजूद थे।

उपायुक्त ने की संचालित योजनाओं की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आज उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी आर. रॉनिटा की अध्यक्षता में पीएम-आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक के क्रम में उपायुक्त ने पीएम-आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन अंतर्गत विभिन्न प्रखंडों में स्वीकृत कुल 28 स्वास्थ्य उपकेन्द्र योजनाओं की भौतिक प्रगति की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान एनआरईपी समेत संबंधित विभागों के कार्यपालक अभियंताओं द्वारा जानकारी दी गई कि कुल 28 योजनाओं में से 14 योजनाएं पूर्ण कर ली गई हैं, वहीं 3 योजनाएं उच्च न्यायालय के आदेशानुसार स्थगित हैं। उपायुक्त ने शेष 2 योजनाओं को 15 नवम्बर तक पूर्ण करने का निर्देश दिया तथा शेष योजनाओं में स्थल चयन एवं आवश्यक प्रक्रियात्मक कार्रवाई शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया गया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य अवसंरचना से संबंधित सभी परियोजनाएँ जनहित से जुड़ी हैं, अतः गुणवत्ता एवं समयबद्धता दोनों का विशेष ध्यान रखा जाए। बैठक में उप विकास आयुक्त आलोक कुमार, सिविल सर्जन डॉ. नागेश्वर मांझी, जिला योजना पदाधिकारी कुंदन कुमार, एनआरईपी एवं अन्य संबंधित विभागों के कार्यपालक अभियंता उपस्थित थे।

लोक अदालत की सफलता को ले विधिक सेवा के लोगों ने की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। माननीय नालसा एवं माननीय झालसा, रांची के निदेशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गिरिडीह के मार्गदर्शन में आगामी विशेष लोक अदालत का आयोजन 29 नवंबर को बिजली मामलों पर विशेष लोक अदालत का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गिरिडीह की ओर से व्यवहार न्यायालय परिसर गिरिडीह में किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी प्रदान करते हुए सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह सफदर अली नैयर ने कहा कि माननीय नालसा एवं माननीय झालसा, रांची द्वारा आमजनों एवं पक्षकारों के सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए विशेष लोक अदालत का आयोजन 29 नवंबर को कराने का निर्देश प्राप्त हुआ है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह मार्तंड प्रताप मिश्रा के मार्गदर्शन में इस आगामी विशेष लोक अदालत को सफल बनाने हेतु व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं।

इसी कड़ी में आज बिजली विभाग के पदाधिकारी के साथ बैठक किया गया। विदित हो कि बिजली मामलों पर विशेष लोक अदालत से संबंधित मामलों का निष्पादन पक्षकारों के आपसी सहमति के आधार पर किया जाना है। इसके लिए सभी संबंधित न्यायालयों तथा विभागों से सुलहनीय मामलों को चिन्हित करने तथा संबंधित पक्षकारों

को नोटिस प्रदान करने का कार्य किया जा रहा है। इस संबंध में जानकारी प्रदान करते हुए सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह सफदर अली नैयर ने कहा कि झालसा, रांची के निदेशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गिरिडीह ने आम पक्षकारों, बुद्धिजीवियों, समाजसेवियों, विद्वान अधिवक्ताओं, मीडिया बंधुओं , पारा लीगल वालंटियर से अपील किया कि सभी अपने अपने-अपने स्तर से इस आगामी विशेष लोक अदालत के बारे में आम जनों में प्रचार प्रसार कर इसे सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें।

नि:शुल्क जांच शिविर का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। रोटरी क्लब ऑफ गिरिडीह ग्रेटर एवं सिंहोडीह, कॉलेज मोड़ के पास, ओवरब्रिज के समीप, गिरिडीह स्थित पावित्री हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में फ्री मेडिकल कैंप, में निशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर 1 नवंबर से 10 नवंबर तक चलेगा

यह शिविर 60 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों के लिए है। जिसमें आज काफी लोगों ने जांच शिविर का लाभ उठाया। इसकी जांच डॉ. इंतखाब आलम एवं उनकी टीम के द्वारा की गई। साथ ही साथ प्रोजेक्ट पॉजिटिव हेल्थ प्रोजेक्ट पॉजिटिव हेल्थ पीपीएच के तहत फ्री चेकअप जैसे शुगर, बेट, बीपी एवं हाइट का भी जांच शिविर चालू किया गया। जो प्रत्येक शनिवार को सुबह 9 बजे, आज से इस हॉस्पिटल में रोटरी क्लब ऑफ गिरिडीह ग्रेटर के द्वारा चालु किया गया।इस तरह का यह दूसरा साप्ताहिक कैंप का उद्घाटन आज इस जगह चालू किया गया है। जो लोगों के बीच स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होने के लिए दो चम्मच कम चार कदम आगे एवं जीवन शैली में व्यापक सुधार लाने के लिए एक प्रयास है।

क्रिश्चियन हिल पहाड़ी के सौंदर्यीकरण की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। राधास्वामी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश कुमार सिन्हा ने बोरो बनखंजो स्थित क्रिश्चियन हिल पहाड़ी की सौंदर्यकरण के लिए जिला सांसद प्रतिनिधि गुड्डु यादव को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र सौंदर्यकरण की मांग की है। सिन्हा ने बताया कि राधास्वामी संगठन विगत 15 वर्षों से अपने ग्रामीणों और सदस्यों के लिए हर क्षेत्र में कार्य कर रही है। इसी को देखते हुए इस पहाड़ी के सौंदर्यकरण की मांग की गई। इस पहाड़ी के सौंदर्यकरण से यहां के स्थानीय लोगों को रोजगार मिल सकेगा साथ ही बच्चो, युवाओं के खेलकूद और बुजुर्गों को टहलने के लिए एक अच्छी वातावरण के साथ जगह मिल पाएगा। इधर गुड्डु यादव ने आश्वासन देते हुए कहा कि जल्द ही पहाड़ी का सौंदर्यकरण करने का प्रयास किया जाएगा, ताकि यहां के लोगो को एक नया पर्यटन स्थल मिल सके।

फिडे वर्ल्ड चेस

फिडे विश्व शतरंज कप ट्रॉफी का नाम विश्वनाथ आनंद के नाम पर रखा गया

नई दिल्ली, एजेंसी। ट्रॉफी अनावरण समारोह में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और फिडे प्रमुख अर्कडी ड्वोर्कोविच शामिल हुए। फिडे विश्व शतरंज कप की नई ट्रॉफी का नाम शुक्रवार को यहां पांच बार के विश्व चैंपियन भारतीय दिग्गज के सम्मान में

विश्वनाथन आनंद ट्रॉफी रखा गया और एक रंगारंग उद्घाटन समारोह के दौरान इसका अनावरण किया गया। ट्रॉफी अनावरण समारोह में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और फिडे प्रमुख अर्कडी ड्वोर्कोविच शामिल हुए। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के अध्यक्ष नितिन नारंग ने कहा, ''शतरंज के बादशाह और भारत के पहले ग्रैंडमास्टर विश्वनाथन आनंद के सम्मान में स्थापित फिडे विश्व कप (ओपन) विजेता रनिंग ट्रॉफी विश्वनाथन आनंद कप की घोषणा करते हुए मुझे बेहद गर्व और खुशी हो रही है।''

क्रिकेट के मैदान में फिर आमने-सामने होंगे भारत-पाकिस्तान

दोहा (कतर), एजेंसी। एशियन क्रिकेट काउंसिल के राइजिंग स्टार्स टी-20 टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच 16 नवंबर को मुकाबला होगा। टूर्नामेंट के आयोजकों ने शुक्रवार को दो ग्रुप की घोषणा की। ग्रुप ए में अफगानिस्तान, बंगलादेश, हांगकांग और श्रीलंका हैं, जबकि ग्रुप बी में भारत,

ओमान, पाकिस्तान और यूएई हैं। 14 नवंबर से पाकिस्तान और ओमान मैच से इस टूर्नामेंट की शुरुआत होगी। भारत और पाकिस्तान के बीच 16 नवंबर को मैच खेला जायेगा। यह सितंबर में हुए सीनियर एशिया कप के बाद भारत और पाकिस्तान की पुरुष टीमों के बीच पहला क्रिकेट मैच होगा। यह टूर्नामेंट 14 नवंबर से 23 नवंबर तक चलेगा। इस दौरान 14 से 19 नवंबर तक प्रत्येक दिन दो मुकाबले होंगे। इसके बाद 21 नवंबर को सेमीफाइनल तथा 23 नवंबर को खिताबी भिड़ंत होगी।

बैडमिंटन

उन्नति सेमीफाइनल में, लक्ष्य-जॉर्ज और आयुष का हाइलो ओपन में अभियान समाप्त

सारब्रकेन (जर्मनी), एजेंसी। विश्व रैंकिंग में 34वें स्थान पर काबिज उन्नति ने चौथी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे की सियांग टी लिन को 47 मिनट में 22-20, 21-13 से हराकर उलटफेर किया जिससे भारतीय शटलर ने इस साल मई में मलेशिया

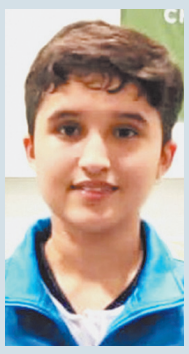

मास्टर्स में इसी प्रतिद्वंद्वी से मिली हार का बदला ले लिया। भारतीय शटलरों के लिए शुक्रवार को हाइलो ओपन में दिन मिला-जुला रहा जिसमें उभरती हुई स्टार उन्नति हुड्डा सेमीफाइनल में पहुंच गई लेकिन लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी और किरण जॉर्ज तीनों का अभियान पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में हार के साथ समाप्त हुआ। विश्व रैंकिंग में 34वें स्थान पर काबिज उन्नति ने चौथी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे की सियांग टी लिन को 47 मिनट में 22-20, 21-13 से हराकर उलटफेर किया जिससे भारतीय शटलर ने इस साल मई में मलेशिया मास्टर्स में इसी प्रतिद्वंद्वी से मिली हार का बदला ले लिया।

दबंग दिल्ली बनी चैंपियन

प्रो कबड्डी लीगः फाइनल में पुणेरी पल्टन को 31-28 से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 का फाइनल मुकाबला दिल्ली के त्यागराज इंडोर स्टेडियम में दबंग दिल्ली और पुणेरी पल्टन के बीच खेला गया। बेहद रोमांचक रहे इस फाइनल मुकाबले में दबंग दिल्ली ने पुणेरी पल्टन को 31-28 से हराकर खिताब पर अपना कब्जा जमाया। खिताब जीत के साथ ही दबंग दिल्ली पटना पाइरेट्स और जयपुर पिंक पैंथर्स के क्लब में शामिल हो गई है। पटना और जयपुर कई बार चैंपियन रह चुकी हैं। दबंग दिल्ली का यह दूसरा पीकेएल खिताब है। दबंग दिल्ली के कोच जगिंदर नरवाल ने मनप्रीत सिंह के बाद कोच और कप्तान दोनों की भूमिका निभाते हुए पीकेएल ट्रॉफी जीतने वाले दूसरे व्यक्ति बने। मुकाबले की शुरुआत में पुणेरी पल्टन ने असलम इनामदार की मदद से पहला अंक हासिल किया।

रेडर आशु मलिक और नीरज नरवाल के प्रयासों की बदौलत दबंग दिल्ली ने जल्द पुणेरी पर 6-2 की बढ़त बना ली। इसके बाद पुणेरी पल्टन ने सुपर टैकल की बदौलत दमदार वापसी की और पहले क्वार्टर में स्कोर 8-6 हो गया। दबंग दिल्ली ने पंद्रहवें मिनट में पल्टन को मैच का पहला ऑल-आउट देकर अपनी बढ़त 14-8 कर ली। पुणेरी ने दूसरे क्वार्टर में फिर प्रभावशाली वापसी की। पंकज मोहिते और आदित्य शिंदे की बदौलत पुनेरी ने अंतर कम करने की कोशिश की, लेकिन अजित और नीरज की अगुवाई में पहले हाफ का अंत दिल्ली ने 20-14 की बढ़त पर किया।

दूसरे हाफ में दिल्ली ने मजबूत रक्षापंक्ति का प्रदर्शन करते हुए अपनी बढ़त बरकरार रखी। वहीं पुणे ने कुछ रक्षात्मक चालें चलीं, लेकिन दिल्ली ने अपनी रणनीतियों की बदौलत तीसरे क्वार्टर का अंत 24-18 की बढ़त के साथ किया। चौथे और अंतिम क्वार्टर में, दबंग दिल्ली ने अपनी बढ़त बरकरार रखी। पुणेरी पल्टन ने 37वें मिनट में दबंग दिल्ली को पहली बार ऑल-आउट करने पर मजबूर करके अंतर को तीन अंकों तक कम कर दिया।

आदित्य शिंदे के शानदार प्रयासों के बावजूद, दबंग दिल्ली ने फजल अत्राचली के आखिरी मिनट में किए गए अहम टैकल की बदौलत पुणेरी पल्टन को तीन अंकों के मामूली अंतर से हराकर अपना दूसरा खिताब जीता। पीकेएल का ये 12वां सीजन था, पूर्व में दिल्ली 8वें सीजन में चैंपियन रही थी।

महिला विश्व कप फाइनल

भारत-साउथ अफ्रीका आमने-सामने

खिताबी जंग आज

कौन बनेगा मालामाल? देखें टूर्नामेंट में किसे मिलेगी कितनी प्राइज मनी

महिला वर्ल्ड कप 2025 अब अपने आखिरी स्टेज पर पहुंच गया है। फाइनल मुकाबला रविवार 2 नवंबर को भारत और साउथ अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। इस मुकाबले के बाद दुनिया को महिला क्रिकेट में एक नया चैंपियन मिलने वाला है। इस बार महिला विश्व कप की विजेता टीम अत्यधिक मालामाल होने वाली है। क्योंकि पिछले संस्करण के मुकाबले इस बार इनामी राशि 297 प्रतिशत बढ़ गई है।

मुंबई। आपको बता दें कि पिछले संस्करण में प्राइज मनी 1.32 मिलियन अमेरिकी डॉलर (11.65 करोड़ रुपये) थी। मगर इस बार इसमें भारी उछाल आ गया है। इस बार उपविजेता टीम को भी इससे कहीं ज्यादा रकम मिलने वाली है। वहीं विजेता टीम मालामाल हो जाएगी। जय शाह की अध्यक्षता में आईसीसी ने इस प्राइज मनी का सितंबर 2025 में ऐलान किया था।

पुरुष विश्व कप से भी आगे महिला वर्ल्ड कप 2025

महिला वनडे विश्व कप की कुल पुरस्कार राशि आईसीसी पुरुष वनडे विश्व कप 2023 की पुरस्कार राशि से भी काफी ज्यादा है। पुरुष विश्व कप की कुल पुरस्कार राशि 10 मिलियन डॉलर (लगभग 88.26 करोड़ रुपये) थी। जबकि मौजूदा महिला वर्ल्ड कप की कुल पुरस्कार राशि 122 करोड़ से भी ज्यादा की है। यानी इस बार टूर्नामेंट में 122 करोड़ से ज्यादा की रकम दांव पर है।

महिला वर्ल्ड कप 2025
किसे मिलेगी कितनी रकम?

- विजेता टीम : 4.48 मिलियन यूएस डॉलर्स (39.77 करोड़ रुपए)
- उप विजेता टीम : 2.24 मिलियन यूएस डॉलर्स (19.88 करोड़ रुपए)
- सेमीफाइनल में हारने वाली टीमें : 1.12 मिलियन यूएस डॉलर्स (9.94 करोड़ रुपए)
- 5वें और छठे स्थान की टीमें : 7 लाख यूएस डॉलर्स प्रत्येक टीम (6.17 करोड़ रुपए)
- **7वें और 8वें स्थान की टीमें :** 2.80 लाख यूएस डॉलर्स प्रत्येक टीम (2.5 करोड़ रुपए)
- **हर टीम के लिए :** 2.5 लाख यूएस डॉलर्स (सभी टीमों को अलग से) (2.20 करोड़ रुपए)
- एक ग्रुप मैच जीतने पर : 34,314 यूएस डॉलर्स (30 लाख रुपए)

टी20 सीरीजः

वेस्टइंडीज की लगातार तीसरी जीत, बांग्लादेश का घर में सूपड़ा साफ

चटगांव, एजेंसी। वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश के खिलाफ 3 टी20 मैचों की सीरीज जीत ली है। मेजबान बांग्लादेश को शुक्रवार को चटगांव में खेले गए तीसरे टी20 में वेस्टइंडीज ने 5 विकेट से हराकर 3 मैचों की सीरीज 0-3 से अपने नाम की। बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। सलामी बल्लेबाज तंजीद हसन को छोड़कर बांग्लादेश का कोई भी बल्लेबाज वेस्टइंडीज के गेंदबाजों का सामना नहीं कर सका। तंजीद ने 62 गेंद पर 4 छक्कों और 9 चौकों की मदद से 89 रन बनाए। वह आठवें विकेट के रूप में 20वें ओवर की पहली गेंद पर आउट हुए। दूसरे श्रेष्ठ स्कोरर सैफ हसन रहे। सैफ ने 22 गेंद पर 23 रन बनाए। इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज दो अंकों में नहीं पहुंच सका। पूरी टीम 20 ओवर में 151 पर सिमट गई। वेस्टइंडीज के लिए रोमारियो शेफर्ड ने 3, जेसन होल्डर और खेरी पियरे ने 2-2 और अकील होसेन और रोस्टन चेज ने 1-1 विकेट लिए। इस मैच में वेस्टइंडीज की कप्तानी शाई होप की जगह रोस्टन चेज ही कर रहे थे।

खत्म हो सकता है इंतजार

एक-दो दिन में भारत पहुंच सकती है एशिया कप ट्रॉफी

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड को उम्मीद है कि एशिया कप विजेता ट्रॉफी 'एक या दो दिन में' मुंबई स्थित उसके मुख्यालय पहुंच जाएगी लेकिन अगर हालात में कोई प्रगति नहीं होती है तो भारतीय बोर्ड चार नवंबर को इस मामले को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषदके समक्ष उठाएगा। भारत ने दुबई में हुए फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर एशिया कप जीता लेकिन पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। वह एशियाई क्रिकेट परिषद और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष भी हैं। यह तब हुआ जब भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दोनों देशों के बीच विवाद के कारण अपने पाकिस्तानी समकक्ष से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। नकवी पहले ही बता चुके हैं कि ट्रॉफी भारत को सौंपी जा सकती है लेकिन इसे वह स्वयं प्रदान करेंगे। एशिया कप जीत के एक महीने से ज्यादा समय बाद भी बीसीसीआई अब भी आधिकारिक तौर पर ट्रॉफी सौंपे जाने का इंतजार कर रहा है। बीसीसीआई के संयुक्त सचिव देवजीत सैकिया ने विशेष बातचीत में कहा, 'जिस तरह से एक महीने बाद भी हमें ट्रॉफी नहीं दी गई है, उससे हम थोड़े नाखुश हैं। हम इस मामले को आगे बढ़ा रहे हैं। लगभग 10 दिन पहले भी हमने बीसीसीआई के अध्यक्ष को एक पत्र लिखा था लेकिन उनके रुख में कोई बदलाव नहीं आया है।' उन्होंने कहा, 'अब भी ट्रॉफी उनके पास है, लेकिन हमें उम्मीद है कि एक-दो दिन में यह ट्रॉफी मुंबई स्थित बीसीसीआई कार्यालय में हमारे पास पहुंच जाएगी।' सैकिया ने कहा कि अगर ट्रॉफी जल्द ही नहीं सौंपी गई तो बीसीसीआई चार नवंबर से दुबई में होने वाली बीसीसीआई की तिमाही बैठक में इस मुद्दे को उठाएगा। बीसीसीआई ने आधिकारिक तौर पर ट्रॉफी वापस करने का अनुरोध किया है लेकिन नकवी कथित तौर पर अपने रुख पर अड़े हुए हैं और सुझाव दे रहे हैं कि भारतीय खिलाड़ी भविष्य में किसी कार्यक्रम में इसे व्यक्तिगत रूप से ले लें क्योंकि अभी तक कोई औपचारिक समाधान नहीं हुआ है। आईसीसी

अश्विन का फूटा गुस्सा, इस खिलाड़ी को टीम से बाहर रखने पर उठाए सवाल

मेलबर्न, एजेंसी। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में मिचेल मार्श की अगुवाई वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भारत को 4 विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। लेकिन इस मुकाबले के बाद टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन को लेकर एक बड़ा सवाल उठ खड़ा हुआ है- अर्शदीप सिंह को आखिर क्यों बाहर रखा गया? भारत के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने सूर्यकुमार यादव और हेड कोच गौतम गंभीर की रणनीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि अर्शदीप जैसे गेंदबाज को लगातार बेंच पर बैठाना समझ से परे है।

अश्विन ने जताई नाराजगी

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'अगर बुमराह टीम में हैं, तो उनके बाद आपके दूसरे तेज गेंदबाज के रूप में अर्शदीप सिंह का नाम सबसे पहले होना चाहिए।

और अगर बुमराह नहीं खेल रहे, तो अर्शदीप को पहला विकल्प होना चाहिए। मुझे समझ नहीं आता कि अर्शदीप को बार-बार इस टीम से कैसे बाहर रखा जा रहा है।' टीम प्रबंधन, जिसकी अगुवाई गौतम गंभीर कर रहे हैं, बल्लेबाजी में गहराई को तरजीह देता आ रहा है। लेकिन इसका असर गेंदबाजी विभाग पर पड़ रहा है — और इसी कारण अर्शदीप, जो भारत के सबसे सफल टी20 गेंदबाजों में से एक हैं, लगातार बेंच पर बैठे दिखाई दे रहे हैं। अर्शदीप के नाम अब तक 65 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 101 विकेट हैं, औसत 18.76 के साथ। अश्विन के मुताबिक, इस रिकॉर्ड के बाद भी उन्हें नजरअंदाज करना गलत रणनीति है।

हर्षित राणा पर भी बोले अश्विन- अश्विन ने कहा, 'हर्षित ने ठीक-ठाक बल्लेबाजी की, लेकिन बात यहां उनकी नहीं, अर्शदीप की है। 2024 टी20 वर्ल्ड कप में अर्शदीप ने शानदार प्रदर्शन किया था, लेकिन उसके बाद उन्हें टीम से बाहर ही रखा जा रहा है। इतनी बार बेंच पर बैठने के कारण उनका रिदम भी थोड़ा खो गया है।

बाबर टी-20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बनें

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने टी-20 इंटरनेशनल में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए दूसरे टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को 9 विकेट से हराया। पहले टी-20 मैच में जीत दर्ज करने वाली साउथ अफ्रीकी टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 110 रन ही बना सकी। जवाब में पाकिस्तान ने 13.1 ओवर में एक विकेट खोकर 112 रन बनाते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया।

सुपौल जिले की सभी पांच सीटों पर राजग का कब्जा, नौवीं बार जीत की ख्वाहिश में बिजेन्द्र, चौका जड़ने के लिए बेताब नीरज बबलू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में 11 नवंबर को दूसरे चरण के 122 सीटों पर होने वाले चुनाव में सुपौल जिले की सभी पांच सीटों पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के विधायकों को महागठबंधन के प्रत्याशी चुनौती देते नजर आयेंगे। सुपौल जिले की सभी पांच सीटें सुपौल,छातापुर, त्रिवेणीगंज (सुरक्षित), निर्मली और पिपरा में राजग का कब्जा है। सुपौल,त्रिवेणीगंज (सुरक्षित), निर्मली और पिपरा में राजग के घटक जनता दल यूनाईटेड (जदयू) और छातापुर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का कब्जा है। सुपौल विधानसभा सीट से जदयू के दिग्गज नेता तथा ऊर्जा मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव नौवीं बार सत्ता के सिकंदर बनने की ख्वाहिश में है।

जदयू उम्मीदवार श्री यादव के विजयपथ रोकने के लिये महागठबंधन के घटक कांग्रेस ने मिन्नतुल्लाह रहमानी पर दांव लगाया है। वर्ष 2020 के चुनाव में जदयू के श्री यादव ने कांग्रेस के श्री रहमानी को चुनावी अखाड़े में मात दी थी। इस बार भी इन दोनों प्रत्याशियों के बीच चुनावी संग्राम देखने को मिलेगा।सुपौल विधान सभा इलाका यादव, राजपूत और मुस्लिम बहुल क्षेत्र है।इलाके में माय (मुस्लिम-यादव) समीकरण से ही उम्मीदवार की हार-जीत तय होती है। इसके अलावा अति पिछड़ा वर्ग की भी अच्छी आबादी है। ब्राह्मण और दलित वोटर की भी तादाद अच्छी-खासी है। सुपौल सीट से नौ प्रत्याशी चुनावी रणभूमि में हुंकार भर रहे हैं। सुपौल विधानसभा सीट पर तीन दशक से लगातार बिजेंद्र यादव की धाक रही है। वर्ष 1990 में प्रदेश में हुए सत्ता परिवर्तन के दौर में पहली बार सुपौल की सियासी सरजमीं पर श्री यादव ने जनता दल के टिकट पर शानदार जीत का आगाज किया जो बदस्तूर जारी है। इसके बाद वह वर्ष 1995 में भी जनता दल के टिकट पर निर्वाचित हुये। श्री यादव ने वर्ष 2000, फरवरी 2005, अक्टूबर 2005, 2010,2010,2015 और 2020 के विधानसभा चुनाव में जदयू के टिकट पर जीत हासिल की। यह क्षेत्र कभी कांग्रेस का गढ़ माना जाता था। इस क्षेत्र से सात बार कांग्रेस के उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है सुपौल में कोसी की त्रासदी और विस्थापन आज भी एक बड़ी समस्या के रूप में विद्यमान है। भले ही विकास की लंबी-चौड़ी बातें कर ली जाए, लेकिन कोसी क्षेत्र में बसी एक बड़ी आबादी हर वर्ष कोसी की त्रासदी झेलने को विवश होती है। भारत-नेपाल सीमा से सटा छातापुर विधानसभा सीट से सियासी पिच पर जीत की हैट्रिक लगा चुके वन एवं पर्यावरण मंत्री और भाजपा प्रत्याशी नीरज कुमार सिंह बब्लू अब सियासी पिच पर चौका जड़ने के लिये बेताब हैं। दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के चचेरे भाई नीरज कुमार सिंह की जीत की राह को रोकने के लिये महागठबंधन के घटक राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने विपिन कुमार सिंह पर भरोसा जताया है। वर्ष 2020 के चुनाव में भी जदयू के नीरज कुमार सिंह ने राजद के श्री विपिन कुमार को पराजित किया था। इस क्षेत्र में बाढ़, बेरोजगारी, पिछड़ापन, विकास, शैक्षणिक पिछड़ापन मुख्य चुनावी मुद्दा है। भाजपा के श्री सिंह हर हाल में इस पर अपना कब्जा बरकरार रखने की जुगत में है।वहीं अन्य प्रत्याशी भी लड़ाई को अपने पक्ष में करने की कोशिश में जी जान से लगे हुए हैं। छातापुर में 13 प्रत्याशी भाग्य आजमा रहे हैं।

त्रिवेणीगंज (सुरक्षित) जदयू ने विधायक बीणा भारती को बेटिकट कर सोनम रानी सरदार को उम्मीदवार बनाया है। राजद ने यहां संतोष कुमार को उम्मीदवार बनाया है।वर्ष 2020 के चुनाव में पूर्व विधायक विश्वमोहन भारती की पत्नी और तत्कालीन विधायक जदयू उम्मीदवार बीणा भारती ने राजद प्रत्याशी पूर्व सांसद महेन्द्र नारायण सरदार के पुत्र संतोष कुमार को पराजित किया था। इस सीट से सर्वाधिक सात बार समाजवादी नेता अनूप लाल यादव 1967, 1969, 1972, 1977, 1985, 1990 और वर्ष 2000 में निर्वाचित हुये। पूर्व सासंद विश्वमोहन कुमार भी वर्ष 1995, फरवरी 2005 और अक्टूबर 2005 में इस सीट का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वर्ष 2015 और वर्ष 2020 में बीणा भारती ने यहां जीत हासिल की है। दिवंगत विश्वमोहन भारती ने छातापुर विधानसभा सीट का 1995 और अक्टुबर 2005 में प्रतिनिधित्व किया है।

निर्मली विधानसभा सीट से जदयू के विधायक अनिरूद्ध प्रसाद यादव सियासी कर्मभूमि पर सिक्सर लिये बेकरार हैं। राजद ने यहां वैधनाथ महतो को प्रत्याशी बनाया है। वर्ष 2020 के चुनाव में जदयू उम्मीदवार अनिरूद्ध प्रसाद यादव ने पिपरा विधानसभा के तत्कालीन विधायक यदुवंश कुमार यादव को मात दी थी। निर्मली विधानसभा क्षेत्र वर्ष 2008 में परिसीमन के बाद अस्तित्व में आया था। यह क्षेत्र पहले किसनपुर विधानसभा क्षेत्र हुआ करता था। इस सीट पर वर्ष 2010 ,वर्ष 2015 और वर्ष 2020 में जदयू के अनिरुद्ध प्रसाद यादव ने जीत हसिल की है। इससे पूर्व जदयू के श्री यादव ने किशनपुर विधानसभा सीट से फरवरी 2005 और अक्टूबर 2005 के चुनाव में भी जीत हासिल की है। वर्ष 2008 में परिसीमन के बाद किशनपुर सीट विलोपित हो गया है।निर्मली विधानसभा क्षेत्र से आठ प्रत्याशी चुनावी रणभूमि में भाग्य आजमा रहे हैं।

पिपरा सीट से जदयू विधायक राम विलास कामत दूसरी बार चुनावी समर में उतरे हैं। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी लेनिनवादी (भाकपा माले) ने यहां अनिल कुमार को पार्टी का उम्मीदवार बनाया है। वर्ष 2020 में इस सीट पर जदयू के श्री कामत ने पूर्व सासंद जदयू के बागी राजद उम्मीदवार विश्वमोहन कुमार को मात दी थी।पिपरा विधानसभा क्षेत्र वर्ष 2008 में परिसीमन के बाद अस्तित्व में आयी थी। वर्ष 2010 के पहले चुनाव में जदयू की सुजाता देवी निर्वाचित हुयी।इसके बाद वर्ष 2015 में राजद के यदुवंश कुमार यादव ने भाजपा के विश्वमोहन कुमार को चुनावी अखाड़े में परास्त किया था। पिपरा सीट से 13 प्रत्याशी चुनावी दंगल में ताल ठोक रहे हैं। यह क्षेत्र कोसी नदी में आने वाली बाढ़ से हर साल जूझता है। कई जानें बाढ़ की चपटे में आने से चली जाती है। शिक्षा, स्वास्थ्य, स्कूल और रोजगार आज भी यहां का प्रमुख चुनावी मुद्दा है।

किशनगंज जिले में तीन विधायक बेटिकट, सभी चार सीटों पर है महागठबंधन का कब्जा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में 11 नवंबर को दूसरे चरण के 122 सीटों पर होने वाले चुनाव में किशनगंज जिले की चार विधानसभा सीटों में से तीन विधायकों को बेटिकट कर दिया गया है। किशनगंज जिले की सभी चार सीटें किशनगंज, ठाकुरगंज, बहादुरगंज और कोचाधामन में महागठबंधन का कब्जा है। ठाकुरगंज,बहादुरगंज और कोचाधामन में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और किशनगंज में कांग्रेस का कब्जा है। किशनगंज विधानसभा सीट से कांग्रेस ने विधायक इजहारूल हुसैन को बेटिकट कर दिया।कांग्रेस ने यहां पूर्व विधायक कमहरूल होदा को चुनावी अखाड़े में उतारा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने यहां पूर्व विधायक सिकंदर सिंह की पत्नी स्वीटी सिंह को उम्मीदवार बनाया है। वर्ष 2020 के चुनाव में कांग्रेस

प्रत्याशी इजहारूल हुसैन ने भाजपा उम्मीदवार स्वीटी सिंह को पराजित किया था।असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल- मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) उम्मीदवार कमरूल होदा तीसरे नंबर पर रहे थे। इस बार के चुनाव में एआईएमआईएम ने यहां शम्श आगाज को प्रत्याशी बनाया है, जो मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने में लगे हुये हैं। इस विधानसभा क्षेत्र से इन तीनों के बीच मुकाबला होने की संभावना बन रही है। हालांकि, एआइएमआइएम से बागी हुए इसहाक आलम जनसुराज चुनाव लड़ रहे हैं, जो मुकाबले को चतुष्कोणीय बनाने मे लगे हुये हैं।इस सीट पर 10 उम्मीदवार रण क्षेत्र में डटे हुये हैं।

बहादुरगंज सीट से राजद ने विधायक मोहम्मद अंजार नैयामी को बेटिकट कर दिया है। महागठबंधन में सीटों के तालमेल के तहत यह सीट कांग्रेस को मिली है।कांग्रेस ने यहां प्रोफेसर मुसव्विर आलम को प्रत्याशी बनाया है।लोक जनशक्ति पार्टी पार्टी (रामविलास) के टिकट पर मोहम्मद कलीमउद्दीन अपना जोर

दिखाने की कोशिश में हैं, वहीं एआईएमआईएम प्रत्याशी तौसीफ आलम चुनावी अखाड़े में हुंकार भर रहे हैं। वर्ष 2020 में एआईएमआईएम प्रत्याशी मोहम्मद अंजार नैयामी ने विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) उम्मीदवार लखन लाल पंडित को पराजित किया था। कांग्रेस उम्मीदार मोहम्मद तौसीफ आलम तीसरे नंबर पर रहे थे। बाद मे एआईएमआईएम के विधायक मोहम्मद अंजार नैयामी राजद में शामिल हो गये थे।वह इस बार चुनाव लड़ने से वंचित रहे गये। बहादुरगंज विधानसभा सीट कांग्रेस का गढ़ रह चुकी है, लेकिन साल 2020 के चुनाव में कांग्रेस, एआईएमआईएम और वीआईपी के बीच त्रिकोणीय मुकाबला था. इस चुनाव में मुस्लिम वोट बटने के कारण कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा था। तौसीफ आलम ने इस क्षेत्र का चार बार प्रतिनिधित्व किया है।

इस सीट पर नौ उम्मीदवार चुनावी अखाड़े में उतरे हैं।

कोचाधामन सीट से राजद ने विधायक मोहम्मद इजहार आशफी को बेटिकट कर दिया है। राजद ने यहां पूर्व विधायक मुजाहिद आलम को उम्मीदवार बनाया है जबकि भाजपा के टिकट पर वीणा देवी चुनावी अखाड़े में अपना जोर दिखा रही हैं। एआईएमआईएम ने शरवर आलम को उम्मीदवार बनाया है।वर्ष 2020 में एआईएमआईएम प्रत्याशी इजहार आशफी ने जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के उम्मीदवार मुजाहिद आलम को पराजित किया था। राजद उम्मीदवार मोहम्मद शाहिद आलम तीसरे नंबर पर रहे थे।बाद मे एआईएमआईएम के विधायक इजहार असफी राजद में शामिल हो गये। इस बार उन्हें चुनाव लड़ने का अवसर नहीं मिला है।कोचाधामन सीट का गठन 2008 में हुए परिसीमन के बाद हुआ था और तब से यह एक मुस्लिम-बहुल सीट मानी जाती है। इस सीट पर पहला विधानसभा चुनाव 2010 में हुआ था। वर्ष 2010 के विधानसभा चुनाव में राजद के टिकट पर अख्तरुल ईमान ने जीत हासिल की। वर्ष 2014 में अख्तरुल ईमान ने लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद इस सीट पर उप चुनाव हुए। उप चुनाव में, जदयू के मुजाहिद आलम ने जीत दर्ज की।वर्ष 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव में, जदयू के मुजाहिद आलम ने अपनी जीत बरकरार रखी। उन्होंने एआईएमआईएम के प्रत्याशी अख्तरुल ईमान को हराया। इस सीट पर छह उम्मीदवार चुनावी संग्राम में किस्मत आजमा रहे हैं।

ठाकुरगंज विधानसभा सीट से राजद ने पूर्व सांसद असरारूल हक कासमी के पुत्र और विधायक सउद आलम को चुनावी समर में उतारा है।जदयू ने यहां पूर्व विधायक गोपाल अग्रवाल पर दांव लगाया है। एआईएमआईएम प्रत्याशी गुलाम हसनैन भी यहां जीत के लिये जोर लगा रहे हैं।वर्ष 2020 में राजद के सउद आलम ने निर्दलीय गोपाल अग्रवाल को चुनावी अखाड़े में शिकस्त दी थी। जदयू के मोहम्मद नौशाद आलम तीसरे जबकि एआईएमआईएम प्रत्याशी महबूब अलाम चौधरी चौथे नंबर पर रहे थे। ठाकुरगंज में 10 उम्मीदवार किस्मत आजमा रहे हैं।

पटना में राज्य व जिला उपभोक्ता शिकायत निवारण का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भारतीय मानक ब्यूरो, पटना शाखा कार्यालय द्वारा दिनांक 30 अक्टूबर 2025 को होटल पार्क प्राईड, पटना में राज्य और ज़िला उपभोक्ता शिकायत निवारण आयोग, पटना के अधिकारियों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, इस अवसर पर और ज़िला उपभोक्ता शिकायत निवारण आयोग, पटना के अध्यक्ष श्री प्रेम रंजन मिश्र और रजिस्ट्रार और सदस्य श्री रजनीश कुमार की गरिमामय उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 35 लोगो ने भाग लिया।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में, भारतीय मानक ब्यूरो पटना शाखा वैज्ञा. ई/निदेशक एवं प्रमुख श्री चंद्रकेश सिंह ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और उन्हें ट्रेनिंग प्रोग्राम के उद्देश्यों के बारे में बताया। उन्होंने उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा में उपभोक्ता आयोगों की महत्वपूर्ण भूमिका और उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने में मानकों के महत्व पर जोर दिया। कार्यशाला का विषय 'उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने में मानकों के महत्व' रखा गया है। भारतीय मानक ब्यूरो, पटना शाखा कार्यालय के वैज्ञा. सी/उपनिदेशक श्री हिमांशु कुमार ने राज्य और ज़िला उपभोक्ता शिकायत निवारण आयोग, पटना के अधिकारियों को बीआईएस के कार्यकलापों, मानकीकरण, आईएसआई मार्क, हॉलमार्किंग, प्रयोगशाला एवं टेस्टींग, प्रशिक्षण सुविधा मैनेजमेन्ट सिस्टम सर्टिफिकेशसन के सन्दर्भ में जानकारी प्रदान की गई इसके साथ-साथ बीआईएस केयर एप, मोबाईल द्वारा निरीक्षण सुविधा झ ई-बीआईस (E-BIS), मानकऑनलाईन.इन पोर्टल (MANAKONLINE.IN), अपनी मानक को जानें (Know Your Standard), शिकायत प्रबंधन प्रणाली (complaint management system) एवं अन्य ऑनलाईन सुविधाओं कि जानकारी दी गई।

कार्यकम के दौरान, भारतीय मानक ब्यूरो पटना शाखा कार्यालय के एसपीओ, श्री प्रशांत कुमार तिवारी ने भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा की जाने वाली प्रचार गतिविधियों और उपभोक्ता जागरूकता पहलों पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। एक इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया, जिसके दौरान भाग लेने वाले अधिकारियों ने कई सवाल पूछे। इन सवालों का जवाब भारतीय मानक ब्यूरो पटना शाखा वैज्ञा. ई/निदेशक एवं प्रमुख श्री चंद्रकेश सिंह ने श्री चंद्रकेश सिंह ने प्रभावी ढंग से दिया। प्रतिभागियों ने ऐसे जानकारीपूर्ण सत्र के आयोजन के लिए BIS के प्रयासों की सराहना की और उपभोक्ता संरक्षण तंत्र को मजबूत करने के लिए आगे भी सहयोग करने में गहरी रुचि व्यक्त की।कार्यक्रम धन्यवाद ज्ञापन और एक ग्रुप फोटो के साथ समाप्त हुआ।

बरारी में एनडीए प्रत्याशी के प्रचार वाहन पर हमला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी /कटिहार। प्रखंड क्षेत्र में शनिवार की शाम एनडीए प्रत्याशी विजय सिंह निषाद के प्रचार वाहन पर हमला करने और पोस्टर फाड़ने का मामला सामने आया है।

घटना को लेकर प्रचार गाड़ी में सवार अनिल कुमार मेहता एवं मुकेश कुमार मेहता ने बरारी थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है।शिकायतकर्ता ने बरारी थाना में दिए गए आवेदन में बताया है कि

पोस्टर फाड़ा और जान से मारने की धमकी

दोनों लोग टोटो संख्या - बीआर 39 इआर 419 से रौनिया गांव में प्रचार कर रहे थे। जब वे भवेश यादव के घर के पास सेमापुर की ओर बढ़ रहे थे।तभी दो युवक भैंस लेकर आए और गाली-गलौज करते हुए गाड़ी में लगे बैनर-पोस्टर को फाड़ने लगे। विरोध करने पर दोनों ने लाठी-डंडे से मारने लगा। जब हमलोगों ने मोबाइल से वीडियो बनाना शुरू किया तो हमलावरों ने जान से मारने की धमकी देते हुए कहा कि तुम्हारा विधायक और नीतीश कुमार कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे।दोनों हमलावरों की पहचान रौनिया निवासी के रूप में की गई है।दोनों की उम्र-22 और 23 बताई जा रही हैं।जो स्थानीय रूप से राजद समर्थक बताए जा रहे हैं। इस संबंध में बरारी थानाध्यक्ष सुमेश कुमार ने बताया कि आवेदन के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विस्तारित समन्वय बैठक आज

बरारी /कटिहार/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में बरारी विधानसभा क्षेत्र के सेमापुर स्थित बुद्धि देवी धर्मशाला में 2 नवंबर को विस्तारित समन्वय बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक दिन के 11 बजे से प्रारंभ होगी। बैठक में विधानसभा संचालन टोली, खंड स्तरीय संयोजक, पंचायत एवं ग्राम संचालन टोली के साथ-साथ विविध संगठनों के दायित्वधारी कार्यकताओं की उपस्थिति रहेगी। इसके अलावा भाजपा के मंडल अध्यक्ष, महामंत्री, शक्ति केंद्र प्रमुख, बूथ अध्यक्ष, संयोजक सहित वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं पूर्व पदाधिकारी भी शामिल होंगे।वही बैठक में घटक दल जेडीयू, लोजपा रामविलास हम और आरएलएसपी के प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों को भी आमंत्रित किया गया है। इस संबंध में विधानसभा संयोजक नवीन कुमार और खंड संयोजक सोनू शर्मा ने बताया कि यह बैठक संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। बैठक में कार्यकताओं की उपस्थिति जरूरी है। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा और संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी।

वायरल वीडियो पर कारवाई

नगर थाना ने खंडहर से 80 लीटर देशी शराब किया बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार नगर। नगर थाना पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर त्वरित कारवाई की है। थानाध्यक्ष सुमन सिंह ने बताया शनिवार को संतोषी चौक स्थित रेलवे खंडहर बिल्डिंग में देशी शराब की खरीद-बिक्री से संबंधित एक वीडियो प्राप्त हुआ था। वायरल विडिओ पर थानाध्यक्ष ने संज्ञान लेते हुए तुरंत छापामारी दल का गठन किया ।जिसके बाद छापामारी दल ने थानाक्षेत्र अंतर्गत खंडहर बिल्डिंग से कुल 80 लीटर देशी शराब बरामद की है। थानाध्यक्ष ने बताया कि वायरल वीडियो में शामिल अभियुक्तों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए सघन छापामारी जारी है।यह इलाका पहले भी शराब संबंधी शिकायतों को लेकर चर्चा में रहा है। थानाध्यक्ष ने बताया कि पूर्व में भी इस क्षेत्र में शराब कारोबार के विरुद्ध नगर थाना द्वारा कई कार्रवाई की जा चुकी है। विभिन्न तिथियों में चार प्राथमिकी दर्ज की गई। जिसके परिणामस्वरूप 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया था और 336.5 लीटर देशी तथा 09 लीटर विदेशी, कुल 345.5 लीटर शराब जब्त की गई थी। आचार संहिता लागू होने के बाद से अब तक पुलिस ने एक बड़ी सफलता दर्ज की है। जिसमें 1,277 लीटर देशी एवं 3,106 लीटर विदेशी,कुल 4,383 लीटर शराब बरामद की गई है और 246 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है।

समस्तीपुर जिले की पांच सीटों पर फिर होगा शह और मात का खेल, दो मंत्रियों की प्रतिष्ठा दांव पर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के प्रथम चरण में छह नवंबर को 121 विधानसभा क्षेत्रों में होने वाले चुनाव में समस्तीपुर जिले की पांच सीटें सरायरंजन, कल्याणपुर (सुरक्षित), समस्तीपुर,मोहिउद्दीननगर और मोरबा सीट पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और महागठंधन के प्रत्याशियों के बीच वर्ष 2020 के बाद इस बार भी चुनावी अखाड़े में शह और मात का खेल देखने को मिलेगा।

समस्तीपुर में इस बार बिहार सरकार के दो मंत्रियों विजय कुमार चौधरी और महेश्वर हजारी की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी हुयी है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जननायक स्वर्गीय कपूर्री ठाकुर और प्रिंस ऑफ पार्लियामेंट के नाम से चर्चित स्वर्गीय सत्यनारायण सिंह की जन्मभूमि समस्तीपुर जिले में दस सीटें उजियारपुर, मोहिउद्दीननगर,विभूतिपुर, रोसड़ा (सुरक्षित), हसनपुर कल्याणपुर(सुरक्षित.),वारिसनगर,समस्तीपुर, मोरवा और सरायरंजन है। कल्याणपुर (सुरक्षित), सरायरंजन और वारिसनगर में जनता दल यूनाईटेड (जदयू),मोहिउद्दीनगर और रोसड़ा (सुरक्षित) में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), समस्तीपुर, उजियारपुर, मोरवा और हसनपुर में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और विभूतिपुर में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) का कब्जा है। बिहार विधानसभा की हॉट सीट सरायरंजन पर सबकी निगाहें टिकीं हुई है। इस सीट पर बिहार सरकार के जल संसाधन और संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी जदयू के टिकट पर जीत का चौका लगाने के लिये चुनावी रणभूमि में उतरे हैं। वहीं, उनके विजय रथ को रोकने के लिये राजद ने यहां अरबिंद कुमार सहनी को मैदान मे उतारा है। वर्ष 2020 में जदयू के श्री चौधरी ने राजद के अरविंद सहनी को चुनावी रणभूमि में मात दी थी। इस बार भी जदयू और राजद प्रत्याशियों के बीच चुनावी टक्कर देखने को मिलेगी।

जदयू के श्री चौधरी की सियासत में एंट्री पारिवारिक विरासत संभालने के लिए हुई थी। विजय कुमार चौधरी के पिता जगदीश प्रसाद चौधरी ने वर्ष 1980 में दलसिंहसराय सीट से जीत हासिल की थी। उनकी मौत के बाद श्री चौधरी ने बैंक की नौकरी छोड़कर राजनीति में कदम रखा था। विजय चौधरी ने वर्ष 1982 में हुये उपचुनाव में कांग्रेस के टिकट से जीत हासिल की थी। इसके बाद वह 1985 और 1990 में भी कांग्रेस के टिकट पर दलसिंहसराय के विधायक बने। सरायरंजन क्षेत्र मे हार-जीत का निर्णय जातीय समीकरणों के आधार पर होता रहा है। इस क्षेत्र मे मछली पालन भी काफी संख्या में लोग करते हैं। विद्यापतिनगर में विद्यापति धाम प्रसिद्ध है। सरायरंजन में 08 प्रत्याशी चुनावी रण में उतरे हैं। कल्याणपुर (सुरक्षित) सीट से बिहार के सूचना एंव जनसंपर्क मंत्री और जदयू विधायक महेश्वर हजारी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुयी है। जदयू प्रत्याशी श्री हजारी के विरूद्ध कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी-लेनिनवाद (भाकपा-माले) प्रत्याशी रंजीत राम चुनौती बन कर सामने खड़े हैं। वर्ष 2020 के चुनाव में जदयू के श्री हजारी ने भाकपा माले के उम्मीदवार रंजीत राम को पराजित किया था। इस बार भी जदयू और भाकपा माले के योद्धा सियासी रणभूमि में अपना-अपना जोर दिखाने के लिये बेताब हैं। महेश्वर हजारी ने वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में समस्तीपुर संसदीय सीट से चुनाव भी जीता था। वर्ष 2015 में जदयू के महेश्वर हजारी ने पूर्व सांसद स्व.रामचंद्र पासवान के पुत्र लोजपा उम्मीदवार प्रिंस राज को पराजित किया था। इस सीट पर आठ प्रत्याशी चुनावी अखाड़े में उतरे हैं।

समस्तीपुर सीट पर राजद ने विधायक अख्तरूल इस्लाम शाहीन को उम्मीदवार बनाया है, जो इस बार जीत का चौका लगाने के लिये मैदान में पूरी ताकत के साथ खड़े है, जबकि जदयू ने श्री शाहीन के विरूद्ध पूर्व सांसद अश्वमेध देवी को उतार दिया है। श्री शाहीन ने वर्ष 2020 के चुनाव में राजद के श्री शाहीन ने जदयू की अश्वमेध देवी को पराजित किया था। इस बार भी राजद और जदयू के उम्मीदवारों के बीच चुनावी टक्कर देखने को मिलेगी। बिहार में सामाजिक क्रांति के पुरोधा नेता रहे पूर्व मुख्यमंत्री कपूर्री ठाकुर के पुत्र राज्यसभा रामनाथ ठाकुर ने इस क्षेत्र का फरवरी 2005, अक्टूबर 2005 और वर्ष 2000 में चुनाव जीता था। समस्तीपुर में 12 प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतरे हैं। मोहिउद्दीन नगर सीट से भाजपा के विधायक राजेश कुमार सिह ताल ठोक रहे हैं, वहीं राजद ने यहां पूर्व विधायक एजया यादव पर दाव लागया है। वर्ष 2020 में भाजपा के राजेश कुमार सिह ने राजद की एजया यादव को चुनावी अखाड़े में मात दी थी।

श्रीराम सुपर 5-एसआर-05 और 303 गेहूं बीज से मिल रही किसानों को रिकॉर्ड उपज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सासाराम। बिहार में गेहूं की खेती में श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स द्वारा विकसित 'श्रीराम सुपर 5-एसआर-05' और 'श्रीराम सुपर 303' गेहूं बीजों ने उल्लेखनीय परिवर्तन लाया है। इन उन्नत किस्मों ने किसानों के बीच उच्च उपज, रोग प्रतिरोधकता और विभिन्न जलवायु परिस्थितियों में अनुकूलता के लिए ख्याति प्राप्त की है। श्रीराम सुपर 5-एसआर-05 और 303 गेहूं की किस्में अपनी अनुकूलन क्षमता और बेहतरीन उत्पादकता के चलते किसानों में बेहद लोकप्रिय हैं। इनमें कल्ले ज्यादा, बालियां लंबी और तना मजबूत है, जिससे फसल गिरने की संभावना नहीं रहती। बिहार के किसान अवधेश पासवान बताते हैं कि हर बाली में 85झ्90 दाने मिले और विपरीत मौसम में भी शानदार उपज प्राप्त हुई। श्रीराम सुपर 5-एसआर-05 और 303 के साथ श्रीराम सुपर 3-एसआर-72, 1-एसआर-14, 111, 272 जैसी किस्में भी किसानों में लोकप्रिय हैं। श्रीराम फार्म

सॉल्यूशन्स, 135 वर्ष पुरानी डीसीएम श्रीराम लिमिटेड का हिस्सा है, जो कृषि इनपुट्स, बीज, विशेष पोषण और फसल संरक्षण के क्षेत्र में सक्रिय है, जिससे भारतीय कृषि को मजबूत और किसानों की आय बढ़ाने में सहायता मिल रही है।

लगातार बारिश से किसानों की बढ़ी चिंता धान-मक्का की फसलों को भारी नुकसान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हसनगंज /कटिहार। प्रखंड क्षेत्र में लगातार तीन दिनों से हो रही बारिश से मौसम में ठंडक बढ़ गई है, वहीं यह बारिश किसानों के लिए मुसीबत बन गई है।हसनगंज प्रखंड क्षेत्र सहित राजवाड़ा और रौतारा पंचायत के धान उत्पादक किसान परेशान नजर आ रहे हैं। कई जगहों पर धान की फसल कटाई के लिए तैयार हो चुकी थी और पौधों में बालियां लग आई थीं, लेकिन लगातार बारिश और तेज हवाओं से फसलें खेतों में गिर गई हैं।किसानों मनोज मंडल,अशोक मंडल, मो. मुकीम और मो. रज्जाक ने बताया कि बारिश से धान की फसल को काफी क्षति पहुँची है। पहले से ही मजदूरों की कमी से जूझ रहे किसान अब गिरी हुई फसल को संभालने के लिए अधिक मजदूरी देने को मजबूर होंगे। इससे उत्पादन लागत बढ़ेगी और पैदावार पर भी असर पड़ेगा। बारिस

ने मक्का की खेती को भी प्रभावित किया है। जिन खेतों में बोआई हो चुकी थी लेकिन पौधे अभी नहीं निकले थे। वहाँ बीज सड़ने की आशंका बढ़ गई है। बुआई का समय भी प्रभावित हो रहा है।लगातार बारिश से फसलों की पैदावार घटने और लागत बढ़ने की चिंता किसानों के चेहरों पर साफ झलक रही है।

लगातार बारिश से चुनाव प्रचार-प्रसार प्रभावित

बरारी /कटिहार/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। विधानसभा चुनाव को लेकर क्षेत्र में प्रचार-प्रसार ने रफ्तार पकड़ी ही थी कि मौसम की बदलती करवट ने प्रत्याशियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। पिछले तीन-चार दिनों से जारी लगातार बारिश के कारण प्रत्याशी, समर्थक और कार्यकर्ता लोगों से संपर्क करने में भारी दिक्कतों का सामना कर रहे हैं। जगह-जगह जलजमाव और कीचड़ भरी सड़कों ने जनसंपर्क अभियान की रफ्तार थाम दी है।

शुक्रवार को बकिया रानीचक में महागठबंधन प्रत्याशी तौकीर आलम के समर्थन में हेलीकॉप्टर से पूर्णिया सांसद पप्पू यादव की चुनावी सभा निर्धारित थी। लेकिन सुबह से जारी बारिश के कारण कार्यक्रम को अचानक रद्द करना पड़ा। मिली जानकारी के अनुसार सभा स्थल पर पूरी तैयारी कर ली गई थी।लेकिन मौसम ने सारा खेल बिगाड़ दिया। इधर मौसम में आए अचानक बदलाव से लोगों को अब ठंड का एहसास होने लगा है।गौरतलब हो कि छठ पर्व के दौरान लोग गर्मी में पंखे चलाकर सोते थे।वहीं अब हल्की-फुल्की ठंड ने दस्तक दे दी है। लगातार बारिश होने से तापमान में तेजी से गिरावट हो रही हैं।

पूर्वी भारत में बीएसएल कर्मी अपने काम में सबसे दक्ष, सीआईआई ने लगायी मुहर

बोकारो के इस्पातकर्मियों ने सीआईआई के 36वें स्किल कम्पटीशन में मनवाया अपने हुनर का लोहा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो के इस्पातकर्मियों ने कोलकाता में हुए सीआईआई के 36वें स्किल कम्पटीशन में अपने हुनर का लोहा मनवाते हुए कुल पांच श्रेणी के स्किल्स में अपनी जीत दर्ज की. जिनमे सीआरएम-क्क्क्क की सुश्री संगीता कुमारी इलेक्ट्रिक मोटर ट्रेड में सबसे अव्वल रहीं तो वहीं सेफ्टी विभाग के अभिजीत कुमार सिंह सीओपीए ट्रेड में, सीआरएम-क्क्क्क के श्री राहुल कुमार एवं श्री पंकज ठाकुर क्रमशः इंस्ट्रेमेंट ट्रेड में व इंडस्ट्रियल हाइड्रोलिक्स ट्रेड में तथा ब्लास्ट फर्नेस के श्री संदीप पूर्ति टर्नर ट्रेड में उपविजेता रहें। बताते चलें की भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के पूर्वी चैप्टर द्वारा आयोजित इस 36वें स्किल कम्पटीशन में पूर्वी भारत के सभी प्रमुख मैनुफैक्चरिंग कंपनियों के कर्मी मैन्युफैक्चरिंग से सम्बंधित अलग अलग कामों जैसे इलेक्ट्रीशियन, फिटर, सीएनसी, कारपेन्टरी, वेल्डिंग इत्यादि श्रेणियों में अपने हुनर का जलवा दिखाने जुटे थे. इस महाजूटान में टाटा, जिंदल, डालमिया जैसी कंपनियों के 300 से ज्यादा टीमों ने भाग लिया था.

पहली बार में ही जमा दी धाकः

उल्लेखनीय है कि बोकारो इस्पात संयंत्र ने पहली बार इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था इसके बावजूद बोकारो के इस्पातकर्मियों ने पांच अलग अलग ट्रेड में अपने कौशल की उत्कृष्टता न केवल इस्पात उद्योग बल्कि पुरे मैनुफैक्चरिंग उद्योग के परिपेक्ष्य में स्थापित की.

लम्बी तैयारी ने लिखी जीत की पारीः

बीएसएल ने इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने से पहले सफलता सुनिश्चित करने के लिए एक लम्बी तैयारी की. सबसे पहले ईडी वर्क्स श्री प्रिय रंजन के मार्गदर्शन में बीएसएल के लर्निंग एवं डेवलपमेंट विभाग ने ईडी वर्क्स स्किल एक्सीलेंस प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में 300 से ज्यादा इस्पातकर्मियों ने अपने कौशल प्रदर्शित किये. इन 300 लोगों में से 120 प्रतिभागियों को अगले राउंड के लिए चुना गया जिसमे उन्हें स्किल टेस्ट, डेमो वर्कशॉप इत्यादि से गुजारा गया. अंततः इन 120 प्रतिभागियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 29 प्रतिभागियों को 10 विभिन्न श्रेणियों हेतु सीआईआई के 36वें स्किल कम्पटीशन में भेजा गया जिसमे 5 श्रेणीयों में बीएसएल ने उल्लेखनीय जीत दर्ज की.

प्रबंधन ने दी बधाई - दक्षता व सुरक्षा दोनों का ध्यान रखने का सन्देश :

इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर बीएसएल को गौरान्वित करने वाले इन सभी कर्मियों को बीएसएल के शीर्ष प्रबंधन ने बधाई देते हुए दक्षता और सुरक्षा दोनों का समन्वय रखते हुए काम कर इसी प्रकार कंपनी का गौरव बढ़ाते रहने का सन्देश दिया. बीएसएल कर्मियों की इस उपलब्धि से उनके परिवारजनों सहित पुरे बोकारो इस्पात नगरी में हर्ष का माहौल व्याप्त है.

बीएसएल में सुरक्षा जागरूकता हेतु सघन अभियान

कार्यस्थल में सुरक्षा मानकों और नियमों के अनुपालन के लिए लगातार चलाए जा रहे अभियान के साथ-साथ संयंत्र में सुरक्षा से जुड़े सभी पहलुओं को पुख्ता बनाने के प्रति बीएसएल प्रबंधन पूर्णतः प्रतिबद्ध है. सुरक्षा अभियंत्रण विभाग, विभागीय सुरक्षा अधिकारी तथा विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष सहित शीर्ष प्रबंधन भी बारीकी से हर सुरक्षा पहलु की समीक्षा कर रही है, साथ ही पीपीई किट का अनिवार्य रूप से इस्तेमाल और कर्मियों के सुरक्षा प्रशिक्षण पर फोकस किया जा रहा है. संयंत्र के विभिन्न शॉप्स में सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश, एसओपी इत्यादि भी पोस्टर -बैनर के माध्यम से प्रमुखता से प्रदर्शित किए जा रहे हैं. सुरक्षा के प्रति जीरो टॉलरेंस के इस अभियान के तहत संयंत्र परिसर के अंदर सड़क सुरक्षा के प्रति कर्मियों को जागरूक करने तथा रोको- टोको जैसी गतिविधियों का भी नियमित रूप से आयोजन किया जा रहा है. इस श्रृंखला में एसएमएस-2 एंड सीसीएस विभाग में सीजीएम श्री डी के सक्सेना की अगुवाई में विभागीय सुरक्षा टीम द्वारा कर्मियों को सड़क सुरक्षा के प्रति अवगत कराया गया. सभी उपस्थित कर्मियों ने इस अभियान को सफल बनाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की और सुरक्षा संदेश दूसरों तक भी पहुंचाने का संकल्प लिया.

तम्बाकू मुक्त युवा के तहत स्कूल के आसपास चलाया गया जांच अभियान

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 को लेकर प सेक्टर 6 में जांच व छापेमारी की गई। नियमित जांच अभियान जिला छापामारी दल के सदस्य मो असलम व सेक्टर-6 थाना के छापामारी दल के द्वारा कई स्कूल के आसपास छापामारी की गई, जिसमें लगभग 53 दुकानों की जांच की गई। कुल 12 दुकानदारों व व्यक्तियों से कोटपा-2003 के उल्लंघन की स्थिति में अर्थ दण्ड के रूप में 2600 रुपए की वसूली की गई और छापामारी के दौरान सेक्टर 6 थाना अन्तर्गत आने वाले सभी स्कूलों के पास की दुकानों में ई-सिगरेट की जांच की गई। जांच के क्रम में किसी भी दुकानदारों के पास ई-सिगरेट की उपलब्धता नही पाया गया। जिला परामर्शी मो असलम द्वारा बताया गया कि सभी दुकानदारों को अपने दुकान के सामने कोटपा-2003 की धारा 6ए का पोस्टर लगाने को कहा गया। कोटपा-2003 के धारा 6ए के अनुसार 21 वर्ष से कम आयु के बच्चों का तम्बाकू पदार्थ बेचना या बेचवाना कानूनन अपराध है। का बोर्ड लगाना चाहिए। प्रायः देखा गया है कि कुछ दुकानदार ही इसका अनुपालन कर रहें है अन्य सभी को भी इसका अनुपालन करने को कहा गया। कोटपा-2003 के अनुसार धारा 6ए क्या कहता है- धारा-6ए 21 वर्ष से कम आयु के बच्चों का तम्बाकू पदार्थ बेचना या बेचवाना कानूनन अपराध है।

ई-सिगरेट भारत के अन्दर पूर्ण रूप से प्रतिबन्धित है-

सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद द्वारा बताया गया कि तम्बाकू मुक्त युवा अभियान के तहत यह नियमित जांच अभियान चलता रहेगा और समय समय पर ई-सिगरेट को लेकर विशेष अभियान भी चलाया जा रहा है। सभी थाना प्रभारी दैनिक गश्ती दल के माध्यम से प्रत्येक दिन चालान करवाना सुनिश्चित करें ताकि कोटपा का अनुपालन और अच्छे से हो सके। चालान से सम्बन्धित रसीद सभी प्रखण्ड स्तरीय पदाधिकारी एवं थाना में उपलब्ध है। साथ ही यह भी कहा कि यदि कोई दुकानदार ई-सिगरेट की विक्री कर रहे है तो वह इसको बेचना बन्द कर दें क्योंकि ई-सिगरेट भारत के अन्दर पूर्ण रूप से प्रतिबन्धित है पकडे जाने पर सख्त कार्रवाई का प्रावधान है। इस अवसर पर जिला छापामारी के सदस्य मो असलम जिला परामर्शी तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम व सेक्टर 6 थाना के छापामारी दल उपस्थित थे।

धनबाद में 10 ब्लड बैंकों की हो रही जांच

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड के चाईबासा में चार बच्चों को एचआईवी संक्रमित रक्त चढ़ाने की घटना के बाद राज्य सरकार पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गई है। सरकार ने सभी जिलों के स्वास्थ्य विभाग से ब्लड बैंकों की जांच रिपोर्ट तलब की है। इसी क्रम में धनबाद जिला प्रशासन और सिविल सर्जन कार्यालय को भी विस्तृत रिपोर्ट भेजने का निर्देश मिला है। धनबाद सिविल सर्जन डॉ. आलोक विश्वकर्मा ने बताया कि जिले में कुल 10 ब्लड बैंक हैं, जिनमें एसएनएमएमसीएच, सदर अस्पताल और विभिन्न निजी अस्पतालों के ब्लड बैंक शामिल हैं। इसके लिए चिकित्सकों की तीन टीमें बनाई गई हैं, जो ब्लड से जुड़ी 35 बिंदुओं पर जांच कर रही हैं। उन्होंने बताया कि जांच रिपोर्ट जल्द ही तैयार कर रांची भेजी जाएगी। सिविल सर्जन ने यह भी कहा कि ब्लड बैंक में रक्त जमा करने से पहले उसकी पूरी जांच की जाती है, जिसमें दाता के मल्टीपल सेक्स कॉन्टेक्ट, अल्कोहल सेवन जैसी बातों की भी जांच होती है, ताकि किसी भी तरह के संक्रमण की संभावना न रहे।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर उपायुक्त ने किया निरीक्षण

हेलीपैड की बेरीकेटिंग, ड्रॉप गेट को लेकर दिया जरूरी दिशा-निर्देश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रविवार को नावाडीह प्रखंड के अलारगो में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर शनिवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने सुरक्षा व्यवस्था, हेलीपैड क्षेत्र की बैरिकेडिंग, ड्रॉप गेट निर्माण एवं अन्य व्यवस्थाओं का विस्तार से जायजा लिया। उन्होंने एसडीपीओ बेरमो, बीडीओ, सीओ तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सभी कार्यों को देर शाम तक पूर्ण करने का कहा। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम स्थल पर आमजन, माननीय अन्य अतिथियों की सुरक्षा एवं सुविधा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी समन्वय के साथ कार्य कर संपूर्ण व्यवस्था सुचारु रूप से सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, एनडीसी प्रभाष दत्ता, एसडीपीओ बेरमो बी एन सिंह, कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल अमृत टोपनो, चंद्रपुरा नावाडीह बीडीओ/सीओ, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी श्री अविनाश कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इससे पूर्व,उपायुक्त ने झारखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती बेबी देवी से भी मिलकर आयोजन की जानकारी ली। जानकारी हो कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रविवार को अलारगो में सूबे के पूर्व शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के पिता स्वर्गीय नेम नारायण महतो के श्राद्धकर्म में शामिल होंगे।

संक्षिप्त समाचार

मगध सम्राट जरासंध की जयंती धूमधाम से मनाई गई

तेतुलमारी (धनबाद)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। अखंड भारत के चक्रवर्ती मगध सम्राट महाराज जरासंध की जयंती बौआकला में धूमधाम से मनाई गई। रंग लाल रवानी चौक में अखिल भारतवषीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासंघ धनबाद जिला समिति के नेतृत्व में समाज के लोगों ने उनकी प्रतिमा पर माला अर्पण और दीप प्रज्वलित कर उनको याद किया। इस अवसर पर सभी लोगों मे प्रसाद वितरण किया गया । इस मौके पर नेता जगदीश रवानी ने सभी को एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भगवान जरासंध चद्रवंशी समाज के ईष्ट देव हैं। जेठान के दिन उनकी जयंती धूमधाम से समाज के लोग मनाते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जरासंध को मगध सम्राट भी कहा जाता है इनका ज़िक्र महाभारत में भी किया गया है। इस मौके पर समाज के दर्जनों लोग उपस्थित थे।

मरम्मति कार्य को बरमसिया फ्लाईओवर 15 दिन बंद रहेगा

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बरमसिया ओवरब्रिज की मरम्मती कार्य का रास्ता आखिरकार साफ हो गया है। 5 नवंबर से पुल की मरम्मत का कार्य शुरू होगा, जो 20 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान पुल पर वाहनों के परिचालन पर पूरी तरह रोक रहेगी। मरम्मती कार्य के लिए रेलवे को राज्य सरकार की ओर से 40 लाख रुपये आवंटित किए गए हैं, जबकि कुल लागत लगभग 1 करोड़ 43 लाख रुपये की होगी। मरम्मती कार्य में पुल के गार्डवाल से लेकर ऊपर की सड़क तक का नवीनीकरण किया जाएगा। रेलवे इस कार्य को अंजाम देगा। इसके लिए रेलवे ने जिला प्रशासन से 45 दिनों का समय मांगा है। शुक्रवार को डीसी की अध्यक्षता में हुई बैठक में पुल को 5 नवंबर से 20 दिसंबर तक बंद रखने का निर्णय लिया गया। बैठक के बाद एसडीएम, ट्रैफिक डीएसपी अरविंद कुमार सिंह, पथ निर्माण विभाग एवं रेलवे के पदाधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर वैकल्पिक मार्गों का निरीक्षण किया। युवा संघर्ष मोर्चा के केंद्रीय संयोजक दिलीप सिंह ने मरम्मती कार्य शुरू होने पर शासन, प्रशासन और मीडिया का आभार व्यक्त किया।

स्वयं में सुधार एवं अनुशासन सबसे ज्यादा जरूरी : पी. के. रथ

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विगत एक सप्ताह से सेल रिफ्रैक्ट्रीज युनिट एस आर यू के प्रधान कार्यालय एवं सभी यूनिटों में चल रहे सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आज समापन समारोह प्रधान कार्यालय के भारत मंडपम सभागार में सम्पन्न हुआ।इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि सेल रिफ्रैक्ट्रीज युनिट के अधिशासी निदेशक पी.के.रथ उपस्थित थे। सबसे पहले महाप्रबंधक सतर्कता जी.आर.बर्मन ने बुके देकर अधिशासी निदेशक का स्वागत सम्मान किया।मंच पर सभी मुख्य महाप्रबंधक भी उपस्थित थे। विगत एक सप्ताह में सतर्कता जागरूकता से सम्बंधित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था जिसमें अधिशासी एवं गैर अधिशासी वर्ग में दर्जनों प्रतिभागियों ने भाग लिया । मुख्य रूप से निबंध प्रतियोगिता,क्वीज प्रतियोगिता,नारा लेखन प्रतियोगिता, इत्यादि थे। इसमें भाग लेने वाले सभी विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक पी.के.रथ ने अपने सम्बोधन में कहा कि जब हम अपने मोह एवं लालच पर अंकुश लगाएंगे तथा धर्म पथ पर चलते हुए स्वयं के ईमानदारी से उपार्जित धन /आय पर गर्व के साथ जीवन यापन करेंगे तो स्वतः भ्रष्टाचार मुक्त समाज का निर्माण संभव हो सकता है। हमें स्वयं में सुधार करने की सबसे पहले आवश्यकता है फिर जग स्वयं सुधर जाएगा।एक अनुशासित एवं भ्रष्टाचार मुक्त समाज ही एक सशक्त एवं गौरवशाली इतिहास तथा देश का निमार्ता होता है। पूरी ईमानदारी एवं पारदर्शी तरीके से अपने विभागीय कार्यों का हमें निष्पादन करना चाहिए। सभी प्रतिभागियों एवं विजेताओं को शुभकामनाएं एवं बधाइयां दीं। कार्यक्रम को सभी मुख्य महाप्रबंधकों ने भी सम्बोधित किया। संचालन अमन कुमार ने किया और धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक जी.आर.बर्मन ने किया।

पूर्व कर्मियों के सहयोग से डीवीसी निरंतर आगे बढ़ रहा है : विजया नन्द शर्मा

चंद्रपुरा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र में पदस्थापित दो डीवीसी कर्मी व अधिकारी कल सेवा निवृत हो गए। इस अवसर पर कल देर शाम आयोजित समारोह में सेवानिवृत कर्मियों आशुतोष साहा और दयाशंकर राय को डीवीसी के वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें उपहार भेंट कर सम्मानित किया। समारोह में वरिष्ठ महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रधान विजया नन्द शर्मा ने कहा कि डीवीसी समाज और राष्ट्र की सेवा में निरंतर लगा हुआ है । डीवीसी के पूर्व कर्मियों के ही सहयोग और सकारात्मक पहल से डीवीसी निरंतर आगे बढ़ रहा है। देश की उन्नति में डीवीसी ने अनंत कार्य किया है और आगे भी करता रहेगा। उन्होंने कहा कि समाज की उन्नति के लिए हम सभी को एकजुट होकर सार्थक प्रयास करते रहना चाहिए। मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) डॉक्टर डी सी पांडेय ने कहा कि डीवीसी अपने मिशन में पूर्ण रूपेण कामयाब रहा है और आगे भी हम समाज और देश का सेवा करते रहेंगे । समारोह का संचालन अनिमेष गिरि ने किया।

बूढ़ीडीह पंचायत में सतर्कता जागरूकता ग्राम सभा का किया आयोजन

चंद्रपूरा (बोकारो)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। दामोदर घाटी निगम चंद्रपुर ताप विद्युत केंद्र व सतर्कता विभाग द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के उपलक्ष्य में आज बूढ़ीडीह ग्राम पंचायत भवन में एक जागरूकता ग्राम सभा का आयोजन किया गया। मुखिया सुनीता देवी ने ग्रामीणों को शपथ दिलाई। लगभग 100 ग्रामीणों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। ग्रामीण क्षेत्र में व्यापक जन जागरूकता के उद्देश्य से प्रत्येक नागरिक को अपने व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, नैतिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही अपनाने को जागरूक किया गया। साथ-साथ विकसित भारत 2047 के विकास की दिशा में भ्रष्टाचार की रोकथाम के लिए एक सतर्क नागरिक होने के महत्व को सीटीपीएस परियोजना के वरिष्ठ प्रबंधक (यां.) और परियोजना सतर्कता अधिकारी ने अपने संबोधन में कहा। ग्रामीणों के साथ पीआईडीपीआई (सार्वजनिक हित प्रकटीकरण और मुखबिरों की सुरक्षा) शिकायत विधियों के साथ-साथ साइबर सुरक्षा पर भी चर्चा की गई। ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि ब्रम्हा देव हेम्ब्रम ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह के पालन पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में सहायक प्रबंधक (सीएसआर) श्रीवत्स, प्रफुल्ल भंडारी, सुमन कुमार, अनीता कुमारी (ग्राम पंचायत समिति सदस्य) आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सीटीपीएस के सीएसआर विभाग के प्रफुल्ल भंडारी ने किया।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपित को विशेष पॉस्को कोर्ट से जमानत

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो जिले में नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के गंभीर आरोप में जेल में बंद आरोपी शाहनवाज अहमद को विशेष पॉस्को कोर्ट ने जमानत प्रदान कर दी है। विशेष न्यायाधीश सह जिला जज तृतीय दिवेश कुमार त्रिपाठी की अदालत ने आरोपी की याचिका पर सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया, जिससे मामला चर्चा का विषय बन गया है। मामला माराफारी थाना क्षेत्र के कांड संख्या 58/2025 से जुड़ा है, जहां नाबालिग पीड़िता के परिवार की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और पॉस्को अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। आरोपी पर नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने का आरोप है, जो पॉस्को कोर्ट संख्या 63/2025 के रूप में वर्तमान में ट्रायल के दौर से गुजर रहा है। शाहनवाज अहमद 16 जुलाई 2025 से न्यायिक हिरासत में चास जेल मे बंद है। कोर्ट में आरोपी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रणजीत गिरि ने जमकर बहस की। उन्होंने अदालत को तर्कसंगत बिंदु प्रस्तुत करते हुए जमानत की मांग की, जिसमें आरोपी के लंबे हिरासत काल एवम गवाहों के बयान को प्रमुखता दी गई। विशेष पॉस्को कोर्ट ने इन तर्कों को स्वीकार करते हुए जमानत का आदेश जारी किया है। यह फैसला पॉस्को मामलों में कानून के तहत अपराधियों को सख्त सजा का प्रावधान है,

लीज और लाइसेंस धारियों की सुविधा के लिए बीएसएल ने शुरू किया ट्रेड चेंज की प्रक्रिया

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) ने व्यापारियों की सुविधा के लिए ट्रेड चेंज की प्रक्रिया शुरू की है। यह प्रक्रिया उन प्लाटधारियों और लाइसेंस धारियों के लिए है जो बिना अनुमति के जनरल ट्रेड से रिस्ट्रिक्टेड ट्रेड का संचालन कर रहे हैं। ज्ञातव्य है कि कुछ महीने पूर्व बीएसएल की ओर से ट्रेड चेंज का नोटिस उन सभी प्लाटधारियों को निर्गत किया गया था जो बिना अनुमति के रिस्ट्रिक्टेड ट्रेड चला रहे थे। इनमें से बहुत सारे प्लाटधारियों ने शुल्क जमा कर अपने ट्रेड चेंज का अनुरोध किया है। इसके अलावा कई प्लाटधारियों ने सूचना दे कर बीएसएल को अवगत करते हुए अनुरोध किया है कि वे अपने यहाँ जो रिस्ट्रिक्टेड ट्रेड चला रहे थे, उसे बंद कर दिए हैं। ऐसे सभी प्लाटधारियों की जाँच की जा रही है जिन्होंने रिस्ट्रिक्टेड ट्रेड बंद करने की सूचना दी है तथा जांच के पश्चात रिस्ट्रिक्टेड ट्रेड संचालन सूची से उन्हें बाहर कर दिया जाएगा। जो लीजधारी शुल्क के साथ- साथ जरूरी कागजात जमा कर दिए हैं, उनकी जाँच के बाद ट्रेड चेंज की प्रक्रिया पूरी कर ट्रेड चेंज का आदेश पत्र निर्गत किया जाएगा। वैसे सभी प्लॉट और लाइसेंस धारी जो आवेदन दे कर ट्रेड चेंज की औपचारिकता पूरी किए थे, उनका आज कमिटी के द्वारा निरीक्षण किया गया तथा जाँचोपरान्त अन्य आवश्यक कार्यवाही कर ट्रेड चेंज का परमिशन निर्गत कर दिया जाएगा। जो लीजधारी नोटिस पाने के बावजूद अभी तक टर्नअप नहीं हुए हैं, उन्हें पुनः नोटिस दिया जा रहा है। यदि इस बार भी नोटिस का अनुपालन नहीं किया जाएगा, तो ऐसे प्लाटधारियों पर नियमानुसार कार्यवाई की जाएगी। निरीक्षण करने वाली टीम में नगर प्रशासन विभाग के महाप्रबंधक श्री एके सिंह, महाप्रबंधक श्री लम्बोदर उपाध्याय, महाप्रबंधक श्री राजुल हरकरनी तथा उप महाप्रबंधक श्री संदीप कुमार शामिल थे।

नगर निगम चुनाव को लेकर प्रशासनिक तैयारियां हुई तेज

स्ट्रांग रूम, मतगणना केंद्र, नियंत्रण कक्ष, सुरक्षा व्यवस्था एवं प्रवेश-निकास द्वारों की निगरानी प्रणाली हेतु किया अवलोकन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आगामी नगर निगम चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने हेतु जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में आज उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन एवं वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने संयुक्त रूप से धनबाद पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर का निरीक्षण किया। पॉलिटेक्निक परिसर को चुनावी दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल के रूप में चयनित किया गया है, जहां से ईवीएम मशीनों का डिस्पैच, रिसीविंग एवं मतगणना कार्य संपन्न किया जा सके। निरीक्षण के क्रम में दोनों वरीय पदाधिकारियों ने परिसर में स्ट्रांग रूम, मतगणना केंद्र, नियंत्रण कक्ष, सुरक्षा व्यवस्था एवं प्रवेश-निकास द्वारों की निगरानी प्रणाली हेतु विस्तृत अवलोकन किया। उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा की राज्य सरकार द्वारा लगातार निर्देश दिया जा रहा है कि आगामी नगर निगम चुनाव की तैयारियां शुरू करनी हैं। एहतियातन के तौर पर दो-तीन स्थानों का निरीक्षण किया जाएगा ताकि जो बेहतरीन व्यवस्थाएं हो सके वो हम लोग करें। साथ ही सबसे महत्वपूर्ण है की मतदान कर्मियों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं हो। उन्होंने कहा कि नगर निगम चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने कहा कि पूरे परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाया जाएगा। इसके लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ सीसीटीवी कैमरे, फायर सेफ्टी सिस्टम, बैरिकेडिंग, प्रवेश नियंत्रण व्यवस्था एवं वॉच टावर की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक एवं पुलिस विभाग के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे। दोनों अधिकारियों ने संबंधित शाखाओं को निर्देश दिया कि सभी व्यवस्थाओं की समय-समय पर समीक्षा की जाए, ताकि चुनावी प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

स्वत्वाधिकारी,
प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार),
स्थानीय संपादक :
मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145665
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com